सुविचार

प्रयत्न देवता की तरह है जबकि भाग्य दैत्य की भांति, ऐसे में प्रयत्न देवता की उपासना करना ही श्रेष्ठ काम है।

गुरु रामदास

दैनिक

रेवांचल टाइम्स

निष्पक्ष, निर्भीक एवं सत्य का प्रवर्तक

Revanchal Times
7509202320
@revanchal_times
revanchaljabalpur@gmail.com
revanchaltimes_

■ वर्ष 2 ■ अंक 303 ■ जबलपुर, शुक्रवार 31 अक्टूबर 2025 ■ पृष्ठ 8 ■ मूल्य, 01 रुपये ■ RNI. Reg. No MPHIN/2023/90965

कांग्रेस-RJD ने किया छठी मइया का अपमान

पीएम बोले- बिहार की जनता इसे कभी नहीं भूलेगी

मुजफ्फरपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरूवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने छठी मइया का अपमान किया है, जिसे बिहार की जनता कभी नहीं भूलेगी। पीएम मोदी ने आज मोतीपुर में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि छठ महापर्व के बाद यह उनकी पहली जनसभा है। उन्होंने कहा कि छठ महापर्व बिहार और देश का गौरव है। देश और दुनिया में छठ महापर्व मनाया जाता है। हम छठ के गीत सुनते हैं, तो भाव विभोर हो उठते हैं। छठी मइया की पूजा में मां की भक्ति है। क्षमता, ममता और सामाजिक समरसता है। ये हमारी साझी विरासत का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि आपने देखा है कि आपका ये बेटा छठी मइया की जय-जयकार पूरी दुनिया में करा रहा है। लेकिन कांग्रेस और राजद के के लोग छठी मइया का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा क्या कोई सिर्फ वोट पाने के लिए छठी मइया का अपमान कर सकता है। क्या बिहार, हिंदुस्तान और वो माताएं जो निर्जला व्रत रखती हैं, ऐसा अपमान बर्दाश्त करेंगी। छठी मइया का अपमान करने वालों को जनता देगी।

पीएम मोदी ने कहा कि राजद और कांग्रेस के नेता बेशर्मी से कह रहे हैं कि छठ पूजा एक नौटंकी है, एक ड्रामा है। उन्होंने पूछा क्या ऐसे लोगों को सजा नहीं मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा जो महिलाएं बिना पानी के इतना लंबा व्रत रखती हैं, जो गंगा जी में खड़े होकर सूर्यदेव को अर्घ्य देती हैं, राजद और कांग्रेस के नेताओं की नजर में वो सब ड्रामा करती हैं। उन्होंने पूछा क्या बिहार की माताएं और बहनें छठी मईया का ये अपमान सहेंगी. उन्होंने कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि बिहार का कोई भी व्यक्ति इस अपमान को कभी नहीं भूलेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार कोशिश कर रही है कि हमारे छठ महापर्व को यूनेस्को की सूची में शामिल किया जाए। इससे हर बिहारी को गर्व होगा, जब दुनिया में महान विरासत के तौर पर उसका नाम लिया जाएगा। हर हिंदुस्तानी को गर्व होगा।

लालू ने बिहार को अपराध का अड्डा बनाया था, नीतीश ने उस जंगलराज को खत्म कर दिया: शाह

लखीसराय। केन्द्रीय गृह मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने कहा कि जिस बिहार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता लालू यादव ने अपराध का अड्डा बनाया था, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार उसे जंगलराज से बाहर निकालकर विकास का पर्याय बना रहे हैं। अमित शाह ने लखीसराय में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि वर्ष 2005 के पहले पूरा बिहार जंगलराज की चपेट में था। तब अपहरण होता था और खून बहाया जाता था। सारे उद्योग, व्यापार, ट्रेडिंग बंद हो गए थे, बस एक ही धंधा चल रहा था अपहरण और फिरौती का। उन्होंने कहा प्रदेश की जनता ने नीतीश कुमार के हाथ में बिहार का शासन दिया। नीतीश ने जंगलराज को समाप्त कर दिया और बिहार में नए विकास की शुरूआत की। लालू यादव ने बिहार को अपराध का अड्डा बनाया था, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार उसे जंगलराज से बाहर निकालकर विकास का पर्याय बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह चुनाव विकसित बिहार बनाने का चुनाव है।

योग और ध्यान रिट्रीट : केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के शासन में देश नक्सलवाद मुक्त हो रहा है, आतंकवाद से मुक्त हो चुका है और भ्रष्टाचार से भी मुक्त हो चुका है। उन्होंने कहा कि छह नवंबर को मतदान है, आप सभी को कमल और तीर के निशान पर बटन दबाना है लेकिन आप ऐसा सोच कर बटन मत दबाना कि आपके वोट से कोई विधायक या मंत्री बनेगा बल्कि आप ये सोच कर वोट दीजिएगा कि आपका एक-एक वोट नीतीश और मोदी के नेतृत्व में बिहार को विकसित बनाने के लिए है। आपका एक एक वोट जंगलराज को रोकने के लिए है। अमित शाह ने बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण बाबू की चर्चा करते हुए कहा कि कृष्ण बाबू ने ही 14 साल तक बिहार के विकास की नींव रखने का काम किया। उन्होने कहा कि श्रीकृष्ण बाबू के समय में ही बिहार भारत के प्रमुख राज्यों में से एक राज्य बना, जिसे आगे चलकर लालू-राबड़ी ने जंगलराज से बर्बाद कर दिया। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि लखीसराय का सिंदूर सिर्फ सिंदूर नहीं है, हमारी माताओं और बहनों के सौभाग्य की निशानी है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने पहलगाम में मारे गए यात्रियों का बदला लेने के लिए ऑपरेशन चलाया। इसको ह्यऑपरेशन सिंदूरह्ल नाम देकर हमारी माताओं बहनों का सम्मान पूरे विश्व में बढ़ाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि लखीसराय का सिंदूर और गुलाल पूरे प्रदेश में प्रसिद्ध है, और इस चुनाव में भी यह अपने प्रतीकात्मक महत्व के कारण चर्चा में है। लेकिन यह याद रखना जरूरी है कि जब देश की सुरक्षा की बात आई, तब लालू और सोनिया गांधी ने अपने वोट बैंक के लिए आतंकवाद पर लचीला रुख अपनाया था। अमित शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के शासनकाल में आए दिन पाकिस्तानी आतंकवादी देश में खून-खराबा करते थे, हमारी धरती को लहूलुहान करके चले जाते थे, और सरकार चुप रहती थी। लेकिन 2014 में जब देश ने नरेन्द्र मोदी जी को प्रधानमंत्री बनाया, उसके बाद तस्वीर बदल गई। अब हर आतंकी हमले का जवाब ताकत से दिया। ऑपरेशन सिंदूर करके पाकिस्तान के घर में घूसकर आतंकवादियों का सफाया किया। अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पीएम मोदी को अपमानित करने के लिए कुछ शब्दों का इस्तेमाल किया। लेकिन पीएम मोदी का अपमान करके उन्होंने छठी मैया का भी अपमान किया। उन्होंने कहा कि राहुल छठी मैया के महत्व और आस्था को नहीं समझेंगे। न ही आपकी मां समझेगी। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता छठी मईया के अपमान का बदला जरूर लेगी।जब 14 नवंबर को बक्से खुलेंगे, तो महागठबंधन) का सफाया हो जाएगा।

दिल्ली पुलिस का सुप्रीम कोर्ट में विस्फोटक दावा

2020 दंगे 'शासन पलटने' की बड़ी साजिश का हिस्सा

नई दिल्ली। दिल्ली दंगों पर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में होने वाली सुनवाई से पहले, दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी में फरवरी 2020 में हुए दंगों के पीछे कथित साजिश से जुड़े यूएपीए मामले में उमर खालिद, शरजील इमाम, गुलफान फातिमा और मीरान हैदर की जमानत याचिकाओं के जवाब में शीर्ष अदालत में एक विस्तृत हलफनामा दायर किया है। पुलिस ने एक बार फिर उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत का विरोध करते हुए कहा है कि आरोपियों ने मामले की सुनवाई में देरी के लिए "जानबूझकर हथकंडे अपनाए"। दिल्ली पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट में दायर हलफनामे में कहा, "2020 की हिंसा एक संगठित "शासन परिवर्तन अभियान" का हिस्सा थी।" पुलिस के अनुसार, दंगे स्वतःस्फूर्त नहीं थे। हलफनामे में, पुलिस ने कहा है कि यह देश में शांति भंग करने और वैश्विक स्तर पर भारत की छवि को नुकसान पहुँचाने का एक सुनियोजित प्रयास था। यह घटनाक्रम दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा 2020 की हिंसा से संबंधित यूएपीए मामले में खालिद और अन्य को जमानत देने से इनकार करने के बाद सामने आया है। पुलिस ने कहा कि उन्होंने गवाहों के बयान, दस्तावेज और तकनीकी साक्ष्य एकत्र किए हैं जो आरोपियों को "सांप्रदायिक आधार पर रची गई एक गहरी साजिश" से जोड़ते हैं। पुलिस का कहना है कि यह अशांति नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) के खिलाफ असंतोष को हथियार बनाकर "भारत की संप्रभुता और अखंडता पर प्रहार करने के लिए रची गई थी"। दिल्ली पुलिस ने उमर खालिद, शरजील इमाम, मीरान हैदर और गुलफिशा फातिमा सहित याचिकाकताओं पर "तुच्छ आवेदनों" और "सुनियोजित असहयोग" के जरिए मुकदमे की कार्यवाही में व्यवस्थित रूप से देरी करने का आरोप लगाया है। हलफनामे के अनुसार, आरोपियों ने निचली अदालत को आरोप तय करने और मुकदमा शुरू करने से रोकने के लिए "प्रक्रिया का खुलेआम दुरुपयोग" किया। पुलिस तर्क देगी कि कार्यवाही में देरी जांच एजेंसियों की वजह से नहीं, बल्कि खुद आरोपियों की वजह से हुई। गैरकानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) का हवाला देते हुए, दिल्ली पुलिस ने कहा है कि आतंकवाद से जुड़े ऐसे गंभीर अपराधों के लिए "जमानत नहीं, जेल" नियम है। हलफनामे में कहा गया है कि आरोपी प्रथम दृष्टया दोष की धारणा को खारिज करने में विफल रहे हैं और अपराध की गंभीरता केवल मुकदमे में देरी के कारण रिहाई को प्रतिबंधित करती है। अधिकारियों ने गवाहों की असहनीय सूची के दावों को खारिज कर दिया है, यह स्पष्ट करते हुए कि केवल 100-150 गवाह ही महत्वपूर्ण हैं और यदि आरोपी सहयोग करते हैं तो मुकदमा जल्दी समाप्त हो सकता है।

भारत के अंतिम गांव में बड़ा हादसा, नदी में पलटी नाव, एक महिला का शव मिला, आठ लापता

बहराइच। उत्तर प्रदेश में बहराइच जिले के सुजौली क्षेत्र के अंतर्गत कतर्नियाघाट के ट्रांस गेरुआ के जंगल में बसे भारत के अंतिम गांव भरथापुर में बुधवार देर शाम नाव पलटने में कौडियाला नदी में डूबी एक बुजुर्ग महिला का शव मिल गया है जबकि पांच बच्चों समेत आठ अन्य की तलाश जारी है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राम नयन सिंह ने बताया कि लखीमपुर खीरी जिले से सटे बहराइच जिले के आखिरी गांव भरथापुर के ग्रामीण लखीमपुर में भरतिया गांव खरीददारी करने गये थे। वापस लौटते समय नदी तट से कुछ दूरी पर उनकी नाव लकड़ी के बड़े टुकड़े से टकरा कर अंसतुलित होकर पलट गयी। नाव में कुल 22 लोग सवार थे जिनमें से 13 व्यक्तियों को बाहर निकाल लिया गया है। उन्होने बताया कि नदी में डूबी एक महिला रमजैया 660) निवासी भगगड़वा का शव प्राप्त हो चुका है जबकि पांच बच्चों समेत आठ लोगों की तलाश एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और सशस्त्र सीमा बल के जवान कर रहे हैं। डूबे यात्रियों में नाविक मिहिलाल (40), शिवनंदन मौर्य (50),सुमन (28),सोहनी (05),शिवम (9),रमजैया के 2 पोते उम्र क्रमशः 07 वर्ष व 10 वर्ष और शांति (5) शामिल हैं।

मध्यप्रदेश के धार में बन रहे रेल पुल पर क्रेन गिरने से दो लोगों की मौत

धार। मध्यप्रदेश के धार जिले में बृहस्पतिवार को एक निमार्णाधीन रेलवे पुल पर काम कर रही क्रेन पलटकर एक ट्रक पर गिर गई, जिससे दो लोगों की मौत हो गई और कुछ अन्य लोगों के फंसे होने की आशंका है। यह घटना जिला मुख्यालय से 48 किलोमीटर दूर, पीथमपुर इंडस्ट्रियल एरिया के पास, सगौर कस्बे के पास हुई। पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी ने बताया कि रेलवे पुल का निर्माण कार्य चल रहा था और काम में लगी क्रेन अचानक पलटकर पास से गुजर रहे एक ट्रक पर गिर गई। उन्होंने बताया कि ट्रक में सवार दो लोगों की कुचलकर मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि कुछ लोगों के क्रेन के नीचे फंसे होने की भी आशंका है। सूचना मिलने के बाद जिला प्रशासन और पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारी ने बताया कि ट्रक में फंसे शवों को निकालने की कोशिशें जारी हैं।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में हंगामा, NC-BJP विधायक भिड़े

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में गुरुवार को विपक्षी भाजपा विधायक, ठउ विधायकों से भिड़ गए। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही भाजपा नेता खड़े हो गए और प्रश्नकाल स्थगित करने की मांग करने लगे। उनका कहना था कि सदन में जम्मू के बाढ़ प्रभावित इलाकों पर आधे घंटे की चर्चा की जाए। लेकिन अध्यक्ष अब्दुल रहीम राठेर ने इखढ विधायकों से प्रश्नकाल चलने देने का अनुरोध किया। भाजपा सदस्य नहीं माने और अपनी मांग पर अड़े रहे। हंगामा बढ़ने पर किश्तवाड़ से भाजपा विधायक शगुन परिहार सदन के वेल में जाने लगीं, लेकिन महिला वॉच एंड वार्ड स्टाफ ने उन्हें रोक दिया।इसके बाद वेल में कूदने दो भाजपा विधायकों आरएस पठानिया और सुरिंदर कुमार को मार्शलों ने बाहर निकाल दिया। इखढ विधायक पूरे प्रश्नकाल तक सदन में खड़े रहे, बाद में उन्होंने बायकॉट कर दिया।

ओडिशा में डकैती व सामूहिक दुष्कर्म के जुर्म में पांच लोगों को 20 साल के कठोर कारावास की सजा

भुवनेश्वर। ओडिशा के कंधमाल जिले की एक अदालत ने, बंदूक दिखा कर एक नाबालिग लड़की से डकैती और सामूहिक दुष्कर्म करने के 16 महीने पुराने मामले में पांच लोगों को दोषी ठहराते हुए उन्हें 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। विशेष लोक अभियोजक बनमाली बेहरा ने बुधवार को बताया कि फूलबनी की त्वरित अदालत के न्यायाधीश कैलाश चंद्र स्वैन ने प्रत्येक दोषी पर 26,000 रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। उन्होंने बताया कि दारिंगबाड़ी थाना क्षेत्र के निवासी सभी दोषियों की आयु 24 से 47 वर्ष के बीच है। अदालत ने कहा, ह्यजुमार्ना न चुकाने की स्थिति में प्रत्येक दोषी को अतिरिक्त पांच वर्ष की कैद भुगतनी होगी। अभियोजन पक्ष के अनुसार घटना 24 अप्रैल 2024 की है, जब पिस्तौल और चाकू से लैस नकाबपोश बदमाश रात में पीड़िता के घर में घुसे और उसके सोने के आभूषण तथा 50,000 रुपये लूट लिए।

चाबहार बंदरगाह पर भारत की कूटनीतिक जीत, अमेरिका ने 6 महीने के लिए दी प्रतिबंधों से छूट

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को घोषणा की कि भारत को ईरान में चाबहार बंदरगाह परियोजना के संचालन पर अमेरिकी प्रतिबंधों से छह महीने की छूट मिल गई है, जो 29 सितंबर से प्रभावी हो गई है। इस छूट को रद्द करने से वाशिंगटन द्वारा दी गई एक दुर्लभ छूट का अंत हो गया है और अमेरिकी प्रतिबंधों के बीच अपनी क्षेत्रीय रणनीति को आगे बढ़ाने के लिए नई दिल्ली पर नए सिरे से दबाव बढ़ गया है। 16 सितंबर को, ट्रम्प प्रशासन ने कहा था कि वह मध्य एशिया के इस प्रमुख बंदरगाह पर संचालन के लिए 2018 में दी गई प्रतिबंधों की छूट को रद्द कर देगा। इस कदम से इस प्रमुख टर्मिनल के विकास में भारत की भूमिका प्रभावित होने की आशंका थी। यह निर्णय तेहरान के खिलाफ वाशिंगटन के "अधिकतम दबाव" अभियान के तहत लिया गया था। ईरान स्वतंत्रता एवं प्रसार-रोधी अधिनियम (आईएफसीए) के तहत जारी की गई इस छूट ने भारत और अन्य देशों को अमेरिकी दंड का सामना किए बिना बंदरगाह पर काम जारी रखने की अनुमति दी थी। चाबहार भारत के लिए रणनीतिक महत्व का है क्योंकि यह पाकिस्तान को दरकिनार करते हुए अफगानिस्तान और मध्य एशिया के लिए एक व्यापार मार्ग प्रदान करता है।

'चाबहार बंदरगाह' का रणनीतिक महत्व क्या है?

दक्षिण-पूर्वी ईरान में स्थित चाबहार बंदरगाह, पाकिस्तान को दरकिनार करते हुए भारत के लिए अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक पहुँचने के लिए एक महत्वपूर्ण समुद्री संपर्क के रूप में कार्य करता है। भारत और ईरान द्वारा संयुक्त रूप से विकसित यह परियोजना क्षेत्रीय संपर्क और भू-आबद्ध देशों के साथ साझेदारी में व्यापार और बुनियादी ढाँचे के विकास को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण है। अधिकारियों ने इस बात पर प्रकाश डाला कि यह छूट क्षेत्र में मानवीय सहायता और आर्थिक स्थिरता जैसे अंतर्राष्ट्रीय उद्देश्यों को आगे बढ़ाने में चाबहार की भूमिका को मान्यता देती है। भारत को बंदरगाह पर संचालन और विकास जारी रखने की अनुमति देकर, संयुक्त राज्य अमेरिका ने पश्चिम और मध्य एशिया में वैकल्पिक व्यापार मार्गों को बढ़ावा देने में बंदरगाह के भू-राजनीतिक महत्व को स्वीकार किया है।

संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ जारी बातचीत : विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत "पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ संपर्क में बना हुआ है," और कहा कि दोनों पक्षों के बीच द्विपक्षीय और रणनीतिक हितों के मुद्दों पर चर्चा जारी है।

मां रेवा पब्लिकेशन एंड प्रिंटर्स
जबलपुर शहर में सबसे कम दामों में
समाचार पत्र के A to Z कार्य का एकमात्र स्थान
प्रिंटिंग
जॉब वर्क
न्यूज पेपर
पीडीएफ
संपर्क करें
7415685293
9589490996
9340553112
68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड, मुस्कान प्लाजा के पीछे, एम आर 4 रोड, उखरी, जबलपुर (मप्र)

बिना अनुमति काटी जा रही है कॉलोनी, पिंडरई-नैनपुर रोड पर खसरा नंबर 311/1 की जमीन पर

पनप रही अवैध कॉलोनी, कृषि भूमि में ठेकेदार काट रहा प्लॉट, प्रशासन मौन!

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। जिले के नगर से लेकर ग्रामीण अँचलों में कुकरमुत्तों की तरह कालोनाइजर पैदा हो चुके है जो खेती वाली भूमि को एकड़ में लेकर वर्गफीट में महंगे महंगे दामो में बेच रहे है जिसकी विभाग की कोई अनुमतियां नही होती है बस लोगो को ठगने के लिए बड़े बड़े सपने दिखा कर उनके गाढ़ी मेनहत से कमाई में डाका डाल कर अपनी तिजोरी भर रहे है और लोगों को ठग कर फिर नई भूमि की तलाश में लग जाते ये कालोनाइजर दिन दुगनी रात चौगनी तरक्की कर रहे है और जिला प्रशासन से लेकर अनुमतियां देने वाले विभाग के साथ साथ राजस्व अमला लोगों को लूटने के लिए इन पर कोई कार्यवाही नही कर रहा है, सब के सब मूकदर्शक बन देख रहे है।

वही सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार नैनपुर के ग्राम पिंडरई-नैनपुर रोड पर अवैध कॉलोनाइजेशन का एक और मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, खसरा नंबर 311/1, रकबा 1.89 हेक्टेयर भूमि पर एक ठेकेदार द्वारा बिना किसी लाइसेंस या स्वीकृति के कॉलोनी विकसित की जा रही है।राजस्व अभिलेखों के मुताबिक यह भूमि अभी तक कृषि भूमि के रूप में दर्ज है, बावजूद इसके ठेकेदार द्वारा यहाँ प्लॉट काटकर बिक्री की जा रही है। बताया जा रहा है कि वह रोड, पानी, बिजली जैसी झूठी सुविधाओं का दिखावा कर भोले-भाले ग्रामीणों को गुमराह कर उनके मेहनत से कमाए पैसों को लूटने की तैयारी में लगा हुआ है।स्थानीय नागरिकों का कहना है कि राजस्व विभाग और नगर प्रशासन इस अवैध गतिविधि पर मौन बने हुए हैं। अवैध कॉलोनाइजर खुलेआम प्लॉटिंग कर रहे हैं, लेकिन अब तक अधिकारियों की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि

1. अवैध कॉलोनी निर्माण पर तुरंत रोक लगाई जाए।
2. जमीन को मूल कृषि उपयोग में बहाल किया जाए।
3. संबंधित ठेकेदार के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए।

सूत्रों के मुताबिक विभाग ने मामले की जांच प्रारंभ कर दी है। यदि जांच में उल्लंघन सिद्ध हुआ, तो ठेकेदार पर मध्यप्रदेश भू-उपयोग एवं अवैध कॉलोनाइजेशन अधिनियम के तहत जुमार्ना और जेल की कार्रवाई की जा सकती हैं।

गुरु के जयकारों से गुंजायमान होकर निकल रही प्रभातफेरी

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। जिले में बड़ी संख्या में शामिल हो रहे सामाजिक जन, जगह-जगह हो रहा स्वागतआगामी श्री गुरुनानक जयंती के अवसर पर पूर्व आयोजन की श्रृंखला में सिंधी समाज के पुरुष महिलाओं, बच्चों के द्वारा प्रभात फेरी निकाली जा रही है जो कि प्रातः काल 5 बजे अंबेडकर वार्ड स्थित श्री गुरुद्वारा साहिब से प्रारंभ होकर शहर के मुख्य मार्गों एवं रहवासी क्षेत्रों में जाकर गुरु के जयकारों के साथ गुंजायमान हो रही है, सामाजिक जनों के द्वारा प्रभात फेरी का दिये जलाकर,आतिशबाजी और फूल माला के साथ स्वागत किया जा रहा रहा है,परिवारों ने स्वागत में घर के आंगन में रंगोली सजाई, घरों को लाइटिंग से सुसज्जित किया, प्रातः काल प्रभात फेरी में श्री गुरुनानक देव जी की प्रतिमा के साथ प्रभात फेरी अलग- अलग दिनों में निर्धारित मार्ग में जाकर भक्ति का संदेश दे रही है,इसमें शामिल संगत के द्वारा गुरु नानक देव जी की गुरबाणी एवं गुरु जयकारे लगाए जा रहे हैं, जगह-जगह प्रभात फेरी का स्वागत किया जा रहा है, स्वागत के साथ परिवारों के द्वारा आराध्य देव श्री गुरु नानक देव जी की पूजा अर्चना की जा रही है एवं भाई साहब हरनाम उदासी के द्वारा घरों में जाकर सुख शांति के लिए अरदास की जा रही है, प्रभात फेरी निर्धारित मार्ग से होते हुए पुनः श्री गुरुद्वारा साहिब में आरती,पूजा,अरदास एवं सभी परिवारों की सुख शांति की कामना के साथ संपन्न हो रही है,इस अवसर पर बड़ी संख्या में पुरुष महिलाएं एवं बच्चे शामिल हो रहे हैं,प्रभात फेरी के समापन पर रोजाना महाप्रसादी का वितरण किया जा रहा है।

अपाक्स के ज्ञापन के बाद जिला कलेक्टर के आदेश पर हीरेन्द्र वर्मा को बनाया गया नैनपुर बीईओ नवनियुक्त बीईओ का शिक्षक संगठनों ने किया जोरदार स्वागत सम्मान

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। जिले के नैनपुर में विगत कुछ महीनों से नैनपुर ब्लाक के सभी शिक्षक विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी की कार्यप्रणाली से बहुत परेशान थे। ट्रायबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन, अपाक्स आदि शिक्षक संगठनों ने की बार नैनपुर बीईओ कार्यालय के बीईओ और बाबू के लापरवाही पूर्ण रवैया की शिकायत सहायक आयुक्त मंडला को की गई, लेकिन शिक्षकों की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया। आखिरकार अपाक्स, ट्रायबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन, एनएमओपीएस संगठन ने विगत दिनों जिला कलेक्टर सोमेश मिश्रा को ज्ञापन सौंपते हुए नैनपुर बीईओ और बाबू की शिकायत करते हुए ज्ञापन सौंपा। जिला कलेक्टर ने तुरंत सहायक आयुक्त को बुला कर वस्तुस्थिति की जानकारी ली और उच्च माध्यमिक शिक्षक हीरेन्द्र वर्मा को नैनपुर बीईओ बनाने का निर्देश दिया। आदेश के आधार पर हीरेन्द्र वर्मा ने नैनपुर बीईओ कार्यालय में कार्यभार ग्रहण किया। जहां शिक्षक संगठनों ने उनका जोरदार स्वागत किया। स्वागत कार्यक्रम में उपस्थित सेवानिवृत्त प्राचार्य अखिलेश चंद्रोल ने नवनियुक्त बीईओ को शिक्षकों के हित एवं शिक्षा गुणवत्ता के लिए कार्य करने को प्रेरित किया, वहीं नारायणगंज बीईओ डी के सिंगौर ने अपना अनुभव साझा करते हुए बताया कि क्रमोन्नति आदि में एक साथ हुए आदेश की सूची अनुसार सभी शिक्षकों को एक साथ अनुमोदन, एरियर आदि का भुगतान कराने पर ध्यान दिया जाए, ताकि बाबूओं द्वारा किए जाने वाले भेद-भाव और लेन-

देन का आरोप नहीं लगेगा। साथ ही उन्होंने प्राथमिक शिक्षा में सुधार के लिए स्कूलों का ग्रेड तैयार कर, उनके ग्रेड में सुधार के लिए कार्य किया जाए। शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष विवेक शुक्ला एवं ट्रायबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष दिलीप मरावी ने भी नवनियुक्त बीईओ को शुभकामनाएं दी। पदस्थ बीईओ सुभाष चन्द्र चतुर्वेदी ने नवनियुक्त बीईओ को शुभकामनाएं देते हुए हाई कोर्ट की प्रक्रिया का जिक्र किया। ट्रायबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन के ब्लाक अध्यक्ष और कार्यक्रम के संचालक अमरसिंह चंदेला ने नवनियुक्त बीईओ से शिक्षकों की एरियर आदि की समस्त समस्याओं का शीघ्र समाधान कराने अनुरोध किया। कार्यक्रम में उपस्थित समाजसेवी दीपक शर्मा और पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रांतीय अध्यक्ष विमलेश सोनी ने नवनियुक्त बीईओ का स्वागत किया। ट्रायबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन की महिला ब्लाक अध्यक्ष अनुपमा तिवारी, प्रांतीय आईटी सेल उपाध्यक्ष रश्मि मरावी, जिला उपाध्यक्ष वंदना सिंह, ब्लाक उपाध्यक्ष राधा उइके ने गुलदस्ता भेंट कर और मीठा खिलाकर नवनियुक्त बीईओ का स्वागत किया। शिक्षक संघ के ब्लाक अध्यक्ष अजय सोनी, प्रधानाध्यापक विनोद चौरसिया, मुकेश सोलंकी, अहमद खान, नंदकिशोर कटारे, आशीष तिवारी, उमाशंकर तिवारी, महेश तिवारी, चरन इनवाती, निखिल पटेल, यदुनंदन सिंगौर, मुकेश जैन, सुनील पंजवानी, शशांक कांड्रा, हीरालाल सेन, राजू तेकाम, अरूण दूबे, भाऊ लाल पारधी, स्वाति कुमरे ने पुष्पहार-पुष्पगुच्छ से नवागत बीईओ हीरेन्द्र वर्मा का स्वागत किया। अपाक्स जिलाध्यक्ष संजीव सोनी ने नवागत बीईओ का स्वागत करते हुए कहा कि शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्य में संगठन के पदाधिकारी या सामान्य शिक्षक, सभी पर एक सा दबाव बनाया जाए और एरियर भुगतान एवं अन्य समस्याओं के निराकरण में किसी प्रकार का भेद-भाव नहीं किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अपाक्स पदाधिकारी होने के नाते उनके लिए अधिकारी से पहले कर्मचारियों का हित सर्वोपरि है।

युवा शक्ति संगम कार्यक्रम में पहुंचे द ग्रेट खली से मिलने उमड़ा जनसैलाब

युवाओं को नशे से दूर रहने की दी सलाह

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। जिले में 29 अक्टूबर को द ग्रेट खली का नगर आगमन हुआ उनके आगमन को लेकर सामाजिक संस्था भागीरथ सेवा विकास परिवार अजेय मंडला और सहयोगी संस्था श्री श्याम मंदिर अग्रसेन ट्रस्ट सिलगी बम्हनी बंजर काफी समय से तैयारी कर रही थी। कार्यक्रम स्थल में 29 अक्टूबर को सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक सिकल सेल एनीमिया से प्रभावित पीड़ितों के लिए निःशुल्क रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जहां पर रक्तदाताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। वहीं युवा शक्ति संगम कार्यक्रम के अंतर्गत महापुरुषों की जीवनी पर प्रदर्शनी स्थल पर लगाई गई और युवाओं को महापुरुषों के बारे में अवगत कराया गया। जबलपुर एयरपोर्ट में द खली का भव्य स्वागत किया गया यहां पर सामाजिक कार्यकर्ता नीरज अग्रवाल, विकास जायसवाल एवं अंतर्राष्ट्रीय बॉडीबिल्डर ब्रजेन्द्र सिंह, ज्योतिष सचिन स्वामी, शेरा सिंह, किशोर रजक, अरूण बैरागी, सुश्री अंजली जायसवाल ने खली साहब का स्वागत किया। यहां से वे मंडला के लिए रवाना हुए जहां पर बरेला टोल नाका, बीजादांडी, नारायणगंज कालपी, बबैहा, फूलसागर में सामाजिक लोगों ने अभिवादन करते हुए उनके साथ सेल्फी फोटो ली। फूलसागर से बीएसवीपी कार्यकताओं ने स्वागत करते हुए वाहन रैली निकाली जो कटरा बायपास से रानी दुर्गावती महाविद्यालय पहुंची जहां पर रानी दुर्गावती की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए उन्हें नमन किया। यहां पर महाविद्यालय के प्रोफेसरों ने भी श्री खली का स्वागत किया। यहां पर मीडिया से चर्चा करते हुए द ग्रेट खली ने नशा राजनीति और युवाओं के भविष्य जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर बेबाक राय रखी। देश के युवाओं में बढ़ते नशे के चलन पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि युवाओं को इस भयंकर बुराई से दूर रखने के लिए सरकार को ठोस कदम उठाने होंगे। खली ने सरकार से अनुरोध करते हुए कहा

कि छोटे जिमखाने और ग्राउंड विकसित किए जाएं। इसके साथ स्थानीय स्तर पर अधिक से अधिक कॉम्पिटिशन आयोजित किए जाएं। उन्होंने कहा कि इन कदमों से युवा खेलकूद की ओर आकर्षित होंगे और स्वाभाविक रूप से नशे से दूर रहेंगे। राजनीति और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर बोलते हुए द ग्रेट खली ने भारतीय जनता पार्टी भाजपा को देश को आगे बढ़ाने का विकल्प बताया। उन्होंने दावा किया कि पिछले 15 सालों में भारतीय राजनीति में होने वाली गंदगी यानी घोटालों में काफी कमी आई है। इसके साथ ही बिहार चुनाव पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए खली ने कहा कि लोगों को उसी उम्मीदवार को वोट देना चाहिए जिसने उनके इलाके का विकास किया हो न कि जाति या धर्म के आधार पर। खली ने भारतीय बच्चों के वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट में भविष्य को उज्ज्वल बताया। हालांकि उन्होंने साथ ही इस बात पर भी जोर दिया कि इस दिशा में सफल होने के लिए स्थानीय स्तर पर स्पोर्ट्स को बढ़ावा देने की सख्त जरूरत है ताकि नई प्रतिभाओं को सही मंच मिल सके। मंच में द ग्रेट खली का मंडला की जनजातीय परंपरा अनुसार सम्मान और स्वागत किया गया साथ ही उन्हें यहां की संस्कृति से परिचित कराया गया और उन्हें वीरन माला पहनाते हुए पारम्परिक आदिवासी पगड़ी पहनाई गई और जिले की सांस्कृति से अवगत कराया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्याम मंदिर अग्रसेन ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष अग्रवाल अंतरराष्ट्रीय पहलवान विजेन्द्र सिंह, वरिष्ठ व्यापारी महेंद्र राजपूत, वरिष्ठ समाजसेविका श्रीमती ज्योति, जायसवाल युवा समाजसेवी पंकज सोनी, समाजसेवी नीरज अग्रवाल और मुख्यवक्ता डॉ अजय वंशकार मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में अपनी बात रखते हुए डॉक्टर अजय वंशकार ने कहा कि यह हमारे लिए बड़ा ही गौरव का विषय है मंडला में द ग्रेट खली का आगमन हुआ और द ग्रेट खली जिले के समस्त रक्तदाताओं का उत्साह वर्धन करने के लिए अपना महत्वपूर्ण समय निकालकर आए। जिले के सभी रक्तदाताओं से आग्रह और निवेदन पूर्वक संदेश देते हुए कहा कि हमें सदैव सिकल सेल एनीमिया के मरीजों की रक्तदान जैसी सेवाएं देकर उनकी सहायता करनी चाहिए। इस अवसर पर सामाजिक संस्था भागीरथ सेवा विकास परिवार श्री श्याम मंदिर अग्रसेन ट्रस्ट बम्हनी, जिले के सभी रक्तदाता बंधु कार्यक्रम में सहयोग प्रदान करने वाले शहर के व्यापारी गणमान्य नागरिक बंधु समस्त स्वास्थ्य विभाग की टीम मंडला पुलिस प्रशासन तथा मीडिया जगत से जुड़े सभी पत्रकार बंधु का आभार कार्यक्रम भागीरथी सेवा विकास परिवार संस्था के समस्त कार्यकर्ता और हजारों की संख्या में आए नगर के लोग रक्तदाता एवं समाजसेवी संगठनों के प्रतिनिधित्व करने वाले कार्यकर्ता भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में द ग्रेट खली का स्वागत नगर की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं ने किया। उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए शॉल श्रीफल से सम्मानित किया गया। वहीं सीआपीएफ 148 बटालियन एवं पुलिस विभाग व यातायात विभाग ने भी स्वागत किया है।

लाखो की लागत से बने स्वच्छता परिसर में ताले बढ़ा रहें है शोभा, पंचायत प्रशासन मौन लोग हो रहें परेशान

रेवाँचल टाईम्स ब्य मंडला, जिले की जनपद पंचायत नारायणगंज की ग्राम पंचायत पंडरिया में जमकर लापरवाही देखी जा रही है। यहां लोगों की सुविधा के लिए लाखो खर्च कर बनाया गया सामुदायिक स्वच्छता परिसर में पंचायत ने ताला लगा जड़ दिया है। जानकारी के अनुसार लाखों की लागत से बनाए गए शौचलय परिसर में ताला लगा दिया गया है। ग्रामीणों को मजबूरन बाहर शौच के लिए जाना पड़ता है

सामुदायिक सुविधाघर कागजों पर ही हो रहा संचालित- वही जानकारी के अनुसार रखरखाव व देखरेख के लिए सालों से शासकीय राशि का गबन किया जा रहा है , और जैसे तैशे बनने के बाद शौचालयों के दरवाजे में ताले लटक रहा हैं। इसकी वजह से लोगों को अब भी खुले में शौच के लिए जाना पड़ रहा है। सामुदायिक सुविधाघर औचित्यविहीन साबित हो रहा है। स्वच्छता परिसर भवन बनकर सालों से तैयार है , लेकिन इसके बावजूद अभी तक इसका ताला नहीं खुल सका। स्वच्छ भारत मिशन

के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में पिछले वित्तीय वर्ष में लाखों रुपए की लागत से ग्राम पंचायतों में ग्राम निधि के खाते से सार्वजनिक शौचालय निर्माण के लिए धन मुक्त किया गया था। पिछले दिनों विभाग द्वारा शौचालय बनकर तैयार हुए सामुदायिक स्वच्छता परिसर सुविधाघरों की ना साफ सफाई की जाती है ना ही देखरेख।

नजदीक में है मंदिर ग्राम के लोग आते हैं टहलने- वही स्वच्छता परिसर भवन जहां पर बना हुआ है उसके नजदीक ही सिद्ध हनुमान जी का मंदिर है जहां पर लोग-बाग शाम एवं सुबह के समय टहलने एवं दर्शन करने आते हैं लोगों का आना-जाना इस जगह पर लगा ही रहता है, इसके बावजूद भी पंचायत प्रशासन ने स्वच्छता परिसर भवन पर ताला जड़ रखा है जो की पंचायत प्रशासन की कार्य प्रणाली पर एक गहरा सवाल खड़ा करता है

पंचायत प्रशासन की उदासीनता से ग्रामीण परेशान, कागजों में वाहवाही लुटने में लगी पंचायत- पंडरिया पंचायत जनपद पंचायत मुख्यालय की मुख्य पंचायत होने के बावजूद स्वच्छता अभियान में हमेशा से पीछे रही है, चाहे वह गांव की साफ सफाई का मामला हो या फिर कचरा घरों की व्यवस्था का मामला परंतु पंचायत प्रशासन आज भी अपने कार्य की वाहवाही करने के लिए कागजों का सहारा लेती रहती है परंतु हकीकत कुछ और ही है!

मंत्री संपतिया उइके ने किया एमपी जल निगम के नवीन भवन का लोकार्पण

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। जिले के महाराजपुर में गुरूवार को लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती उइके के मुख्य आतिथ्य में एमपी जल निगम के नवीन कार्यालय भवन का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, नगरपालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, कलेक्टर सोमेश मिश्रा, अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, महाप्रबंधक जल निगम हेमंत कुमार जिंदवानी, ईईपीएचई मनोज भास्कर सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं विभागीय अमला मौजूद था। मंत्री श्रीमती उइके ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आरंभ की गई ह्यहर घर नल जल योजनाह्न देश में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने बताया कि देश के 15 करोड़ से अधिक परिवारों तक अब स्वच्छ पेयजल पहुँचाया जा चुका है, वहीं मध्यप्रदेश में लगभग 75 लाख परिवार इस योजना से लाभान्वित हो रहे हैं। मंत्री श्रीमती उइके ने कहा कि जल जीवन मिशन के माध्यम से घर-घर शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने का संकल्प लिया गया है। इसके प्रभावी क्रियान्वयन से न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में जल संकट का समाधान होगा, बल्कि महिलाओं और बच्चों को दूर से पानी लाने की असुविधा से भी राहत मिलेगी। स्वच्छ जल की सहज उपलब्धता से ग्रामीणों का जीवनस्तर ऊँचा होगा और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों में भी उल्लेखनीय कमी आएगी। उन्होंने मंडला जिले में संचालित प्रोजेक्ट हालोन, छीताखुदरी एवं नारायणगंज की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मार्च 2026 तक पीएचई विभाग के काम पूरे कर लिए जाएंगे।

31 अक्टूबर को रन फॉर साइबर अवेयरनेस और रन फॉर यूनिटी का आयोजन

बतौर मुख्य अतिथि पीएचई मंत्री श्रीमती सम्पतिया उइके होगी शामिल

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा मन की बात कार्यक्रम में सायबर अपराधों के प्रति सजग रखने के लिए विभिन्न माध्यमों से सायबर जागरूकता कैंपेन चलाये जाने की बात कही गई है। इसी परिप्रेक्ष्य में भारत सरकार द्वारा माह अक्टूबर 2025 को राष्ट्रीय सायबर सुरक्षा जागरूकता माह के रूप में मनाये जाने के लिए रन फॉर साइबर अवेयरनेस दौड़ आयोजित किए जाने के लिए निर्देशित किया गया है। साथ ही भारत सरकार के निदेर्शानुसार सरदार वल्लभ भाई पटैल की

150वीं जयंती के अवसर पर रन फॉर यूनिटी दौड़ का आयोजन भी किया जाना है। शासन से प्राप्त निदेर्शों के पालन में 31 अक्टूबर 2025 को प्रातः 9 बजे पुलिस लाइन मण्डला से महात्मा गांधी स्टेडियम तक रन फॉर साइबर अवेयरनेस और रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया जा रहा है। इस दौड़ को कैबिनेट मंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी श्रीमती सम्पतिया उइके हरी झण्डी दिखाकर रवाना करेगी।छात्रों, खिलाड़ियों और युवाओं को उक्त कार्यक्रम में सहभागिता करने की अपील की गई है।

सर्चिंग क्षेत्र में ग्रामीणों के घुसने पर विवाद

ग्रामीणों ने की आईजी और एसपी से शिकायत, एसपी बोले सुरक्षा एसओपी का ग्रामीणों को करना होगा पालन

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। भारत सरकार 2026 तक देश से नक्सली समस्या को खत्म करना चाहती है। जिसके लिए सरकार ने नक्सलियों के लिए सरेंडर पॉलिसी के साथ ही सुरक्षा फोर्स को जंगलो में तैनात कर दिया है, ताकि 2026 तक देश को नक्सल मुक्त किए जाए। बालाघाट जिला भी दशको से नक्सली समस्या से जूझ रहा है, जल, जल, जमीन को लेकर नक्सली, ग्रामीणो में पैठ बनाते है और अपनी गतिविधियों को अंजाम देते है।

दरअसल, विगत 26 अक्टूबर को हर्रानाला के जंगल में बड़े पैमाने पर बालाघाट पुलिस, हॉकफोर्स और सीआरपीएफ के जवानों ने सर्चिंग अभियान चलाया था। जहां जंगल क्षेत्र में तकरीबन 5-6 किलोमीटर अंदर, सुरक्षा जवानों को ग्रामीण मिले थे। जिन्हें जवानों ने रोककर, उनकी पहचान कराई और उन्हें सुरक्षित गांवो तक छोड़ा। लेकिन, इसके बाद विवाद खड़ा हो गया।

गत बुधवार को हर्रानाला के पंचायत प्रतिनिधि और ग्रामीणों ने आकर, इसकी शिकायत आईजी और एसपी से की। जिसके बाद, ग्रामीण, जंगलो में जाने से रोकने की बात कह रहे है। जिसको लेकर गुरूवार को एसपी आदित्य मिश्रा ने स्थिति स्पष्ट की। उन्होने मीडियाकर्मियों से चर्चा में बताया कि गृहमंत्री की नीति अनुसार मार्च 2026 के पहले तक हमें नक्सलवाद को समाप्त करना है, उसको लेकर बालाघाट पुलिस हॉकफोर्स और सीआरपीएफ के साथ मिलकर सघन सर्चिंग अभियान चला रहे है। जो दिनो-दिन चलते है। जिस एरिए में जंगल के अंदर डीप सर्च होती है, उसके आसपास गांववालों को भी हम सतर्क कर देते है कि रात में अन्यथा ना घूमे। जहां तक हर्रानाला के ग्रामीणों की बात है तो एरिए में सर्चिंग अभियान चल रहा था, तो हर्रानाला के कुछ लोग, जंगल में काफी अंदर मिले थे। उनको, सर्चिंग में जुटे जवानो ने बैठाया और उनकी पहचान के बाद सुरक्षित सर्चिंग क्षेत्र से बाहर कर दिया गया था।

दुनिया भर की सिक्युरिटी फोर्स, इस प्रोटोकॉल को फॉलो करती है। जिसके पीछे का सबसे बड़ा कारण, आम नागरिकों को नुकसान ना हो। कभी नक्सली और पुलिस के बीच लाईव मुठभेड़ चल रही हो तो दोनो के बीच एक्सचेंज ऑफ फायर चल रहा हो तो ऐसी स्थिति में जंगल में रहने वाले आम नागरिक को भी गोली लगने की संभावना रहती है। जिससे सुरक्षा के चलते और किसी आम नागरिक को नुकसान ना हो, इसके लिए फनल आउट मैथड के तहत जंगल के अंदर ऑपरेशन के दौरान कोई आम नागरिक मिलता है तो उसका प्रोटोकॉल यह है कि उसकी पहले पहचान कराते है और सुरक्षित तरीके से उसे गांव तक छोड़कर आते है ताकि उसे कोई नुकसान नहीं पहुंचे और यही हर्रानाला में किया गया था। उन्होंने बताया कि इस तरह के प्रोटोकॉल का पालन, ना केवल आम नागरिकों बल्कि ऑपरेशन में लगे जवानों की सुरक्षा के लिए भी किया जाता है।

आपको बताते चले कि बालाघाट जिला दशकों से नक्सली समस्या से जूझ रहा है। नक्सलियों को लेकर सरकार की नीति और निर्देश के बाद बालाघाट पुलिस, जिले के जंगलो से नक्सली और उनकी विचारधारा को खत्म करने लगातार सर्चिंग अभियान चला रही है। इसी सर्चिंग अभियान के तहत, यह मामला सामने आया है।

दो मोटर सायकिल की भिड़त

एक युवक की मौत, काम खत्म कर घर लौट रहा था युवक, पुलिस ने पीएम कराकर शव परिजनों को सौंपा

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। जिले में बड़ते सड़क हादसे बीच, लालबर्रा थाना क्षेत्र के खमरिया-कोसमी-रटेगांव पहुंच मार्ग में दो मोटर सायकिल की भिड़ंत में एक युवक प्रकाश पटले की मौत हो गई। जबकि अन्य लोगों को मामुली चोटें आई है। गुरूवार को घटित इस घटनाक्रम की जानकारी मार्ग से गुजर रहे लोगों ने मृतक युवक के परिजनों और पुलिस को दी। घटना की जानकारी मिलने के बाद लालबर्रा पुलिस ने घटना स्थल से मृतक का शव बरामद कर, उसे पीएम के लिए लालबर्रा अस्पताल भिजवाया। जहां शव का पीएम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है। बताया जाता है कि लालबर्रा थाना अंतर्गत रटेगांव निवासी प्रकाश पटले (36) गुरूवार को, मोटरसाइकिल से खमरिया, काम से आया था और काम होने के बाद खमरिया से अपने भतीजे के साथ वापस गांव रटेगांव जा रहा था। तभी खमरिया-कोसमी-रटेगांव पहुंच मार्ग में संचालित राइस मिल के पास, कोसमी की ओर से आ रही दूसरी मोटर सायकिल के चालक ने तेज रफ्तार में चलाते हुए प्रकाश की मोटर सायकिल को जबरदस्त टक्कर मार दी। जिससे प्रकाश के साथ वाहन पर पीछे बैठा ओमकार पटले, उछलकर दूर जा गिरा और प्रकाश पटले मोटर सायकिल सहित रोड किनारे गिरा। जिसके गिरते ही सिर पर गंभीर चोट आने और अत्यधिक खून बहने से उसकी मौत हो गई। जबकि दूसरी मोटर सायकिल के लोगो को मामुली चोटें है। मामले में लालबर्रा पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच में लिया है। लालबर्रा पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है, जांच में मिले तथ्य के आधार पर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

गंधारी को नहीं पता था घृतराष्ट्र अंधे है, गंधार राजा को पराजित कर भीष्म ने राजा से घृतराष्ट्र से बेटी का रखा था विवाह का प्रस्ताव

निकेतन के मंच पर चेतना रंग समूह ने किया गंधारी नाट्य का मंचन

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से बालाघाट में 15 वें राष्ट्रीय नाट्य समारोह का बुधवार की रात, भोपाल के चेतना रंग समूह द्वारा आशीष श्रीवास्तव के निर्देशित नाटक गंधारी का मंचन किया। जिसके साथ ही 5 दिवसीय नाट्य समारोह का समापन हो गया। स्व.जगन्नाथ प्रसाद जैसवाल स्मृति सभागार के मंच पर मंचित गंधारी नाट्य में बताया गया कि किस प्रकार भीष्म ने गंधार राजा को पराजित कर उनसे बेटी गंधारी का विवाह घृतराष्ट्र से करने कहा था। तब तक गंधारी को पता नहीं था कि घृतराष्ट्र अंधे है। विवाह के दिन, गंधारी, जब युवराज घृतराष्ट्र को माला पहनाने जा रही थी, तब घृतराष्ट्र के हाथो की हलचल से उन्हें पता चला कि उनके पति

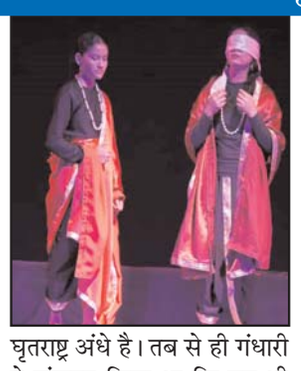

घृतराष्ट्र अंधे है। तब से ही गंधारी ने संकल्प लिया था कि वह भी अंधे पति के साथ इस दुनिया को नहीं देखेगी। जिसके बाद ही उन्होंने काली पट्टी बांधी थी। यही नहीं उन्होंने मन ही मन, उसके साथ हुए इस अन्याय को लेकर कौरव वंश के नाश का भी संकल्प लिया था।

महाभारत के घृतराष्ट्र-गंधारी विवाह, उनके 100 पुत्रो के जन्म, कौरव-पांडव युद्ध और दुर्योधन के साथ उनके सभी बेटो की महाभारत की लड़ाई में हुए मौत के दृश्यों को जिस तरह से चेतना रंग समूह के कलाकारों ने मंच पर पेश किया। उसने, दर्शकों के सामने, महाभारत के उस अध्याय को जीवित कर दिया।

नूतन कला निकेतन के अध्यक्ष रूप बनवाले ने बताया कि जिले में नाट्य विद्या से लोगों को जोड़ने, जिले की सांस्कृतिक संस्था, निकेतन, जिले में नाट्य समारोह का आयोजन करती है। इस वर्ष 15 वें राष्ट्रीय नाट्य समारोह का आयोजन 25 से 29 अक्टूबर तक किया गया। जिसमें भोपाल के रंग त्रिवेणी साहित्यिक एवं सांस्कृतिक समिति के कृष्ण रंग, भोपाल रंगशीर्ष के संत तुलसीदास, रीवा के मंडप संस्कृति शिक्षा कला केन्द्र के कोर्ट मार्शल, बालाघाट नूतन कला निकेतन के आशा अमरधन और भोपाल के चेतना रंग समूह के गंधारी नाटक का मंचन किया गया। जिसके साथ ही नाट्य समारोह का समापन हो गया है।

धान खरीदी पर पड़ सकता है असर

से किसानों को नुकसान, किसानों की लागत और मेहनत बड़ी

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। मोठा चक्रवात के कारण, बदलते मौसम से हो रही बारिश ने ना केवल शहरी क्षेत्र बल्कि किसानों की भी समस्या बड़ा दी है। गुरूवार को सुबह से ही बारिश हो रही से, आम लोगों की दिनचर्या पर इसका सीधा असर पड़ा है, वही खेतो में लगी हल्की फसलों के काटे जाने से पड़े करपा के नमी ज्यादा होने से उसके दाने में असर होने की संभावना कृषि वैज्ञानिक जता रहे है। कृषि वैज्ञानिक उत्तम बिसेन ने बताया कि आगामी एक-दो दिनों तक मौसम ऐसा ही बना रहेगा।

दरअसल, बालाघाट जिला धान उत्पादक जिला है, यहां बड़ी संख्या में किसान, फसलों को लगाते है। कृषि वैज्ञानिक उत्तम बिसेन बताते है कि बालाघाट जिले में 115, 125 और 140 दिन की धान लगाई जाती है। उन्होंने कहा कि जिन किसानों ने धान काटी है, उन्हें नुकसान हो रहा है, चूंकि फसल में नमी का खतरा पैदा हो गया है। यही नहीं बल्कि इससे किसान की मेहनत और लागत भी बड़ गई है, किसानों को अब नमी पड़ी धान को सुखाने की मेहनत करनी होगी। वहीं खेता में लगी धान गिरकर यदि जमीन के संपर्क में आ गई है तो इसका असर धान के धाने पर भी पड़ेगा। लेकिन बारिश से किसानों को फायदा भी है, रबी फसल के लिए जमीन में नमी बनी हुई है। जिसमें किसान, गेंहू, चना, अलसी, सरसो की फसलों को बो सकते है। उन्होंने बताया कि नवंबर में मेड़ो पर लगाई जाने वाली तुवर की फसल में फूल आ जाते है, लेकिन यदि मौसम ऐसा ही रहा तो इससे उसमें इल्लियों

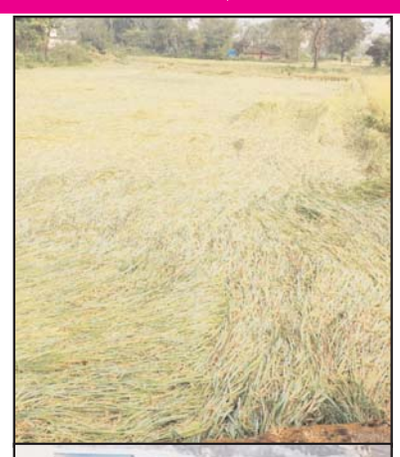

की बीमारी का खतरा पैदा हो जाएगा। उन्होंने बताया कि इस साल लगातार बारिश होने से धान की फसलो में बैक्टिरिया माइन और भुरा माहु की बीमारी ने भी किसान को परेशान किया है। जिससे धान में बदरापन आया है। फिलहाल उन्होंने किसानों से मौसम के खुलते तक नहीं काटने की बात कही है।

बेमौसम बारिश ने किसानों की धान की फसल को भारी नुकसान पहुंचाया है। मौसम में आए अचानक बदलाव के कारण खेतों में खड़ी और कटी हुई धान की फसलें प्रभावित हुई हैं। अक्टूबर के अंत में हो रही बारिश से

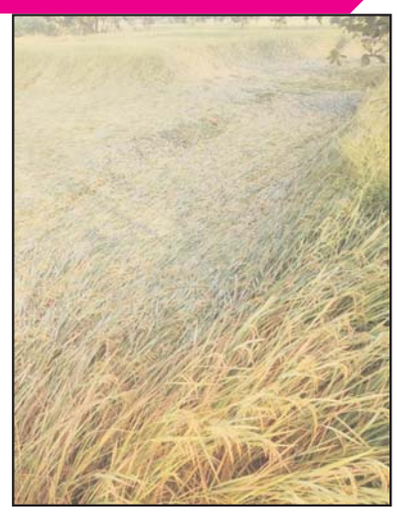

धान की कटाई रुक गई है, जिससे किसानों की चिंता बड़ गई है। जिले के लांजी, बिसोनी, बहेला, रिसेवाड़ा सहित लांजी के कई क्षेत्रों में हजारों बीघा में बोई गई धान की फसल प्रभावित हुई है। कई किसानों के खेतों में पानी भर गया है, जिससे कटाई के लिए तैयार खड़ी फसलें बर्बाद होने की कगार पर हैं। किसानों ने बताया कि उनकी फसल को 35 से 40 प्रतिशत तक नुकसान हुआ है। वहीं क्षेत्र के कई गांवों में जिन किसानों ने पहले ही कटाई कर ली थी और फसल को खेत के किनारों या खलिहान में रखा था,

किसानों ने सरकार से मांग की है कि वे जल्द से जल्द फसल क्षति का आंकलन कर मुआवजा घोषित करें। किसानों ने बताया कि बेमौसम बारिश से उनकी धान भीग चुकी है। दाना काला पड़ने लगा है।

स्वास्थ्य विभाग ने बनाये पात्रता सूची के अतिरिक्त दस हजार आयुष्मान कार्ड, मिला लक्ष्य 1322342 का बना दिये 1333132

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। बालाघाट जिले के मुख्य मेडीकल एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा 22 अक्टूबर 2025 को कार्यालय कलेक्टर में आयुष्मान कार्ड की प्रगति के बारे में जानकारी दी गई थी कि बालाघाट जिले में दिये गये लक्ष्य से अधिक 101 प्रतिशत आयुष्मान बनाये जा चुके है। इस जानकारी के संबंध में एक नागरिक ने संज्ञान में लेते हुये उक्त डाटा को भ्रमित करने वाला बताया है। जिसकी तथ्यों की जांच के लिए लिखित आवेदन कलेक्टर महोदय को आज दिनांक 30 अक्टूबर 2025 को दिया गया है। आवेदनकर्ता राकेशवर्मा द्वारा बताया कि माननीय कलेक्टर महोदय एवं जिला पंचायत सीईओ महोदय के मार्गदर्शन में आयुष्मान कार्ड बनाने में सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में बालाघाट जिला प्रथम स्थान पर है जिसकी सराहना प्रदेश स्तर पर होती है, लेकिन 101 प्रतिशत आयुष्मान बनाने वाली बात डाटा में गडबडी की आशंका पैदा करती है।

संबंधित कर्मचारियों को आयुष्मान पोर्टल से पात्र हितग्राहियों की सूची डाउनलोड करने लक्ष्य को पूरा करने के लिए दी जाती है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार प्राप्त लक्ष्य 13 लाख 22 हजार 342 के लक्ष्य तो पूरा करते हुये अतिरिक्त 13 लाख 33 हजार 132 आयुष्मान कार्ड बना दिये जो पोर्टल पर उपलब्ध पात्र हितग्राहियों से 10000 अतिरिक्त है।

यह कार्ड कौनसी पात्रता के आधार पर किस प्रक्रिया से बना दिये यह समझ से परे है, क्योंकि आयुष्मान पोर्टल पर केवल पात्र हितग्राहियों के नाम ही दिखाई देते है जिसे जनसामान्य भी देख सकते है। जबकि 25 अक्टूबर 2025 तक जिले के 6 नगरीय क्षेत्रों में ही 100588 पात्र हितग्राहियों में से कुल 26753 आयुष्मान कार्ड बनना शेष थे जिसमें बालाघाट में 11323, कटंगी में 2242, वारासिवनी में 4173, बैहर में 1433, लांजी में 2309 एवं मलाजखंड में 5273 में आयुष्मान कार्ड बनना शेष है। इस डाटा में 70 वर्ष से अधिक वय वंदना योजना के वरिष्ठ नागरिकों को सम्मलित नहीं किया गया है। आवेदक वर्मा का कहना है कि स्वास्थ्य विभाग अपने कर्तब्यों से बचने एवं खुद की पीठ थपथपाने के लिए इस प्रकार के डाटा देकर अपने वरिष्ठ अधिकारी को भ्रमित करता है, लेकिन इस बार महोदय यह भूल गये कि आयुष्मान कार्ड के पोर्टल पर उपलब्ध, केवल पात्र हितग्राहियों के ही आयुष्मान कार्ड बन सकते है उससे अतिरिक्त एक भी नागरिक को आयुष्मान भारत योजना से लाभ नहीं दिलवा सकते।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति से संबंधित अवेयरनेस प्रोग्राम का किया गया आयोजन

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। प्रधानमंत्री कॉलेज आप एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट में 30 अक्टूबर को स्वयं पोर्टल एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति से संबंधित अवेयरनेस प्रोग्राम का प्रारंभ किया गया। जिसमें डॉ. एनएम कुरैशी, डॉ. प्रवीण कोसले एवं प्रोफेसर विजय यादव के द्वारा स्वयं पोर्टल एवं रजिस्ट्रेशन, राष्ट्रीय शिक्षा नीति से संबंधित विभिन्न जानकारी एवं अपार आईडी से संबंधित जानकारी दी गई।

13 दिसंबर को नेशनल लोक अदालत का आयोजन

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी के मार्गदर्शन में 13 दिसंबर 2025 को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जावेगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित बालाघाट पी.जोशी ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट में नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक कालातीत ऋण प्रकरणों की आपसी सुलह, समझौते के आधार पर निराकरण किया

जावेगा।

श्री जोशी ने शाखा प्रबंधको, पर्यवेक्षको और संस्था प्रबंधको को एक मुश्त समझौता योजना 2024 लोक अदालत में बैंक/समिति के कालातीत ऋण प्रकरणों का निराकरण करने के लिए योजना अंतर्गत बैंक से पूर्व में जारी दिशा निर्देशों के तहत अधिक से अधिक प्रकरण तैयार करने निर्देशित किया गया हैं। जोशी ने लोक अदालत की जानकारी के लिए बैंक, समिति के बकाया कालातीत सदस्यों की संख्या व राशि की सूची तैयार कर पात्रताधारी सदस्यों से सघन संपर्क करने एवं लोक अदालत में शामिल होने की सहमति प्राप्त कर प्रत्येक समिति से न्यूनतम पांच प्रकरण तैयार करने, लोक अदालत के माध्यम से आपसी सुलह के आधार पर समझौता करने पर उन्हे मिलने वाले लाभ व छूट की जानकारी से सदस्यों को अवगत कराने, समिति, बैंक के कार्यक्षेत्र ग्रामों में लोक अदालत का अधिक से प्रचार-प्रसार कर योजना अंतर्गत कालातीत ऋण प्रकरणों का निपटारा कराने निर्देशित किया हैं। इसके साथ ही शाखा प्रबंधको, पर्यवेक्षको को योजना अंतर्गत दिशा निर्देशों के तहत प्रकरणों की सावधानी पूर्वक जांच, परीक्षण कर, प्रकरण बैंक मुख्यालय में दिनांक 30 नवम्बर तक प्रस्तुत करने निर्देशित किया गया है।

संपादकीय

संवैधानिक आरक्षण लांघते हुए

इंदिरा साहनी बनाम भारत संघ (1992) सर्वोच्च अदालत का ऐसा ऐतिहासिक फैसला था, जिसे 9 न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने सुनाया था। फैसला बहुमत से लिया गया था, लेकिन उसका प्रभाव सामूहिक था। उसे मंडल आयोग मामला भी कहा जाता है। फैसले में सरकारी नौकरियों और शिक्षा में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षण की वैधता को बरकरार रखा गया था, लेकिन कुछ और महत्वपूर्ण फैसले भी सुनाए गए। मसलन-आरक्षण की अधिकतम सीमा 50 फीसदी होगी। क्रीमी लेयर (अमीर ओबीसी सदस्यों) को आरक्षण से बाहर करना और पदोन्नति में आरक्षण को हटाना। पदोन्नति में आरक्षण को असंवैधानिक करार दिया गया, जिसका अर्थ है कि आरक्षण केवल शुरूआती नियुक्ति के चरणों में ही लागू हो सकता है। दरअसल बहुमत के उस फैसले ने भारत में आरक्षण नीति को आकार दिया, लेकिन राजनीतिक स्वार्थ उस ऐतिहासिक फैसले को लांघने का प्रयास करते रहे हैं। आरक्षण की परिभाषा खंडित करके उसे अपने अनुसार बनाया जा रहा है। ताजातरीन मामला बिहार में तेजस्वी का प्रण का है। यह विपक्षी गठबंधन का चुनावी घोषणा-पत्र है। उसमें 25 प्रण किए गए हैं, जिनके आधार पर जनादेश मांगा जा रहा है। उनमें एक प्रण यह भी है कि आरक्षण की 50 फीसदी सीमा को बढ़ाने का कानून बनाएंगे और उसे 9वीं अनुसूची में दर्ज कराने की कोशिशें करेंगे। यह एक ऐसा चुनावी वायदा है, जो राज्य स्तर के चुनाव में नहीं किया जा सकता। बेशक विधानसभा में, बहुमत के आधार पर, आरक्षण की सीमा बढ़ाने का प्रस्ताव पारित किया जा सकता है। बिहार में ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राजद के साथ गठबंधन सरकार के दौरान जातीय सर्वेक्षण कराया था। जातीय जनगणना केंद्र सरकार का विशेषाधिकार है। उस सर्वेक्षण के बाद आरक्षण की सीमा 65 फीसदी तक बढ़ाने का प्रस्ताव विधानसभा में पारित किया गया था, लेकिन वह लागू नहीं हो सका, क्योंकि मामला अब भी सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है। पटना उच्च न्यायालय ने जून, 2024 में इसे असंवैधानिक करार देते हुए खारिज कर दिया था। सर्वोच्च अदालत ने न तो उच्च अदालत के फैसले पर रोक लगाई और न ही पलटी मारने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार केंद्र की मोदी सरकार से आरक्षण की इस सीमा को 9वीं अनुसूची में डलवा पाए। संविधान की 9वीं अनुसूची में कुल 284 अधिनियम हैं। पहली बार इस अनुसूची को संविधान के सर्वप्रथम संशोधन अधिनियम, 1951 द्वारा 13 कानूनों के साथ, संविधान में जोड़ा गया था। किसी भी कानून को 9वीं अनुसूची में रखने से उसकी न्यायिक समीक्षा नहीं की जा सकती, लिहाजा उसे अदालत में रद्द भी नहीं किया जा सकता। तमिलनाडु में 69 फीसदी आरक्षण लागू है। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए भी 10 फीसदी आरक्षण है। कुल 79 फीसदी आरक्षण का कानून 9वीं अनुसूची में दर्ज किया गया है। झारखंड विधानसभा में 77 फीसदी आरक्षण का प्रस्ताव 11 नवंबर, 2022 को पारित किया गया था, लेकिन साथ में यह भी कहा गया था कि संवैधानिक रूप से स्वीकृति मिलने के बाद ही उसे लागू किया जाएगा। सर्वोच्च अदालत में फिलहाल विचाराधीन है। ऐसे ही प्रयास तेलंगाना, कर्नाटक, हरियाणा और छत्तीसगढ़ में भी किए गए, बेशक वोट भी मिले, लेकिन सभी सियासी बयानबाजी साबित हुए। बुनियादी अड़चन 9वीं अनुसूची है। यह तभी संभव है, जब केंद्र में आपके दल या गठबंधन की सरकार हो, लिहाजा बिहार में सरकार बनने के बावजूद तेजस्वी का यह प्रण खोखला ही साबित होगा। कुछ और प्रण भी किए गए हैं, जो केंद्र सरकार के ही विशेषाधिकार में आते हैं। उन्हें फिलहाल छोड़ते हैं। बहरहाल आज आरक्षण एक सशक्त राजनीतिक और चुनावी हथियार बन चुका है, लिहाजा इसकी समीक्षा की बहुत जरूरत है। यह जोखिम भाजपा-एनडीए को ही उठाना पड़ेगा। संविधान सभा में हमारे पुरखों ने जिस सोच के साथ आरक्षण की व्यवस्था की थी, सामाजिक-आर्थिक-शैक्षणिक विषमताओं के वे आधार आज ढह चुके हैं। देश उन विसंगतियों से काफी-कुछ उबर चुका है। अदालत ने क्रीमी लेयर को आरक्षण से बाहर रखने के आदेश दिए हैं। क्रीमी लेयर में 8.5 लाख रुपए सालाना आय वाले पिछड़े भी शामिल हैं। सरकारी नौकरी में ऐसे चेहरों की भी भरमार है, जो 12 लाख रुपए सालाना के वेतन पा रहे हैं और आरक्षण की मलाई भी चाट रहे हैं। क्या 2025 से 2047 वाले भारत में यह व्यवस्था होनी चाहिए?

शक्ति संतुलन की राजनीति में ट्रंप और शी जिनपिंग ने बड़ी सावधानी से अपनी चालें चलीं

देखा जाये तो टैरिफ में 10 प्रतिशत अंकों की कमी का निर्णय, अपने आप में, आर्थिक दृष्टि से सीमित प्रभाव वाला कदम है। यह अमेरिकी उपभोक्ताओं और आयातकों के लिए अस्थायी राहत तो लाएगा, पर चीन के लिए यह महान कूटनीतिक जीत नहीं कही जा सकती। दक्षिण कोरिया के बंदरगाह शहर बसान में हुए एशिया–प्रशांत आर्थिक सहयोग (अढएउ) सम्मेलन के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई मुलाकात को वैश्विक कूटनीतिक मंच पर एक बहुप्रतीक्षित क्षण कहा गया। दोनों नेताओं की यह पहली आमने–सामने वार्ता 2019 के बाद हुई और उस पर विश्व की निगाहें इसलिए भी टिकी थीं क्योंकि अमेरिका–चीन व्यापार युद्ध ने पिछले कुछ वर्षों में न केवल वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को झकझोरा है, बल्कि आर्थिक विश्वास और राजनीतिक स्थिरता दोनों को हिला दिया है।ट्रम्प ने बैठक के बाद घोषणा की कि उन्होंने चीन पर लगाए गए टैरिफ को 57% से घटाकर 47% करने पर सहमति जताई है। इसके बदले में चीन ने तीन महत्वपूर्ण वादे किए— पहला, अमेरिकी सोयाबीन की खरीद तुरंत शुरू करना; दूसरा, दुर्लभ खनिज के निर्यात को जारी रखना और तीसरा, फेंटेनिल जैसे खतरनाक नशीले पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाना। सतही तौर पर यह एक संतुलित सौदा प्रतीत होता है कि दोनों देशों ने कुछ दिया और कुछ लिया। परंतु प्रश्न यह है कि क्या शी जिनपिंग ने वास्तव में कोई रणनीतिक उपलब्धि हासिल की, या यह केवल प्रतीकात्मक राहत है जिसे घरेलू राजनीतिक संतुलन साधने के लिए प्रस्तुत किया जा रहा है?

देखा जाये तो टैरिफ में 10 प्रतिशत अंकों की कमी का निर्णय, अपने आप में, आर्थिक दृष्टि से सीमित प्रभाव वाला कदम है। यह अमेरिकी उपभोक्ताओं और आयातकों के लिए अस्थायी राहत तो लाएगा, पर चीन के लिए यह महान कूटनीतिक जीत नहीं कही जा सकती। चीन पहले से ही 57% के उच्च टैरिफ के कारण अमेरिकी बाजार में प्रतिस्पर्धा खो चुका था। ऐसे में 47% पर लौटना किसी बड़ी संरचनात्मक सुधार की गारंटी नहीं देता। बल्कि यह कहना अधिक उचित होगा कि यह अमेरिका की ओर से नियंत्रित नरमी का संकेत है, ताकि दोनों देशों के बीच संवाद की संभावना बनी रहे।

शी जिनपिंग ने अपने हिस्से की रियायतें ऐसे क्षेत्रों में दीं जो सीधे-सीधे चीन के हितों को बहुत प्रभावित नहीं करते। उदाहरण के लिए, सोयाबीन की खरीद– यह चीन की खाद्य आवश्यकताओं का हिस्सा है, न कि किसी नयी उदारता का प्रतीक। इसी तरह, १ं१ी ीं१३ँ२ का निर्यात जारी रखना भी चीन की आर्थिक आत्मनिर्भरता के खिलाफ नहीं जाता; बल्कि यह विश्व बाजार में उसकी पकड़ बनाए रखने का ही तरीका है। हम आपको यह भी बता दें कि बसान वार्ता से ठीक पहले ट्रम्प ने अमेरिका के ऊीस्र१३ील्ल३ ङ्म ह१ को परमाणु हथियार परीक्षण शुरू करने का निर्देश दिया था। यह घटना केवल संयोग नहीं थी, बल्कि एक स्पष्ट सामरिक संकेत थी कि अमेरिका यह जताना चाहता था कि उसकी डील कमजोर स्थिति से नहीं, बल्कि शक्ति-प्रदर्शन के साथ आ रही है। इस संदर्भ में यदि शी जिनपिंग ने 10 प्रतिशत टैरिफ रियायत के बदले में बातचीत को पटरी पर लौटाया, तो यह उनकी कूटनीतिक विवेकशीलता तो दशार्ता है, पर यह कोई रणनीतिक विजय नहीं है। चीन के लिए बड़ी चुनौती यह है कि वह आर्थिक रूप से अमेरिका पर निर्भरता कम करना चाहता है, पर विश्व आपूर्ति श्रृंखला में उसकी भूमिका अभी भी नाजुक है। १ं१ी ीं१३ँ२ और तकनीकी उद्योगों के नियंत्रण के बावजूद, चीन को यह एहसास है कि अमेरिका की तकनीकी रोकथाम (अक चिप्स, हाई-टेक एक्सपोर्ट बैन) ने उसकी दीर्घकालिक महत्वाकांक्षाओं को सीमित किया है। इसलिए बसान की बैठक को चीन द्वारा रणनीतिक स्थिति-संतुलन के प्रयास के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि किसी निर्णायक जीत के रूप में। उधर, डोनाल्ड ट्रम्प ने बैठक के बाद इसे ॅ१ीं३ २४ूी२२ कहा और अप्रैल में चीन की यात्रा की घोषणा भी की। परंतु ट्रम्प की सफलता का वास्तविक अर्थ घरेलू राजनीति में है। वह अमेरिकी मतदाताओं को दिखाना चाहते हैं कि उन्होंने चीन को कठोरता से घेरा, पर अंततः अपने उद्योगों के लिए व्यावहारिक सौदेबाजी भी की। अमेरिकी कृषि राज्यों के लिए सोयाबीन व्यापार पुनः आरंभ होना ट्रम्प के लिए चुनावी पूंजी जैसा है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि बसान वार्ता से एक दिन पहले ही ट्रम्प प्रशासन ने रूस के परमाणु परीक्षणों के जवाब में अमेरिका द्वारा नए परमाणु हथियार परीक्षण की घोषणा की थी। इस प्रकार, अमेरिका ने एक ही मंच से दो संदेश दिये– रूस को सैन्य चुनौती और चीन को व्यापारिक नियंत्रित रियायत। यह वही द्विस्तरीय शक्ति प्रदर्शन है जिसकी नीति ट्रम्प के पहले कार्यकाल में भी झलकती थी।

देखा जाये तो यह वार्ता केवल अमेरिका और चीन के बीच नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के संतुलन की दिशा तय करने वाली घटना थी। अढएउ का मंच, जो कभी मुक्त व्यापार और सहयोग का प्रतीक था, अब शक्ति-संतुलन और नियंत्रण का अखाड़ा बन गया है। अमेरिका की संरक्षणवादी नीतियाँ और चीन की प्रतिकारी व्यापार रणनीति इस मंच की मूल भावना को चुनौती दे रही हैं।

दूसरी ओर, विश्व निवेशक इस समझौते को लेकर अभी भी आशंकित हैं। एशियाई बाजारों में उतार-चढ़ाव और अमेरिकी सोयाबीन वायदा की कमजोरी बताती है कि बाजार को स्थायित्व का भरोसा नहीं है। इसका तात्पर्य यह है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था अब स्थायी सहमति की नहीं, बल्कि तत्काल अवसरों की राजनीति में फँस चुकी है।

बहरहाल, शी जिनपिंग के लिए बसान की बैठक निश्चित रूप से एक अवसर थी। उन्होंने यह दिखाया कि चीन संवाद और सहयोग की राह से बाहर नहीं है। परंतु वस्तुतः यह समझौता चीन के लिए रणनीतिक विस्तार नहीं बल्कि रणनीतिक नियंत्रण का प्रतीक है। उन्होंने टकराव को कुछ समय के लिए रोका, पर कोई नई भू-राजनीतिक या आर्थिक जीत हासिल नहीं की। मगर अमेरिका ने वही किया जो उसके हित में था। यानि कुछ नरमी दिखाकर वैश्विक मंच पर संतुलनकारी शक्ति की भूमिका निभाई। और चीन ने वही किया जो विवेक में था यानि कठोरता की बजाय व्यवहारिकता का चयन किया। बसान से निकला असली संदेश यही है कि इस युग में न तो कोई स्थायी मित्र है, न स्थायी प्रतिद्वंद्वी– केवल हित सर्वोपरि हैं और वही आज की विश्व व्यवस्था का वास्तविक आधार बन चुके हैं।

राशिफल

मेष राशि :- इष्ट मित्र सुखवर्धक अवश्य होंगे, सुख के साधन बने किन्तु गुप्त चिन्ता बनी रहेगी।

वृष राशि :- अधिक भावुकता से हानि होने का भय, कार्य-व्यवसाय में सतर्कता अवश्य रखें।

मिथुन राशि :- लाभांवित योजना बनेगी, आशानुकूल सफलता से हर्ष होगा, रुके कार्य बनेंगे।

कर्क राशि :- योजना फलीभूत होंगी, तनाव व बेचैनी बने, रुके कार्य पर ध्यान अवश्य दें।

सिंह राशि :- चिन्ताएं कम होंगी, लाभ आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा, रुके कार्य बन जायेंगे।

कन्या राशि :- कार्य योजना में बाधायें, मन उद्विघ्न रखें तथा विभ्रम होने से बचने का प्रयास करें।

तुला राशि :- किसी से धोखा व विवादग्रस्त होने की सम्भावना है, समय का ध्यान अवश्य रखें।

वृश्चिक राशि :- कार्यगति में बाधा होते हुए भी कुछ सफलता मिलेगी, धैर्य से कार्य कर लें।

धनु राशि :- अधिकारी वर्ग से तनाव व मित्र की उपेक्षा से तनाव, अशांति तथा कार्यबाधा होगी।

मकर राशि :- स्त्री वर्ग से भोग-ऐश्वर्य की प्राप्ति, व्यवसायिक क्षमता अनुकूल बनी ही रहेगी।

कुम्भ राशि :- कार्य विफलत्व, प्रयत्न करने पर भी सफलता दिखायी न दें, अवरोध होगा।

मीन राशि :- तनाव कुछ कम हो, उद्विघ्नता बनी ही रहेगी, सतर्कता से रुके कार्य निपटा लें।

साम्प्रे न्यूट्रिशन्स लिमिटेड ने रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के साथ एक मेन्युफेक्चरिंग एग्रिमेन्ट किया

जबलपुर। लीडिंग कन्फेक्शनरी मेन्युफेक्चरर, साम्प्रे न्यूट्रिशन्स लिमिटेड (BSE: 530617)ने न्यूट्रास्युटिकल और फूड प्रोडक्ट के मेन्युफेक्चर और सप्लाय के लिए 8 अक्टूबर 2025 को रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड ("RCPL") के साथ एक मेन्युफेक्चरिंग एग्रिमेन्ट किया है। इस समझौते से 3 वर्षों की अवधि में सालाना 12 से 15 करोड़ रुपये का बिझनेस होने की उम्मीद है, जिससे कंपनी के रेवन्यु में अच्छी ग्रोथ होगी और इसके न्यूट्रास्युटिकल और फूड प्रोडक्ट ओपरेशन्स को समर्थन मिलेगा। इस एग्रिमेन्ट के तहत SNL, RCPL के विनिदेशों और गुणवत्ता मानकों के अनुसार, आगे की बिक्री और वितरण के लिए कन्फेक्शनरी प्रोडक्ट्स (हार्ड-बॉयल्ड कन्फेक्शनरी, लॉलीपॉप, टॉफी आदि) का मेन्युफेक्चरिंग, पैकिंग और डिस्ट्रीब्युशन करेगा। 3 अक्टूबर 2025 को, साम्प्रे ने 4 करोड़ अमेरिकी डॉलर मूल्य के फोरेन करन्सी कन्वर्टिबल बोन्ड्स (FCCB) जारी करने पर विचार किया और उसे मंजूरी दी, जो 355.06 करोड़ रुपये के बराबर है। कंपनी FCCB की सबस्क्रिप्शन अमाउन्ट के अनुसार, 1 लाख अमेरिकी डॉलर प्रति ऋछ्उइ के 400 FCCB जारी करेगी। FCCB फंड का उपयोग ईजिप्त और लाइबेरिया (मोनरोविया) जैसे उभरते बाजारों में कंपनी की वैश्विक उपस्थिति को व्यापक बनाने के उद्देश्य से किया जाएगा। यह टार्गेट एक्सपेन्शन हाई-ग्रोथ रिजन में कंपनी की उपस्थिति को मजबूत करने, रेवन्यु स्ट्रिम्र्स में विविधता लाने और ईन्टरनेशनल ऋद्दउऋ सेक्टर्स में उभरते अवसरों का लाभ उठाने के लिए डिजाइन किया गया है।

कंपनी ने लीड एरेन्जर - एक ईन्वेस्टमेन्ट मेनेजमेन्ट कंपनी, एरीस कैपिटल लिमिटेड के साथ एग्रिमेन्ट कीया। जिसे इश्यू को सूचीबद्ध करने और अंडरराइटिंग करने के उद्देश्य से नियुक्त किया गया है। हाल ही में, कंपनी ने 16 अगस्त, 2025 को तोलाराम वेलनेस लिमिटेड, नाइजीरिया के साथ एक मेन्युफेक्चरिंग एग्रिमेन्ट किया है। इस के तहत, साम्प्रे न्यूट्रिशन्स, सहमत स्पेसिफिकेशन्स और क्वोलिटी स्टान्डर्ड्स के अनुसार, तोलाराम वेलनेस को न्यूट्रास्युटिकल और फूड प्रोडक्ट का निर्माण और आपूर्ति करेगा। इस एग्रिमेन्ट से सालाना 10 करोड़ रुपये का कारोबार होने की उम्मीद है, जो तीन वर्षों में लगभग 30 करोड़ रुपये होगा। यह एग्रिमेन्ट साम्प्रे के रेवन्यु में महत्वपूर्ण योगदान देगा और इसके न्यूट्रास्युटिकल और फूड प्रोडक्ट ओपरेशन्स को मजबूत करेगा। कोन्ट्राक्चुअल पेमेन्ट टर्म्स में 50% एडवान्स और शेष राशि डिस्पेच होने पर देने का प्रावधान है; ईस ट्रान्सपोर्टेशन का खर्च तोलाराम वेलनेस द्वारा वहन किया जाएगा।

इसके अलावा, कंपनी ने हाल ही में न्यूट्रास्युटिकल और फूड प्रोडक्ट के उत्पादन के लिए 19 अगस्त, 2025 को रामा एक्सपोर्ट्स के साथ तीन साल का मेन्युफेक्चरिंग एग्रिमेन्ट किया है। इस अनुबंध से पूरे कार्यकाल में 15 करोड़ रुपये का कारोबार होने का अनुमान है, जो न्यूट्रास्युटिकल और फूड सेक्टर में लोन्ग टर्म पार्टनरशिप के लिए साम्प्रे की ओपरेशनल डेप्थ और प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

हाल ही में, कंपनी ने 30 जून, 2025 को समाप्त हुई वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही के लिए रिमार्केबल फाईनान्शियल और ओपरेशनल आउटकम दर्ज किए हैं। वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में, कंपनी ने ओपरेशन्स से 10.87 करोड़ रुपये का रेवन्यु दर्ज किया, जो वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में दर्ज 4.51 करोड़ रुपये के परिचालन राजस्व की तुलना में 141% की वार्षिक वृद्धि दशार्ता है। वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में टोटल नेट प्रोफिट 70.76 लाख रुपये दर्ज किया गया, जो वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही के 9.89 लाख रुपये के नेट प्रोफिट की तुलना में 615% की वार्षिक वृद्धि दशार्ता है।

कंपनी को क्वोलिटी, कस्टमर सेटिस्फिकेशन और सोशियल ईम्पेक्ट में उत्कृष्टता के लिए भारत 5000 सर्वश्रेष्ठ टरटए अवोर्ड 2024 के अंतर्गत मान्यता प्रमाणपत्र से भी सम्मानित किया गया।

नसों में जमे 'साइलेंट किलर' बैड कोलेस्ट्रॉल को पिघलाने के आसान तरीके

अपनी लाइफस्टाइल में कुछ अच्छी आदतें शामिल कर जमे हुए बैड कोलेस्ट्रॉल को प्राकृतिक रूप से कम करने या फिर पिघलाने में सहायता कर सकती हैं। हम आपको कुछ ऐसा आसान बदलावों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको दिनचर्या में शामिल कर आप दिल की सेहत को बेहतर बना सकते हैं।

हाई कोलेस्ट्रॉल को साइलेंट किलर भी कहा जाता है। क्योंकि इसके शुरूआती लक्षण आसानी से समझ नहीं आते हैं। जब हमारे शरीर की नसों में बैड कोलेस्ट्रॉल यानी एलडीएल की मात्रा बढ़ती है तो नसों की दीवारों पर मोम जैसे पदार्थ की तरह चिपकने लगता है। इससे नसें संकरी और सख्त हो जाती हैं। इससे खून के फ्लो में रुकावट आती है और स्ट्रोक व हार्ट अटैक का खतरा कई गुना तक बढ़ जाता है। हालांकि दवाओं के अलावा हम अपनी लाइफस्टाइल में कुछ अच्छी आदतें शामिल कर जमे हुए बैड कोलेस्ट्रॉल को प्राकृतिक रूप से कम करने या फिर पिघलाने में सहायता कर सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसा आसान बदलावों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको अपनी दिनचर्या में शामिल करके आप अपने दिल की सेहत को बेहतर बना सकते हैं।

डाइट में शामिल करें घुलनशील फाइबर : कोलेस्ट्रॉल कम करने का सबसे असरदार तरीका है कि आप अपनी डाइट में घुलनशील फाइबर से भरपूर चीजों को शामिल करें। यह फाइबर पानी में घुलकर एक जेल जैसा पदार्थ बनाता है, जोकि कोलेस्ट्रॉल को पाचन तंत्र में बांधकर शरीर से बाहर निकाल देता है। इसलिए अपनी डाइट में सेब, बीन्स, दलिया, जई, दालें और खट्टे फलों को शामिल करना चाहिए। वहीं अपने

नियमित व्यायाम है जरूरी : एक गतिहीन लाइफस्टाइल भी बैड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाती है। ऐसे में अगर आप नियमित रूप से व्यायाम करते हैं, तो यह न सिर्फ वेट को कंट्रोल में रखता है, बल्कि यह गुड कोलेस्ट्रॉल यानी की एचडीएल को भी बढ़ाने में सहायता करता है। गुड कोलेस्ट्रॉल नसों में जमे बैड कोलेस्ट्रॉल लिवर कर लेकर जाता है। जहां से वह शरीर से बाहर निकल जाता है। सप्ताह में कम से कम 5 दिन 30 से 40 मिनट तक तेज चलने, साइकिलिंग करने या जॉगिंग करने जैसी एक्सरसाइज जरूर करनी चाहिए।

सैचुरेटेड फैट : आप अपनी डाइट से सैचुरेटेड फैट और ट्रांस फैट को हटा दें। जोकि अक्सर तले हुए खाने, पैकेट वाले स्नैक्स और जंक फूड में पाया जाता है। इसकी बजाय आप हेल्दी स्नैक्स जैसे अखरोट, बादाम, जैतून का तेल और अलसी के बीज आदि को शामिल कर सकते हैं। वहीं धूम्रपान, स्मोकिंग और शराब का सेवन करने वाले लोगों में कोलेस्ट्रॉल का लेवल बिगड़ता रहता है।

अंतरराष्ट्रीयपुष्कर मेला

अजमेर से 11 किलोमीटर दूर हिंदुओं का प्रसिद्ध तीर्थ स्थल पुष्कर है। पुष्कर में 52 घाटों के साथ एक अर्धवृत्ताकार झील है, झील की अधिकतम गहराई 10 मीटर है। यह एक पवित्र स्थान है और सभी तीर्थों के राजा के रूप में जाना जाता है। कार्तिक पूर्णिमा पर इस झील में एक पवित्र डुबकी लगाई जाती है, जो सभी पापों को धोती है और मोक्ष की ओर ले जाती है। यहां पर कार्तिक पूर्णिमा को मेला लगता है। यह मेला कार्तिक शुक्ल एकादशी से पूर्णिमा के दिन महास्नान के साथ संपन्न होता है। पंचतीर्थ स्नान का धार्मिक मेला 7 नवंबर को संपन्न होगा। मेले का रंग राजस्थान में देखते ही बनता है। मेला रेत के विशाल मैदान में लगता है।

इस मेले में बड़ी संख्या में देशी-विदेशी पर्यटक आते हैं। पुष्कर मेला थार मरुस्थल का एक लोकप्रिय व रंगों से भरा मेला है। पुष्कर झील भारतवर्ष के पवित्रतम स्थानों में से एक है। प्राचीन काल से लोग यहां प्रतिवर्ष कार्तिक मास में एकत्रित होकर भगवान ब्रह्मा की पूजा उपासना करते हैं। मान्यता है कि सृष्टि के रचियता जगत गुरु ब्रह्मा जी द्वारा किए गए यज्ञ के दौरान हाथ से कमल पुष्प छूटने से यहीं पर पवित्र पुष्कर सरोवर का उद्भव हुआ। इन दिनों यहां 33 करोड़ देवी-देवताओं के साथ स्वयं ब्रह्मा जी का वास रहता है और स्नान व ध्यान से अक्षत फल की प्राप्ति होती है। कार्तिक मास में स्नान का हिंदू मान्यताओं में महत्त्व वैसे भी काफी ज्यादा है। इसलिए यहां साधु भी बड़ी संख्या में नजर आते हैं। पुष्कर मेले के दौरान इस नगरी में आस्था और उल्लास का अनोखा संगम देखा जाता है। चारों धामों की यात्रा करके भी यदि कोई व्यक्ति पुष्कर सरोवर में डुबकी नहीं लगाता है, तो उसके सारे पुण्य निष्फल हो जाते हैं। तीर्थ राज पुष्कर को पृथ्वी का तीसरा नेत्र माना जाता है। यहां एकमात्र ब्रह्मा मंदिर है, तो दूसरी ओर दक्षिण स्थापत्य शैली पर आधारित रामानुज संप्रदाय का बैकुंठ मंदिर। इसके अलावा सावित्री मंदिर, वराह मंदिर और अन्य कई मंदिर हैं। पास के ही एक मंदिर में हाथी पर बैठे नारद तथा कुबेर की मूर्तियां हैं। पुष्कर को मंदिरों की नगरी भी कहा जाता है। स्थानीय प्रशासन इस मेले की व्यवस्था करता है। कला एवं संस्कृति तथा पर्यटन विभाग इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं। इस समय यहां पर पशु मेला भी आयोजित किया जाता है, जिसमें पशुओं से संबंधित विभिन्न कार्यक्रम भी किए जाते हैं, जिसमें श्रेष्ठ नसल के पशुओं को पुरस्कृत किया जाता है। यह खासतौर पर ऊंटों और पशुओं का मेला होता है। पूरे राजस्थान से लोग अपने-अपने ऊंटों को लेकर आते हैं और उनको प्रदर्शित किया जाता है। पारंपरिक परिधानों से ऊंट इस तरह सजाए गए होते हैं कि उनसे नजर ही नहीं हटती। पुष्कर मेले में प्रति वर्ष बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक आते हैं, ज्यादातर पर्यटक मेले में आने वाले पशुओं और ग्रामीण परिवेश को देखने के लिए आते हैं। भारत में किसी पौराणिक स्थल पर आमतौर पर जिस संख्या में पर्यटक आते हैं, पुष्कर में आने वाले पर्यटकों की संख्या उससे कहीं ज्यादा है। इनमें बड़ी संख्या विदेशी सैलानियों की है, जिन्हें पुष्कर खास तौर पर पसंद है। हर साल कार्तिक महीने में लगने वाले पुष्कर ऊंट मेले ने तो इस जगह को दुनिया भर में अलग ही पहचान दी है। मेले के समय कई संस्कृतियों का मिलन देखने को मिलता है। मेले में सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं।

पवई क्षेत्र में विभागीय लापरवाही से दम तोड़ रही करोड़ों रुपए की जल परियोजनाएं

किसानों की सिंचाई व्यवस्था पर संकट, भडरा तालाब से हर दिन घट रहा पानी का स्तर

दैनिक रेवांचल टाइम्स, पन्ना। पवई एवं शाहनगर क्षेत्र में पिछले एक दशक से केंद्र और राज्य सरकार के सहयोग से करोडॉ रुपए की लागत से जल परियोजनाएं तैयार की गईं थीं ताकि किसानों को स्थाई सिंचाई सुविधा मिल सके। कुछ स्थानों पर इन योजनाओं का लाभ किसानों को वर्षों तक मिला, परंतु अब विभागीय उदासीनता के कारण ये योजनाएं दम तोड़ती नजर आ रही हैं।

लाखों की लागत से बना तालाब अब रिसाव की भेंट चढ़ा

शाहनगर उपसंभाग के अंतर्गत ग्राम पंचायत रंगोली में स्थित प्रसिद्ध भड़रा तालाब भी इसी लापरवाही की भेंट चढ़ चुका है। जल संसाधन विभाग, डिवीजन पवई एवं शाहनगर सबडिवीजन के अंतर्गत आने वाला यह तालाब लाखों रुपए की लागत से बनाया गया था। इसी तालाब से सैकड़ों किसानों की रोजी-रोटी जुड़ी हुई है, क्योंकि हजारों एकड़ भूमि की सिंचाई इसी से होती है।

पर्याप्त बारिश के बावजूद पानी घटकर 60% रह गया

इस वर्ष क्षेत्र में पर्याप्त वर्षा होने के बावजूद तालाब में अब मात्र 60 प्रतिशत पानी शेष है। इसका मुख्य कारण तालाब में हो रहा लगातार रिसाव और रखरखाव का अभाव है। बताया गया है कि प्रतिदिन दो से चार मीटर तक पानी जमीन में समा रहा है, जिससे किसानों में भारी चिंता व्याप्त है।

किसानों की शिकायतों पर विभाग मौन

किसानों ने इस समस्या की शिकायत जल संसाधन विभाग के एसडीओ शाहनगर सहित अन्य अधिकारियों से कई बार की, परंतु विभाग की ओर से आज तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। ग्रामीणों का कहना है कि अधिकारी मौके का निरीक्षण तक नहीं करते और समस्या जस की तस बनी हुई है।

पिछले वर्ष भी हुई थी खानापूर्ति

ग्रामीणों ने बताया कि पिछले वर्ष भी यही स्थिति उत्पन्न हुई थी। तब विभाग ने औपचारिकता निभाते हुए सिर्फ मिट्टी का हल्का छिड़काव कर समस्या को दबाने की कोशिश की थी। इसके बाद न तो रिसाव रुका और न ही स्थायी समाधान हुआ। अब सवाल यह उठता है कि उस ह्लछिड़कावह्व पर विभाग ने आखिर कितना भुगतान किया – यह जानना आने वाले अंकों में आवश्यक होगा।

किसानों की नजर मुख्यमंत्री के दौरे पर

वर्तमान स्थिति को देखते हुए ग्रामीण अब आगामी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के शाहनगर दौरे का इंतजार कर रहे हैं। किसानों का कहना है कि वे मुख्यमंत्री को जल संसाधन विभाग के गैरजिम्मेदाराना रवैये से अवगत कराएंगे, ताकि समस्या का स्थायी समाधान निकाला जा सके और आने वाली रबी फसल को बचाया जा सके।

शासकीय महाविद्यालय बरही में राष्ट्रीय साइबर जागरूकता माह अंतर्गत किया गया कार्यशाला का आयोजन

साइबर अपराध एक बड़ी चुनौती जागरूकता से ही बचाव संभव

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। शासकीय महाविद्यालय बरही में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा प्राचार्य प्रो. आर. के. त्रिपाठी के मार्गदर्शन एवं प्रभारी कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अरविंद सिंह के नेतृत्व में राष्ट्रीय साइबर जागरूकता माह के अंतर्गत साइबर अपराधों से बचाव हेतु विद्यार्थियों को जागरूक करने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में डॉ. अरविंद सिंह ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य साइबर अपराधों जैसे ऑनलाइन फ्रॉड, फिशिंग कॉल, फेक वेबसाइट, बैंकिंग धोखाधड़ी, सोशल मीडिया पर ठगी के प्रति सतर्क एवं जागरूक करना है। इसी के साथ अज्ञात लिंक, कॉल या संदेश के माध्यम से अपनी व्यक्तिगत अथवा बैंकिंग जानकारी साझा ना करें, लेकिन फिर भी यदि किसी के साथ कोई साइबर अपराध या घटना घटित होता है तो तत्काल राष्ट्रीय साइबर क्राइम पोर्टल एवं 1930 पर संपर्क कर जानकारी दें। डॉ. के. के. विश्वकर्मा ने कहां कि साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए ह्यसाइबर स्वच्छताह्व को बढ़ाने की आवश्यकता है, जिसमें नियमित अंतराल पर आईसीटी उपकरणों

की बुनियादी देखभाल करने की आदतें डालना शामिल है, जैसे कि कंप्यूटर को ठीक से बंद करना, निश्चित अंतराल पर पासवर्ड बदलना, अन्य वेबसाइटों के साथ-साथ फि शिंग वेबसाइटों को खोलने के प्रति सतर्क रहें, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को चलाने में बरती जाने वाली सावधानियां, डेटा चोरी से बचाव, ई-कचरे का संग्रह और निपटान आदि के प्रति सतर्क रहना चाहिए। डॉ मंजुलता साहू ने विद्यार्थियों को साइबर अपराधों से बचाव के उपाय बताए और ऑनलाइन ठगी से सतर्क रहने का संदेश दिया। डॉ. सुनीता सिंह ने कहां कि "साइबर अपराध समाज के लिए एक बड़ी चुनौती बन चुका है जागरूकता ही इससे बचाव का सबसे प्रभावी तरीका है। अंत मे प्राचार्य ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों एवं लोगों में साइबर सुरक्षा एवं डिजिटल साक्षरता के प्रति सजगता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन डॉ. रश्मि त्रिपाठी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो. आर. के. त्रिपाठी, डॉ. एस. एस. धुर्वे, डॉ अरविंद सिंह, डॉ रश्मी त्रिपाठी, सुश्री प्रियंका तोमर, डॉ. आर. जी. सिंह, डॉ. सुनीता सिंह, डॉ. के. के. विश्वकर्मा, डॉ. मंजुलता साहू, डॉ. के. के. निगम, डॉ राकेश दुबे, श्री मनीष मिश्रा, डॉ. नीलम चतुर्वेदी, डॉ. रूपा शर्मा, डॉ अरविन्द शुक्ला, श्री मनोज चौधरी, अनीता सिंह, पवन दुबे, कैश अंसारी, रावेंद्र साकेत, कृष्णपाल सिंह, सौरभ सिंह, संतोषी तिवारी, सोनम पाण्डे, दीपक मिश्रा, डॉ अरुण तिवारी, डॉ चंद्रभान विश्वकर्मा, शंकर सिंह, महिमा तिवारी, आशीष तिवारी, अजय सेन, रवि साहू, राजेश्वरी मिश्रा, गणेश प्रजापति तथा स्टॉफ के अन्य सदस्य, रासेयो स्वयंसेवक एवं विद्यार्थी उपस्थिति रहे।

कोठी में अश्वगंधा पर बीज वितरण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

कटनी। विकासखंड ढ़ीमरखेड़ा के कोठी गांव में कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर खेती में नवाचार के तहत आत्मा योजना अन्तर्गत औषधीय फसल अश्वगंधा का बीज वितरण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान उपसंचालक किसान कल्याण तथा कृषि विभाग डॉ. रामनाथ पटेल, परियोजना संचालक आत्मा अरूणिमा सेन, सहायक परियोजना संचालक रजनी चैहान, नाबार्ड डीडीएम विकास कुमार जैन एवं पर्यावरणविद एवं मानव जीवन विकास समिति के सचिव निर्भय सिंह मौजूद रहें। कार्यक्रम में अश्वगंधा की खेती करने वाले चिन्हित किसानों को नीमच से आये हुये औषधीय कृषि विशेषज्ञ डॉ. शांति स्वरूप सरास्वत के द्वारा किसानों को तकनीकी जानकारी जैसे खेत तैयारी, बीज बुवाई एवं निदाई गुड़ाई तथा पानी देने और कटाई तक की पूरी विधिवत जानकारी दी गई। साथ ही यह भी बताया गया कि अश्वगंधा की खेती फायदे की खेती है। वहीं पर्यावरणविद् एवं मानव जीवन विकास समिति के सचिव निर्भय सिंह ने बताया कि पिछले वर्ष से हमने ढ़ीमरखेड़ा विकासखंड में अश्वगंधा की खेती की शुरूआत की है। इसका उत्पादन अच्छा हुआ है। इसकी बाजार में अच्छी कीमत मिलती है, इसलिए यदि किसान मेहनत करेंगे तो अच्छी आमदनी कमा सकते है। अश्वगंधा की पैदावार बढ़ाने के लिए इफको के आर.के. मिश्रा ने नैनो डीएपी एवं नैनो यूरिया का महत्व बताया। जबकि नाबार्ड डीडीएम विकास कुमार जैन ने बताया कि किसानों को मिट्टी परीक्षण अवश्य करायें। ताकि फसल के अनुरूप पौधों को आवश्यक पोषक तत्व मिल सके। उपसंचालक किसान कल्याण तथा कृषि विभाग रामनाथ पटेल ने भी बीज उपचार और स्प्रिंकलर से सिंचाई करने तथा जीवामृत के उपयोग पर फोकस किया। आत्मा परियोजना संचालक अरूणिमा सेन द्वारा किसानों को जैविक खेती करने हेतु प्रेरित किया गया। उन्होंने यह भी बताया कि भविष्य में जैविक उत्पाद का सर्टिफिकेशन प्रोसेस भी करेंगे। कार्यक्रम मे आत्मा योजना अन्तर्गत चिन्हित 26 किसान और मानव जीवन विकास समिति द्वारा चिन्हित 100 किसानों की भागीदारी रही।

बाल विवाह रोकथाम के लिए जिला प्रशासन सजग और मुस्तैद

कारावास और 1 लाख रुपए के जुमार्ना या दोनों का है प्रावधान

बाल विवाह कराने, सहयोग देने वाले व्यक्ति, संस्था व संगठन को दो वर्ष तक

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। जिले में देव प्रबोधिनी एवं अन्य विवाह मुहूर्तों पर बाल विवाह की रोकथाम के लिए एक सशक्त, समन्वित और बहुस्तरीय व्यापक कार्ययोजना बनाई गई है। इसके लिए विकासखंड स्तर पर संबंधित क्षेत्र के एसडीएम की अध्यक्षता में 6 सदस्यीय बाल विवाह रोकथाम दल गठित किया गया है। कलेक्टर श्री आशीष तिवारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि बाल विवाह निगरानी समितियां और कोर ग्रुप बाल विवाह संबंधी गतिवधियों पर सख्त नजर रखें। उन्होंने कहा कि बाल विवाह एक गंभीर सामाजिक बुराई है। समाज में इस कुप्रथा का स्वरूप बहुत ही भयावह है। कलेक्टर श्री तिवारी ने बाल विवाह की रोकथाम के लिए समाज से भी आगे आने और जिला प्रशासन के साथ सहयोग करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि बाल विवाह की सूचना कलेक्ट्रेट स्थित कंट्रोल रूम नंबर 07622-220071 पर और पुलिस कंट्रोल रूम सहित संबंधित एसडीएम और महिला एवं बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारियों को भी दी जा सकती है। कलेक्टर ने ताकीद किया कि प्रशासन बाल विवाह की रोकथाम के लिए सजग और मुस्तैद है। बाल विवाह रोकथाम अधिनियम 2006 की धारा 9,10,11 एवं 13 के तहत बालविवाह कराने, सहयोग देने वाले व्यक्ति, व्यक्तियों , संस्था, सामाजिक संगठन के लिए दो वर्ष तक कारावास अथवा एक लाख रुपए का जुमार्ना या दोनो का प्रावधान है। जिला प्रशासन ने हलवाई, प्रेस करने वाले, कैटरर्स, धर्मगुरू,

समाज के मुखिया, बैंड बाजा वाले, घोड़ी वाले और ट्रांसपोर्टर आदि से भी आग्रह किया है कि वे बाल विवाह करने और कराने वालों को अपनी सेवायें कदापि प्रदान नहीं करें, अन्यथा वे भी बाल विवाह के सहयोगी माने जायेंगें और बाल विवाह रोकथाम अधिनियम के अंतर्गत विधि संगत धाराओं के तहत कार्यवाही के दायरे में आ जायेंगें।

कंट्रोल रूम

जिला स्तरीय कंट्रोल रूम की जिम्मेदारी प्रशासक शैली तिवारी मोबाइल नं. 8435354976 को दी गई है। इसी प्रकार विकासखंड बड़वारा में परियोजना अधिकारी श्री इन्द्र कुमार साहू मोबाइल नं. 9131421913, विकासखंड बहोरीबंद में परियोजना अधिकारी श्री सतीश पटेल मोबाइल नं. 9424957749, विकासखंड ढीमरखेड़ा में परियोजना अधिकारी आरती यादव मोबाइल नं. 9424547660, कटनी शहरी में प्रभारी परियोजना अधिकारी अनुपमा आटे मोबाइल नं. 7067198473, मुड़वारा में परियोजना अधिकारी विद्या पाण्डेय मोबाइल नं. 9713162886, विकासखंड रीठी में प्रभारी परियोजना अधिकारी सुलोचना महोविया मोबाइल नं. 8435122204 एवं विकासखंड विजयराघवगढ़ परियोजना अधिकारी श्री संतोष अग्रवाल मोबाइल नं. 9131354267 को कंट्रोल रूम की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

बाल विवाह मुक्त भारत पोर्टल

महिला बाल विकास मंत्रालय द्वारा बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की शुरूआत की गई है। इसके तहत बाल विवाह मुक्त भारत पोर्टल बनाया गया है। यह पोर्टल एक ऐसा अभिनव ऑनलाइन प्लेटफॉर्म है, जो नागरिकों को बाल विवाह की घटनाओं की रिपोर्ट करने, शिकायत दर्ज करने और देशभर में बाल विवाह निषेध अधिकारियों के बारे में जानकारी प्रदान करने में सक्षम बनाता है। हेल्पलाइन नंबर 181, 1098, 100 और बाल विवाह मुक्त भारत पोर्टल पर भी सूचना या जानकारी दर्ज कराई जा सकती है।

अक्षय नवमी के पावन पर्व पर महिलाओं ने आंवला वृक्ष की पूजा अर्चन कर सुख समृद्धि की मांगी मन्नतें

दैनिक रेवांचल टाईम्स, संवाददाता पवई। अक्षय नवमी का पावन पर्व पर जगत जननी महेश्वरी मां कलेही धाम,बाबा कैलाशी एवं त्रिदेव स्थल सिद्ध स्थान हनुमान भाटे की पावन पवित्र एवं धार्मिक धरा भूमि पर भक्ति भाव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया इस पर्व के अवसर पर महिलाओं ने भगवान विष्णु का प्रतीक आंवला के वृक्ष की विधिवत पूजा अर्चना कर परिक्रमा के बाद दान पुण्य किया एवं सपरिवार की सुख समृद्धि की कामना की तथा परंपरानुसार ब्राहमणों के भोजन के साथ सपरिवार सहित आंवला वृक्ष के नीचे बैठकर वन भोज किया अक्षय नवमी पर्व को लेकर महिलाओं में काफी उत्साह रहा सुबह से ही अधिकांश महिलाओं व पुरुषों में इस पावन पर्व को लेकर काफी उत्साहित रहे इस के दौरान महिलाओं ने सुहाग के समान सहित मिष्ठान फल फूल बढ़ाये नगर के तीनों धार्मिक स्थलों सहित कई स्थानों पर अक्षय नवमी की पूजा आराधना की बताया जाता है की यह तिथि भगवान विष्णु की पूजा के लिए बेहद शुभ दिन माना जाता है मान्यता है कि इस व्रत करने से कई जन्म संवर जाते है वहीं धार्मिक शास्त्रों के अनुसार कार्तिक मास शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को आंवले की उत्पत्ति हुई थी इसलिए इस दिन

को आंवला वृक्ष की पूजा से त्रिदेव ब्रहमा विष्णु,महेश के साथ माता लक्ष्मी की अपार कृपा होती है मान्यता है कि इस दिन किया गया तप, जप, दान इत्यादि कभी अक्षय नहीं होता एवं व्यक्ति को सभी पापों से मुक्त कर मनोकामनाओं की पूर्ति होती है धार्मिक मान्यताओं के अनुसार अक्षय नवमी के दिन आंवले के वृक्ष में भगवान विष्णु एवं शिव जी का निवास होता है इस दिन इस पृक्ष के नीचे बैठने और भोजन करने से रोगों का नाश होता है मान्यता है कि आंवला वृक्ष के मूल में भगवान विष्णु ऊपर ब्रहमा, स्कंध में रुद्रा.शाखाओं में मुनिगण,पत्तों में बसु, फूलों में परूद्यण और फलों में प्रजापति का वास होता है ऐसे में आंवले के पेड़ की पूजा करने से सभी पाप नष्ट हो जाते है साथ ही इसकी पूजा अर्चना से व्यक्ति के जीवन में धन विवाह, संतान दांपत्य जीवन से संबंधित समस्या खत्म हो जाती है मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए अक्षय नवमी के पर्व पर आवले वृक्ष की पूजा करने का विधान है वही इस दौरान महिलाओं ने पकवानों को बनकर ने एवं थाल सजाकर धार्मिक स्थल हनुमान भाटे कलेही धाम बाब कैलाशी आनंद विहार सहित कई स्थानों उद्यानों महिलाओं ने आवले की पूजा कर सूत धागा बांधा वही पूजा अर्चना में विशेष प्रकार के व्यंजन और फल आदि समर्पित किये एवं आरती व कथा श्रवण के बाद सपरिवार सभी ने आवले के वृक्ष के नीचे बैठकर भोजन किया अक्षय नवमी का पर्व गुरुवार को उत्साह के साथ मनाया गया महिलाओं ने आवले की पूजा अर्चना कर परिवार के आरोग्य सुख समृद्धि की मनोतिया मांगी इस पर्व को लेकर बड़ी संख्या में महिलाओं भक्तों ने सहभागिता की।

"राष्ट्रीय एकता दिवस" पर जिले में आयोजित होंगे विविध कार्यक्रम

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा की भावना को मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री आशीष तिवारी के निर्देश पर सरदार वल्लभ भाई पटेल के 150वें जन्मोत्सव पर शुक्रवार 31 अक्टूबर को "राष्ट्रीय एकता दिवस" मनाया जाएगा। इस अवसर पर जिले स्तर में विविध कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। सभी सरकारी कार्यालयों में 31 अक्टूबर को "एकता दिवस" की शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया जाएगा। इसमें समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति अनिवार्य है। एकता दिवस पर सभी पुलिस थाना स्तर पर प्रातः 8 बजे से "एकता दौड़" (रन फॉर यूनिटी) का आयोजन किया जाएगा। यह दौड़ स्थानीय जन-प्रतिनिधियों के नेतृत्व में आम जनता की व्यापक भागीदारी से आयोजित की जाएगी। इस दौड़ में युवा, खिलाड़ी, नगर एवं ग्राम रक्षा समिति के सदस्य, स्कूल-कॉलेज के बच्चे, एनसीसी, एनएसएस कैडेट्स, सृजन समूह की बालिकाए, अभिमन्यु सामुदायिक पुलिस के बालक, पुलिस कर्मी एवं विसबल वाहिनियों के पुलिस कर्मी भाग लेंगे। दौड़ का रूट लगभग 3 किलोमीटर रखा जायेगा तथा तय किये गये रूट पर प्रतिभागियों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान रखा जायेगा। साथ ही रूट को नो व्हीकल जोन घोषित किया जायेगा। साथ ही पीने के पानी, ग्लूकोज, फर्स्ट एड बॉक्स सहित एम्बुलेंस की व्यवस्था भी की जायेगी।

दैनिक रेवांचल टाइम्स
निष्पक्ष, निर्भीक एवं सत्य का प्रवर्तक
डिंडोरी जिले में जिला ब्यूरो नियुक्त करना है और सभी ब्लॉक स्तर पर एजेंसी देना है पत्रकारिता के क्षेत्र में रुचि रखने वाले संपर्क करें
संवाददाता भी नियुक्त करना है
प्रबंध संपादक
अतुल कुमार
7415685293
7509202320
प्रधान कार्यालय
आदि प्लाजा की पीछे, फ्लैट न. 03
सी ब्लॉक, शताब्दीपुरम MR-4 रोड उखरी
जबलपुर म.प्र.

क्या आप दाद-खाज़, खुजली से परेशान है?
अब आपके शहर सिवनी में सभी प्रकार के चर्म रोगों का उपचार सुप्रसिद्ध चिकित्सक द्वारा संभव
डॉ. हेमलता चांचरिया
BHMS, PGDCC, Cosmetologist
चर्म, केश, सौन्दर्य चिकित्सक
माह के दूसरे एवं चौथे बुधवार
सुबह 11 बजे से 2 बजे तक
दाद (दराद) खाज खुजली का ईलाज
कील मुहाँसे का सफलतम ईलाज
चेहरे का साँवलापन झाई एवं Chemical Peeling दाग धब्बे हटाये द्वारा
तील एवं मस्सो का स्थाई ईलाज लेजर द्वारा
चेहरे के अनचाहे बालों को हटाना बालों का झड़ना समय से पहले बाल सफेद होना गंजेपन का ईलाज (पी.आर.पी.) द्वारा
सफेद दाग का सफल ईलाज दवाई एवं सर्जरी द्वारा।
काली झाईयाँ, चेहरे के दाग धब्बे एवं गड्ढों का सफलतम ईलाज।
एलर्जी, एग्जिमा, शरीर पर खुजली एवं सोरायसिस का सफल इलाज
चेहरे के गड्ढे झुरियां एवं दाग का सफल ईलाज दवाई एवं Dermaroller द्वारा
रेवा फार्मेसी
पता: बरघट रोड़, गणेश चौक, सिवनी
Mob: 96696 52061, 88393 10065

Aman fitness zone
पता-नर्मदा पुल पार साकेत नगर रोड मंसूरी हॉल के बाजू में डिंडोरी (मध्य प्रदेश)
संपर्क करें - 8989762373

बच्चे खूब पढ़ें, आगे बढ़ें, बेहतर शिक्षा देना राज्य सरकार की पहली प्राथमिकता : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

52 लाख से अधिक विद्यार्थियों को सिंगल क्लिक से जारी की 303 करोड़ की राशि

देव दीपावली से पहले मनी विद्यार्थियों की दीवाली

राज्य सरकार हर समय विद्यार्थियों के साथ है

प्रदेश में हो रहे हैं 369 सांदीपनि विद्यालय, 55 पीएम एक्सीलेंस कॉलेज तैयार

विद्यार्थियों को डॉक्टर, इंजीनियर के अलावा उद्यमी बनने और सार्वजनिक जीवन में सक्रिय होने के लिए किया प्रेरित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बच्चों को बेहतर शिक्षा देना राज्य सरकार की पहली प्राथमिकता है। बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए सरकार के पास संसाधनों की कोई कमी नहीं है। मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त करने के लिए पहले मां सरस्वती को प्रसन्न करना पड़ता है, अर्थात विद्यार्थियों के लिए मन लगाकर पढ़ाई में मेहनत करना जरूरी है। बच्चे खूब पढ़ें, आगे बढ़ें, इसके लिए सरकार हर समय विद्यार्थियों के साथ खड़ी है। राज्य सरकार सभी विद्यार्थियों को त्वरित रूप से सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। सुखद परिणाम है कि प्रदेश में सामान्यतः छात्रवृत्ति अप्रैल के महीने में सत्र खत्म होने पर मिलती थी, वह अब अक्टूबर माह में ही विद्यार्थियों के खातों में जारी की जा रही है। पात्र विद्यार्थियों को स्कूटी, लैपटॉप, ड्रेस और साइकिल आदि भी समय पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। प्रदेश के 52 लाख से अधिक विद्यार्थियों के बैंक खातों में समेकित छात्रवृत्ति योजना की 300 करोड़ रुपए से अधिक की राशि सिंगल क्लिक से जारी की जा रही है। आज देव दीपावली से पहले विद्यार्थियों की दीपावली मन रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव समेकित छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत राशि अंतरण के लिए मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सिंगल क्लिक से विद्यार्थियों के खातों में राशि जारी की। इस अवसर पर जनजातीय कार्य मंत्री कुंवर विजय शाह, स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव तथा मंत्रीगण का पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया गया। राज्य स्तरीय कार्यक्रम से प्रदेश के सभी जिले वर्चुअली जुड़े।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में शिक्षा व्यवस्था में नई पहल की जा रही है। प्रदेश में सांदीपनि विद्यालयों की स्थापना की जा रही है। देश में सबसे अच्छे शासकीय विद्यालय मध्यप्रदेश में बने हैं। गत माह ही राज्य सरकार द्वारा शिक्षा का अधिकार के अंतर्गत निजी स्कूलों में पढ़ने वाले 8 लाख 50 हजार विद्यार्थियों की फीस की प्रतिपूर्ति की गई। प्रदेश के निजी विद्यालयों में 20 प्रतिशत सीटों पर जरूरतमंद परिवार के विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाता है। प्रदेश में 369 सांदीपनि विद्यालय, 55 पीएम एक्सीलेंस कॉलेज तैयार हो रहे हैं। स्कूल शिक्षा विभाग ने कक्षा 6 और 9वीं के 4 किमी दूर रहने वाले 1 करोड़ विद्यार्थियों को निःशुल्क साइकिलें वितरित की हैं। बोर्ड परीक्षा में 75 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले 5 लाख विद्यार्थियों को लैपटॉप दिए गए हैं। विद्यार्थियों को नीट, क्लेट, जेईई सहित सभी प्रकार की कोचिंग भी निःशुल्क प्रदान करने के लिए योजना बनाई गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों को डॉक्टर, इंजीनियर, वकील बनने के साथ उद्यमी बन लोगों को रोजगार देने वाला बनने के लिए भी प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में सक्रिय भागीदारी के लिए विद्यार्थियों को सार्वजनिक जीवन में सक्रिय होना चाहिए।जनजातीय कार्य मंत्री कुंवर विजय शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश के बच्चों को शिक्षा के नए आयाम दिए जा रहे हैं। प्रदेश के जनजातीय क्षेत्रों में गुणवत्ता शिक्षा के लिए सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि राज्य सरकार शालेय शिक्षा की बेहतरी के लिए निरंतर कार्य कर रही है। विद्यार्थियों की उपस्थिति की ट्रेकिंग के साथ शैक्षणिक स्टॉफ की उपस्थिति और उनके द्वारा संचालित गतिविधियों की भी ट्रेकिंग की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव स्कूली विद्यार्थियों से संवाद और उन्हें प्रेरित करने का कोई अवसर नहीं खोते हैं। प्रदेश में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। राज्य सरकार प्रतिभाओं को निखारने और संवारने का हरसंभव प्रयास कर रही है। कार्यक्रम में सचिव स्कूल शिक्षा श्री संजय गोयल, आयुक्त लोक शिक्षण श्रीमती शिल्पा गुप्ता सहित बड़ी संख्या में प्रदेशभर से आए स्कूली विद्यार्थी उपस्थित थे।उल्लेखनीय है कि समेकित छात्रवृत्ति योजना में प्रदेश के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के कक्षा-1 से 12 तक अध्ययनरत पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति की राशि एजुकेशन पोर्टल 3.0 के माध्यम से स्वीकृत की गई है। योजना के तहत 6 विभागों स्कूल शिक्षा, अनुसूचित जाति कल्याण, जनजातीय कल्याण, विमुक्त, घुमक्कड़ और अर्द्ध घुमक्कड़, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण और सामाजिक न्याय विभाग की 20 प्रकार की छात्रवृतियों की राशि प्रदान की जाती है। योजना के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी स्कूल शिक्षा विभाग को सौंपी गई है। अंतरित हुई राशि में सामान्य निर्धन वर्ग छात्रवृत्ति, सुदामा प्री-मेट्रिक, स्वामी विवेकानन्द पोस्ट मेट्रिक, सेवानिवृत्त शासकीय कर्मचारियों के बच्चों की छात्रवृत्ति, पितृहीन कन्याओं की छात्रवृत्ति, इकलोती बेटी की शिक्षा विकास छात्रवृत्ति की राशि शामिल है।

सिरप से 5 माह की बच्ची की मौत का आरोप

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा के बिछुआ क्षेत्र में गुरुवार सुबह 5 माह की मासूम की मौत का मामला सामने आया है। परिजनों का आरोप है कि मेडिकल स्टोर से दी गई दवा के सेवन के बाद बच्ची की तबीयत बिगड़ी और उसकी मौत हो गई। मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने मेडिकल स्टोर को सील कर दिया है।

छिंदवाड़ा में मेडिकल स्टोर सील; परिजनों बोले- दवा देने पर बच्ची की तबीयत बिगड़ी

जानकारी के अनुसार, ग्राम बिछुआ निवासी संदीप मिनोटे की 5 माह की बेटी रूही मिनोटे की तबीयत गुरुवार तड़के अचानक बिगड़ गई। परिजन उसे सुबह करीब 4:30 बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिछुआ लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों का कहना है कि बच्ची को सर्दी और खांसी थी, जिसके इलाज के लिए उन्होंने 27 अक्टूबर को कुरेठे मेडिकल स्टोर बिछुआ से दवाई ली थी। स्टोर संचालक ने एक ह्यकासामृत कफ सिरपह्न सहित 16 पुड़िया दी थीं। यह दवा खिलाने के बाद ही बच्ची की तबीयत बिगड़ने लगी और उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। संदिग्ध दवाइयों को जब्त कर पंचनामा तैयार किया गया। इसके बाद प्रशासन ने इस पूरे प्रकरण को संज्ञान में लेते हुए कुरेठे मेडिकल स्टोर को सील कर दिया। हाल ही में प्रशासन द्वारा निर्देश जारी किए गए थे कि छोटे बच्चों को कफ सिरप न दिया जाए, लेकिन इसके बावजूद मेडिकल स्टोर संचालक द्वारा कफ सिरप दिए जाने पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।परिजनों ने मामले में बिछुआ थाने में शिकायत दर्ज कराई है। फिलहाल प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की टीम जांच में जुटी हुई है, वहीं बालिका की मौत के बाद परिजनों में गहरा रोष है।

फोन पर विवाद के बाद युवक पर जानलेवा हमला

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा में बुधवार रात एक युवक पर कुछ लोगों ने बीच सड़क पर रोककर जानलेवा हमला कर दिया। घटना में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से उसे तत्काल छिंदवाड़ा लाया गया, जहां उसकी हालत फिलहाल नाजुक बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, पटनिया के पवन मुन्हेरे का किसी बात को लेकर फोन पर विवाद हुआ था। उसी विवाद के बाद कुछ युवकों ने उसे ग्राम सिंगोड़ी के पास रोककर धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में युवक के पेट में गहरा जख्म हुआ और उसकी आंतें बाहर निकल आईं। गंभीर अवस्था में पवन को छिंदवाड़ा के क्लेरिस अस्पताल लाया गया। यहां उसका इलाज डॉक्टर मनन गोगिया की देखरेख में किया जा रहा है। डॉक्टर के मुताबिक युवक की हालत गंभीर है। जिस हथियार से वार किया गया, उससे पेट के अंदर कितना नुकसान हुआ है, यह जांच के बाद ही पता चलेगा। आंतें बाहर निकल आई थीं, जिन्हें ऑपरेशन कर अंदर किया गया है। फिलहाल मरीज को आईसीयू में भर्ती किया गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार करने की बात कही है।

बैतूल में ठरवकने तोड़े बैरिकेड, कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन

:छात्र संघ चुनाव बहाली और मेडिकल कॉलेज घोटाले की जांच की मांग

बैतूल। बैतूल में एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने छात्र संघ चुनाव बहाली, छात्रवृत्ति घोटाले की जांच और बैतूल मेडिकल कॉलेज को पीपीपी मोड से हटाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। प्रदेशाध्यक्ष आशुतोष चौकसे के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने कलेक्ट्रेट पहुंचने का प्रयास किया, जहां पुलिस ने उन्हें रोका। शहीद भवन में एक सभा के बाद, कार्यकर्ता रैली निकालकर कलेक्ट्रेट की ओर बढ़ रहे थे। पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए बैरिकेड लगाए और वाटर कैनन का इस्तेमाल किया, लेकिन प्रदर्शनकारी बैरिकेड तोड़कर कलेक्ट्रेट गेट तक पहुंच गए। उन्होंने कलेक्टर को ज्ञापन लेने के लिए बाहर बुलाने की मांग की। इसके बाद पुलिस ने एनएसयूआई प्रदेशाध्यक्ष सहित लगभग तीन दर्जन कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया। उन्हें वाहन में बैठाकर ऑडिटोरियम ले जाया गया और बाद में छोड़ दिया गया।

प्रदेशाध्यक्ष बोले- छात्रसंघ चुनाव से डर रही सरकार : प्रदेशाध्यक्ष आशुतोष चौकसे ने कहा कि की छात्रों की मांग को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन देने आए थे। सरकार लगातार छात्र संघ चुनाव कराने से डर रही है। 18 साल सीएम रहे शिवराज सिंह, वर्तमान मुख्यमंत्री मोहन यादव छात्र राजनीति का प्रोडक्ट है। उसके बाद भी भाजपा छात्र संघ चुनाव कराने से डरती है। भाजपा को डर है कि कांग्रेस का छात्र संगठन उसे छात्र संघ चुनाव में पटखनी दे देगा। या शायद यह डर है कि कोई छात्र नेता इस राजनीति से निकलकर आ जाएगा तो उनके बच्चों का भविष्य खतरे में आ जायेगा।

प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था पर सवाल : एनएसयूआई नेताओं ने आरोप लगाया कि प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था अस्त-व्यस्त है और सरकार छात्रों की आवाज दबा रही है। उन्होंने बैतूल मेडिकल कॉलेज को पीपीपी मोड में देने को जनता और विद्यार्थियों के साथ धोखा बताया।

रायसेन में पति-पत्नी के विवाद में चली गोली

रायसेन। रायसेन जिले के सिलवानी में बुधवार देर रात पति-पत्नी के बीच हुए विवाद में पति ने अपनी पत्नी पर देसी कट्टे से फायर कर दिया। गोली पत्नी के बाएं हाथ में लगी, जिसके बाद उसे गंभीर हालत में सिविल अस्पताल सिलवानी से भोपाल एम्स रेफर किया गया है। डॉक्टरों के मुताबिक, महिला की हालत खतरे से बाहर है। सिलवानी पुलिस ने आरोपी पति राजेश राजपूत को गिरफ्तार कर लिया है और देसी कट्टा भी बरामद कर लिया है। जानकारी के अनुसार, सिलवानी के वार्ड 2 निवासी राजेश राजपूत (38) का बुधवार देर रात करीब 1 बजे अपनी पत्नी सुमन राजपूत से आपसी विवाद हो गया।

रायसेन में आंवला नवमी पर वृक्ष पूजा

सूत का धागा लपेटकर वृक्ष की परिक्रमा की

रायसेन। रायसेन में गुरुवार को आंवला नवमी के अवसर पर महिलाओं ने आंवले के वृक्ष की पूजा विधि-विधान से की। वृद्ध आश्रम पार्क, मिश्र तालाब किनारे, गंज बाजार हनुमान मंदिर परिसर, दशहरा मैदान और अर्जुन नगर माता मंदिर सहित कई जगहों पर महिलाओं ने श्रद्धा के साथ पूजन-अर्चन किया।

भोग लगाकर की वृक्ष की परिक्रमा : महिलाओं ने आंवले के पेड़ पर पकवान, ऋतु फल और मिठाई का भोग लगाया। इसके बाद सूत का धागा लपेटकर वृक्ष की परिक्रमा की और परिवार की सुख-शांति और समृद्धि के लिए भगवान सत्यनारायण से प्रार्थना की। इस दौरान महिलाओं ने एक-दूसरे को सुहाग सामग्री भी भेंट की।

पंडितों ने बताया आंवला पूजन का महत्व : पंडित दुर्गा प्रसाद शर्मा ने बताया कि कार्तिक माह की नवमी को आंवले के पेड़ की पूजा करने का विशेष महत्व है। पौराणिक मान्यता के अनुसार, इस दिन भगवान विष्णु का भी पूजन किया जाता है। जो महिलाएं इस दिन आंवले के वृक्ष की पूजा कर भोग लगाती हैं, उनके जीवन में सुख-समृद्धि आती है और अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। पूजा कर रही दीक्षा प्रजापति, किरण सोनी, बबीता साहू और शिखा राठौर ने बताया कि आंवला नवमी पर किए गए सभी शुभ कार्यों का फल कभी समाप्त नहीं होता। कहा जाता है कि इसी दिन द्वापर युग की शुरूआत हुई थी और भगवान श्रीकृष्ण ने गोकुल छोड़कर मथुरा की ओर प्रस्थान किया था।

केंद्रीय कृषि मंत्री बोले- आंखों में शिवराज सिंह चौहान खटकता

जनजातीय पंचायत में कहा- मानसिक विकृत लोगों को जनता नहीं दिखती, सरकार हमने बनाई

भोपाल। देवास-सीहोर के खिवनी अभयारण्य क्षेत्र में बारिश के दौरान आदिवासियों के घर तोड़े जाने के बाद से राजनीति गर्म है। अब दिवाली से ठीक पहले, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के गृह क्षेत्र बुधनी के भैरूंदा में आदिवासियों को नोटिस दिए जाने पर पूर्व सीएम शिवराज ने प्रशासन पर नाराजगी जताई है। 29 अक्टूबर को भैरूंदा में जनजातीय पंचायत के दौरान दिए गए उनके भाषण के वीडियो भी सामने आए हैं।

आंखों में शिवराज खटकता है : शिवराज वीडियो में कह रहे हैं...ऐसे लोग जो मानसिक रूप से विकृत हैं इतनी जनता उनको दिखाई नहीं देती। उनकी आंखों में तो शिवराज सिंह चौहान खटकता है। जिनका राज यहां पर है उनको कह रहे हैं कि यह कहां से आ गए और उनको नोटिस दिए जा रहे हैं। यह जो कर रहे हैं वो विकृत मानसिकता के लोग हैं, यह पागलपन की बात है और इसे भारतीय जनता पार्टी की सरकार किसी भी कीमत पर सहन नहीं करेगी।

दिवाली के पहले आदिवासियों को नोटिस दिए : शिवराज ने कहा- तैयारी दिवाली के पर्व को मनाने की थी, लेकिन ठीक दिवाली के दिन गरीब भाइयों और बहनों को नोटिस हाथ में थमा दिए गए। जमीन उनकी जिंदगी है। जमीन जिस पर वर्षों से कब्जा है, वो उनकी रोजी-रोटी का साधन है। जमीन जो उनके बुढ़ापे का सहारा है, जमीन जो उनके बच्चों का आसरा है।

सालों से जहां खेती कर रहे, उस पर नोटिस : शिवराज ने कहा- एक छोटी जमीन का टुकड़ा, जिसमें वर्षों से खेती कर रहे हैं। दिन-रात मेहनत करते हैं, पत्थर खोदकर जैसे-तैसे एक खेत बनाया, और वो खेत पर बोवनी नहीं करने के नोटिस दे दिए। बोवनी नहीं करेंगे तो जिएंगे कैसे? खाएंगे क्या? ये तो बताए कोई? एक सनक सवार हुई, नोटिस दे दिया। मैं मंत्री, नेता के रूप में नहीं, आपके साथी के रूप में आया हूं।

नोटिस देने वाले अफसरों पर बरसे : शिवराज ने अफसरों को चेतावनी देते हुए कहा- जिन्होंने यह नोटिस दिया उनको मैं कुछ कहना चाहता हूं भारतीय जनता पार्टी की सरकार दिल्ली में है, भारतीय जनता पार्टी की सरकार भोपाल में है। मोदी जी भारत के लिए भगवान का वरदान हैं, हमारे प्रधानमंत्री और डॉक्टर मोहन यादव हमारे मुख्यमंत्री हैं।

ये सरकार हम लेकर आए, अन्याय नहीं होगा : शिवराज ने कहा- भारतीय जनता पार्टी की

सरकार है इसलिए क्योंकि वो जनता की सेवा कर सके, गरीब कल्याण हमारा संकल्प है और ऐसी हालत में जब हमारी सरकारें हैं यह अन्याय नहीं हो सकता ना हम यह अन्याय सहन कर सकते, सरकार तो हमारी है हमने बनाई है, सबने बनाई है। एक तरफ से एक साथ मिलके हम सब यह सरकार लेकर आए हैं भारतीय जनता पार्टी की, हमारी सरकार, हमारे मुख्यमंत्री, हमारे नेता, अन्याय कैसे हो जाएगा और इसलिए मैं आपके बीच आया हूं, मुख्यमंत्री जी से मैंने चर्चा की है और मुख्यमंत्री जी ने आश्वस्त किया है कि अन्याय नहीं होगा।

शिवराज ने पंचायत में किसानों से की बात : शिवराज सिंह चौहान ने जनजातीय पंचायत में पहुंचे किसान बंशीलाल से बातचीत करते हुए कहा- ह्यये बंशीलाल पिछले 60 साल से इस जमीन पर खेती कर रहे हैं, ऐसे लोगों को हटाया जाना क्या उचित है? जिन पुरानी जमीनों पर लोगों की पूरी जिंदगी बीत गई, उन पर अब नोटिस दिए जा रहे हैं- वो भी दिवाली के दिन! कम से कम लोगों को दिवाली के दिए तो जलाने देते। धनतेरस के दिन जमीन छीनने के नोटिस जारी किए गए। जिन्होंने ये नोटिस दिए, अगर उनके साथ ऐसा हो कि उनकी रोजी-रोटी छिन जाए, तो उन्हें कैसा लगेगा? उनके बच्चों और परिवार को कैसी पीड़ा होगी? उन्होंने आगे कहा- ह्यउस दिन माताएं-बहनें रो रही थीं। ये जमीन उनके बाप-दादाओं के समय से चली आ रही है। अब इस जमीन को छीनने की बात करना घोर अन्याय है, और ये अन्याय कभी नहीं होने दिया जाएगा।

शिवराज बोले- पुराना कब्जा नहीं छोड़ेंगे : हम यहां अपने हक और अधिकार के लिए इकट्ठा हुए हैं। यह हमारा अधिकार है, और हम मुख्यमंत्री जी से मिलकर अपनी बात साफ-साफ बताएंगे। एक बात पक्की है - नया कब्जा नहीं होने देंगे, लेकिन पुराने कब्जे को कोई नहीं छीन सकता। हम ईमानदार लोग हैं, मेहनत से पेट पालते हैं, और पुराने कब्जों पर ही खेती करते हैं। हमारा स्पष्ट संकल्प है- जो जमीन सालों से हमारे पास है, वही हमारी रोजी-रोटी का साधन है। नए कब्जों को रोको, लेकिन पुराने किसानों को परेशान मत करो।इस पंचायत का यही फैसला है- हम अपना पुराना कब्जा नहीं छोड़ेंगे, वहीं बोनी करेंगे।

शिवराज की नाराजगी की एक वजह ये भी दरअसल, सिस्टम परिवर्तन अभियान के अध्यक्ष और पूर्व आईएफएस अधिकारी आजाद सिंह डबास ने 4 जुलाई 2025 को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को एक शिकायत भेजी थी। इसकी प्रतिलिपि मुख्य सचिव अनुराग जैन, एसीएस अशोक वर्णवाल और उस समय के पीसीसीएफ असीम श्रीवास्तव को भी भेजी गई थी।

शिकायत में कहा गया था कि 23 जून को खिवनी अभयारण्य में अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के बाद शिवराज सिंह चौहान आदिवासियों को साथ लेकर मुख्यमंत्री निवास पहुंचे थे। इसके बाद सीएम ने सीहोर के डीएफओ मगन सिंह डाबर का तबादला कर दिया, जिसके बाद से खिवनी अभयारण्य से जुड़ा पूरा काम ठप पड़ा है।

पीसीसीएफ ने 15 दिन में मांगी जांच रिपोर्ट

पीसीसीएफ कार्यालय ने 18 जुलाई 2025 को सीसीएफ कार्यालय को पत्र भेजकर मामले की जांच कर 15 दिन में रिपोर्ट देने के निर्देश दिए। इसके बाद सीसीएफ कार्यालय ने 24 जुलाई को सीहोर डीएफओ को पत्र भेजकर जांच रिपोर्ट मांगी। डीएफओ ने जांच की जिम्मेदारी उप वन मंडल अधिकारी (एसडीएफओ) बुधनी सुकृति ओसवाल को सौंपी।

खबर के बाद जागा प्रशासन हुई कार्रवाई

रिलीव कर वनकर्मियों दिए पदस्थापना के निर्देश

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। बीते दिनों सरकार द्वारा लंबे समय से पदस्थ वनकर्मियों को स्थानांतरण माह जून में किया गया था लेकिन वन परिक्षेत्र अधिकारियों द्वारा वनकर्मियों को भारमुक्त नही किया गया था तथा स्थानांतरण आदेश को धता दिखाया जा रहा था जिसे लेकर रेवांचल टाइम्स समाचार पत्र द्वारा गंभीरता के साथ समाचार प्रकाशित किया गया था जिस पर कार्रवाई करते हुए संबंधित वन परिक्षेत्र अधिकारियों द्वारा अधिनस्थ कर्मचारियों को भारमुक्त कर नवीन पदस्थाना पर कार्यपालन हेतु आदेशित किया गया। प्रशासन को चाहिए कि चार माह तक आदेश का पालन ना करने वाले अधिकारी व कर्मचारियों की जांच कर ठोस कार्रवाई की जावे।

इस प्रकार है मामला : सरकार द्वारा प्रशासनिक सुविधाओं की दृष्टि से जून माह वन विभाग के कर्मचारियों का प्रशासनिक दृष्टि से स्थानांतरण किए गए थे लेकिन जिले के कुछ वन परिक्षेत्र अधिकारियों के चहेते वन कर्मियों को स्थानांतरण होने के उपरांत भी नवीन पद स्थिति पर प्रभार लेने के लिए भारमुक्त नही किया गया था। जबकि शासन की स्थानांतरण नीति के अनुसार स्थानांतरित कर्मचारी का वेतन नवीन पद पदस्थापना वाले स्थान से भुगतान किया जाना था। लेकिन नवीन पदस्थापना नही लेने वाले कर्मचारियों को वेतन पुरानी पदस्थापना से दिया जा रहा था। जो नियमों के विपरीत तथा वन परिक्षेत्र अधिकारी द्वारा की जाने वाली अनियमितता है। मुख्यतः नरसिंहपुर - गोटेगांव - बरमान वन परिक्षेत्र में भी ऐसे कुछ कर्मचारी है जो रेंजर के चहेते है और उनके हित के लिए रेंजरों द्वारा वित्तीय अनियमितता की जा रही थी।

वित्तीय अनियमित्ता की हो जांच : स्थानांतरण आदेश के अनुसार जिन वनकर्मियों का स्थानांतरण किया गया था उन्हे सात दिन के भीतर नवीन पदस्थापना पर पदग्रहण करना होता है। आदेश के एक सप्ताह बाद संबंधित कर्मचारी की वेतन नीवन पदस्थापना के आधार पर बनाई जाती है। लेकिन उक्त मामले मे वन परिक्षेत्र अधिकारियों द्वारा चहेते कर्मचारियों को भारमुक्त ना करते हुए उनकी वेतन पुरानी पदस्थापना से निकाली गई जो कि नियमों के पूरी तरह विपरीत है प्रशासन को चाहिए कि संबंधित वन परिक्षेत्र अधिकारियों की जांच कर उचित कार्रवाई की जावे जिससे इस प्रकार वित्तीय अनियमित्ता आगे ना हो सके।

डीएफओ के आदेश का नही हुआ पालन- उक्त संबंध को लेकर वन मंडल अधिकारी द्वारा उचित कार्रवाई के लिए संबंधित वन परिक्षेत्र अधिकारियों को पत्र के माध्यम से आदेशित किया गया था की स्थानांतरित कर्मियों को भारमुक्त किया जाए लेकिन वन परिक्षेत्र अधिकारियों द्वारा संबंधित कर्मचारियो को भारमुक्त नही किया गया और वित्तीय अनियमित्ता जारी की गई। संबंधित वन परिक्षेत्र अधिकारियों द्वारा वन मंडल अधिकारी के आदेश को भी नजर अंदाज किया गया ऐसा कहा जा रहा है कि वन परिक्षेत्र अधिकारियों को वन मंडल अधिकारी के आदेश का कोई प्रभाव नही हुआ। प्रशासन को चाहिए कि ऐसे वन परिक्षेत्र अधिकारियों की जांच कर ठोस कार्रवाई की जाए।

स्थानांतरण आदेश का पालन नहीं कर रहा वन विभाग

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। सरकार द्वारा प्रशासनिक सुविधाओं की दृष्टि से जून माह वन विभाग के कर्मचारियों का प्रशासनिक दृष्टि से स्थानांतरण किए गए थे लेकिन जिले के कुछ वन परिक्षेत्र अधिकारियों के चहेते वन कर्मियों को स्थानांतरण होने के उपरांत भी नवीन पद स्थिति पर प्रभार लेने के लिए भारमुक्त नही किया गया। जबकि शासन की स्थानांतरण नीति के अनुसार स्थानांतरित कर्मचारी का वेतन नवीन पद पदस्थापना वाले स्थान से भुगतान किया जाना है। लेकिन नवीन पदस्थापना नही लेने वाले कर्मचारियों को वेतन पुरानी पदस्थापना से दिया जा रहा है जो नियमों के विपरीत तथा वन परिक्षेत्र अधिकारी द्वारा की जाने वाली अनियमितता है। मुख्यतः नरसिंहपुर - गोटेगांव - बरमान वन परिक्षेत्र में भी ऐसे कुछ कर्मचारी है जो रेंजर के चहेते है और उनके हित के लिए रेंजरों द्वारा वित्तीय अनियमितता की जा रही है।

मातृशक्ति का सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम सम्पन्न

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के मार्गदर्शन तथा सरस्वती शिक्षा परिषद महाकोशल प्रांत जबलपुर की कार्ययोजनानुसार सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम का आयोजन सरस्वती शिशु उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नरसिंहपुर में किया गया। कार्यक्रम अध्यक्ष श्रीमती संध्या कोठारी पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाज सेवी मुख्य अतिथि श्रीमती यमुना विश्वकर्मा गीता परिवार व्यवस्थापक व शिक्षिका विशिष्ट अतिथि श्रीमती ज्योति तिवारी, अध्यक्ष लीनस क्लब मुख्य वक्ता श्रीमती भारती कौरव भारत विकास परिषद रीजनल सहभागिता प्रमुख एड. श्रीमती जया शर्मा सक्रिय समाज सेविका श्रीमती स्नेहलता श्रीवास्तव जिला संयोजिका राष्ट्र सेविका समिति श्रीमती नमिता कौरव सह संयोजिका एवं मातृशक्ति की उपस्थिति में किया गया। अतिथियों का स्वागत विद्यालय की दीदीयों ने तिलक वदंन, पुष्पमाला तथा तुलसी का पौधा भेंट कर किया गया। मंच संचालन श्रीमती सोमजया मिश्रा द्वारा किया गया। मुख्य वक्ता श्रीमती मिश्रा ने कुटुम्ब प्रबोधन तथा श्रीमती शर्मा ने भारत के विकास में महिलाओं की भूमिका विषय पर प्रबोधन देते हुये नारी शक्ति द्वारा परिवर्तन व भूमिका का समाज जीवन में महत्व बताया। माता जीजा बाई, शिवाजी महाराज, दुर्गावती के वेश में सज्जित छात्राओं द्वारा उनके कथनों के माध्यम से देश भक्ति का संदेश दिया। मुख्य अतिथि श्रीमती विश्वकर्मा, कार्यक्रम अध्यक्ष श्रीमती कोठारी अपने उद्धबोधन के माध्यम से नारी गुणो के गौरव की गाथाओं व समाज निर्माण में उनकी अहम भूमिका को रेखांकित किया। कार्यक्रम के अन्त में संस्था प्राचार्य आनंद मोहन कुर्मी ने मातृशक्ति के आयोजन के लिये माताओं की भावात्मक उपस्थिति व सफलता के लिये आभार ज्ञापित किया। राष्ट्र सेविका जिला संयोजिका एवं सह संयोजिका द्वारा राष्ट्र समाज सेवा के संकल्प की शपथ दिलाई गयी। उक्त कार्यक्रम में पूर्व छात्र, पूर्व आचार्या, अभिभावक मातृशक्ति प्राचार्य प्रधानाचार्य स्थानीय आचार्य की उपस्थिति रही।

जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन 11 को

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी नरसिंहपुर श्रीमती सुनीता यादव ने बताया कि खेल और युवा कल्याण विभाग मध्यप्रदेश द्वारा भारत सरकार के निदेर्शानुसार 29वां राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2026 का आयोजन 10 से 12 जनवरी 2026 तक नई दिल्ली स्थित भारतमण्डपम में किया जाएगा। यह आयोजन स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय युवा सप्ताह के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन नरसिंहपुर में 11 नवंबर 2025 को शासकीय पीजी कालेज नरसिंहपुर के ऑडिटोरियम में प्रातः 10 बजे से किया जाएगा। जिला स्तरीय युवा उत्सव के आयोजन में भाग लेने वाले प्रतिभागियोंध दलो से 31 अक्टूबर 2025 तक आवेदन ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन आंमत्रित किये जा रहे है। आयोजन के संबंध में कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई। उन्होंने इस संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। इस महोत्सव का उद्देश्य युवाओं को एक मंच प्रदान करना है, जहां वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें तथा सांस्कृतिक विविधता को समझने और सराहने का अवसर प्राप्त करें। कार्यक्रम में भाषण, कहानी व कविता लेखन, पेंटिंग, समूह लोकगीत व लोकनृत्य प्रतियोगिताएं एवं विज्ञान मेला प्रदर्शनी लगाई जाएगी। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों की आयु 15 से 29 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। प्रत्येक प्रतिभागी केवल एक विधा में भाग ले सकता है। प्रतिभागी अपना ऑनलाइन पंजीयन पोर्टल पर अथवा आफलाइन भी कर सकते हैं। विज्ञान प्रदर्शनी केवल राज्य स्तर तक सीमित रहेगी। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी नरसिंहपुर के कार्यालय में संपर्क कर प्राप्त करे सकते हैं।

स्क्रब टायफस संक्रमण की रोकथाम व बचाव हेतु दिशा निर्देश जारी

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष मिश्रा ने स्क्रब टायफस बीमारी के संक्रमण, रोकथाम व बचाव के संबंध में आवश्यक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्क्रब टायफस बीमारी नामक जीवाणु से होती है। यह जीवाणु रोडन्ट-चूहों के ऊपर रहने वाले घून के संक्रमित लार्वा में पाया जाता है। डपजम के संक्रमित बिपहहमत लार्वा के काटने के उपरांत मनुष्य में स्क्रब टायफस बीमारी के प्रमुख लक्षणों में बुखार, सिरदर्द, जोडोध एवं मांसपेशियों में दर्द, प्रकाश से असहनीयता (फोटोफोबिया), सुखी खांसी एक सप्ताह उपरांत शरीर (पेट, हाथ, पैर आदि) पर दाने (बिना पानी वाले दानेध डंबवचंचनसंत तै), कुछ प्रकरणों में निमोनिया, मस्तिष्क ज्वर एवं हृदय

सम्बंधी बीमारी प्रकट होती है। शरीर के जिस स्थानो पर लार्वा काटता है, उस स्थानों पर दाना उठता है, जो बाद में जख्म बनकर सूखने पर काला धब्बे के समान दिखने लगता है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि संक्रमित घून (माईट) से बचाव हेतु अनिवार्यतः चिकित्सक सलाह के अनुसार ही शरीर पर लगाने वाले कीम-रिपलेंट, का उपयोग कर सकते है। नागरिक पूरे शरीर को ढकने वाले कपड़े पहन कर ही खेत, जंगल, झाड़ियों में जाएं। घास-फूस एवं झाड़ियों में नहीं बैठे और ना ही सोयें। घर के आस-पास घास-फूंस, झाडियों, कचरे की सफाई रखें। घर का अनाज सुरक्षित तरीके से रखें, जहाँ अनाज चूहों से सुरक्षित रह सके। शरीर को साबून से धोयें एवं मोटे कपड़े से रगड़कर सॉफ करे। शरीर पर अगरबत्ती, पतली लकड़ी, बीडी, सिगरेट से जले जैसे दिखने वाले चिन्ह (दाने), सिर दर्द, शरीर दर्द, जोड़ो एवं मांस पेशियों में दर्द, तेज बुखार एवं उल्टी-दस्त के लक्षण होने पर तत्काल नजदीक स्वास्थ्य केन्द्र में जाकर चिकित्सक से सलाह लें और अपना उपचार कराएं। जूनोटिक बीमारी स्कब टायफस रोडन्ट- चूहों के द्वारा फैलती है। इसके लिए नागरिकों में बीमारी की रोकथाम एवं उपचार हेतु ग्राम स्तरीय कार्यकताओं, कर्मचारियों व अधिकारीयों द्वारा स्वास्थ्य शिक्षा दी जावे।

डिप्टी कलेक्टर को उप जिला निर्वाचन अधिकारी का प्रभार

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने अस्थायी तौर पर आगामी आदेश तक डिप्टी कलेक्टर नरसिंहपुर श्रीमती देवंती परते को अपने कार्य के साथ- साथ उप जिला निर्वाचन अधिकारी सामान्य निर्वाचन का प्रभार सौंपने का आदेश जारी किया है। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन विभाग के द्वारा जारी आदेश के अनुसार अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी सामान्य निर्वाचन नरसिंहपुर श्रीमती अंजली शाह का स्थानांतरण सिवनी जिले में हो जाने के कारण डिप्टी कलेक्टर श्रीमती परते को यह प्रभार सौंपा गया है।

सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर होंगे विविध कार्यक्रम

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। राज्य शासन के गृह विभाग के निदेर्शानुसार 31 अक्टूबर 2025 को लौहपुरूष सरदार वल्लभभाई पटेल के 150 वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में पुलिस स्टेशन स्तर से जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर विविध गतिविधियां कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। डिप्टी कलेक्टर नरसिंहपुर ने सभी विभाग प्रमुखों से कहा है कि वे राज्य शासन द्वारा दिए गए निदेर्शों का पालन करें

नसबंदी शिविर की तिथि निर्धारित

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी नरसिंहपुर डॉ. मनीष कुमार मिश्रा ने बताया कि जिले में परिवार कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत नसबंदी शिविरों का आयोजन किया जाएगा। जिसके तहत 14 व 28 नवंबर को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सालीचैका, 7 व 21 नवंबर को पीएचसी चीचली, 16 नवंबर को पीएचसी शाहपुर, 6, 9 व 20 नवंबर को सिविल अस्पताल गाडरवारा, 13 व 27 नवंबर को सीएचसी सांईखेड़ा, 8 व 29 नवंबर को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तेंदूखेड़ा, 22 नवंबर को सिविल अस्पताल गाडरवारा, 1 नवंबर को सीएचसी रौंसरा, 23 नवंबर को सिविल अस्पताल करेली और 1, 8, 22 व 29 नवंबर को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गोटेगांव में नसबंदी के लिए शिविर लगाए जाएंगे।

कृषि उपज मंडियों में भावांतर योजना प्रारंभ

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास नरसिंहपुर ने बताया कि कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के मार्गदर्शन में जिले की सभी कृषि उपज मंडी और उपमंडियों में भावांतर योजना प्रभावशील व सुचारू रूप से प्रारंभ हो चुकी है। जिले में भावांतर योजना के तहत कुल 13 हजार 653 किसानों के द्वारा पंजीयन कराया गया है। जिले की सभी मंडियों में 698 किसानों से 8 हजार 893 मात्रा क्विंटल सोयाबीन भावांतर योजना के अंतर्गत विक्रय किया गया है। उन्होंने बताया कि जिले में कृषकों के लिए भावांतर योजना 24 अक्टूबर 2025 से 15 जनवरी 2026 तक प्रभावशील रहेगा। किसान उक्त अवधि में मंडियों में उपज विक्रय कर इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। पंजीकृत कृषक सोयाबीन विक्रय हेतु मंडी में आते समय पंजीयन की प्रति, आधार कार्ड तथा पंजीयन में दर्ज बैंक खाते की पासबुक की प्रति साथ लाएं। भावांतर योजना के तहत भुगतान केवल ऑनलाइन भुगतान से प्राप्त होगा। जिले के पंजीकृत किसान भाईयों से अपील है कि अधिक से अधिक भावांतर योजना का लाभ उठायें।

अधीक्षण अभियंता के निर्देश पर जांच दल ने किया ओचक निरीक्षण

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। गत दिवस अधीक्षण अभियंता नरसिंहपुर वृत अमित चैहान के सख्त निर्देश हैं कि रबी फसल ओर गन्ना क्रेशर टीसी जांच दल ने औचक निरीक्षण किया। जिसके तहत नरसिंहपुर व्रत अंतर्गत डांगीढाना विद्युत वितरण केन्द्र में बुधवार को अधीक्षण अभियंता ओर कार्यपालन अभियंता के निर्देश पर डांगीढाना वितरण केन्द्र के गोरखपुर मुख्यालय के अन्तर्गत रबी फसल की सिंचाई हेतु चल रहे पंप की जांच की गई जिसमें 5 उपभोक्ताओं पर पंचनामा बनाने की कार्यवाही की गई ओर 6 नंबर पंप टीसी मौके पर लगभग 48

हजार रुपए की राशि मौके पर जमा करवाई गई और 7 नंबर पंप मोटर स्टेटर डोरी जप्त की कार्यवाही की गई। उपभोक्ताओं से अपील की गई कि भविष्य में वेध टीसी कनेक्शन करवाकर ही विद्युत पंप का उपयोग करें और अप्रिय कार्यवाही से बचे आगामी रबी फसल की सिंचाई को देखते हुए लगातार जांच अभियान चलाया जाएगा और अटल ज्योति लाइन 24 घंटे निर्बाध सुचारू रूप से ओर कृषि पंप लाइन 10 घंटे देने के लिए ऊर्जा विभाग प्रतिबद्ध है।

भारत में 100 करोड़ का निवेश करेगी एमवे

नई दिल्ली। एफएमसीजी क्षेत्र की डायरेक्ट सेलिंग कंपनी एमवे अगले तीन से पांच साल में भारत में 100 करोड़ रुपए (1.2 करोड़ डॉलर) के निवेश की योजना बना रही है। एमवे के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी माइकल नेल्सन के इस सप्ताह भारत दौरे के बाद कंपनी ने बुधवार को इसकी घोषणा की। भारत अमेरिका और चीन के साथ एमवे के तीन वैश्विक विनिर्माण केंद्रों में शामिल है तथा कंपनी के भारतीय विनिर्माण को हाल ही में 10 साल पूरे हुए हैं। एमवे इंडिया की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि 100 करोड़ रुपये के निवेश का इस्तेमाल कंपनी के भौतिक विस्तार के अलावा, मौजूदा स्टोर्स को नया स्वरूप प्रदान करने, वितरक क्षमता बढ़ाने और ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए किया जायेगा। नेल्सन ने कहा, भारत एमवे के वैश्विक विजन के केंद्र में है। एमवे के लिए, भारत परिवर्तन के मुहाने पर है, और इस बदलाव को गति देने के लिए, हम महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए महत्वपूर्ण निवेश जारी रख रहे हैं। एमवे इंडिया के प्रबंध निदेशक रजनीश चोपड़ा ने कहा, जैसे-जैसे भारत विकसित भारत 2047 के अपने दृष्टिकोण की ओर अग्रसर है, हमें अपनी स्थानीय उपस्थिति को मजबूत करके और लोगों तथा नवाचार में निवेश करके इस परिवर्तनकारी यात्रा में योगदान देने पर गर्व है।

गोटेगांव में आज कलचुरी समाज का भव्य आयोजन, मातृशक्ति को मिलेगा सम्मान

दैनिक रेवांचल टाइम्स गोटेगांव। नगर में श्री सहस्त्रबाहु जयंती के उपलक्ष्य में कलचुरी समाज मातृ शक्ति का अभूतपूर्व एवं अनूठा आयोजन,अखिल भारतीय कलचुरी महिला सशक्तिकरण एवं सम्मान समारोह गोटेगांव के स्टेडियम आज आयोजित किया जा रहा है।उक्त कार्यक्रम में कलचुरी समाज के इष्ट देव भगवान सहस्त्रबाहू जी के अवतरण दिवस के उपलक्ष्य में दोपहर 12 बजे से सायं 5 बजे तक सुभाषचंद बोस स्टेडियम सभागार श्रीधाम गोटेगाँव जिला नरसिंहपुर में आयोजित किया जा रहा है। जिसमे श्रीमती अर्चना जायसवाल राष्ट्रीय संयोजक कलचुरी एकता महासंघ एवं श्रीमती मालती राय महापौर नगर निगम भोपाल के मुख्यातिथ्य श्रीमती सुमनलता पटैल डायरेक्टर मणि नागेंद्रसिंह फाउंडेशन स्कूल गोटेगाँव की अध्यक्षता में महिला सशक्तिकरण एवं सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया जा रहा है स्मरण हो कि मध्य प्रदेश के इतिहास में जिला नरसिंहपुर मे पहली बार कलचुरी समाज द्वारा भव्य आयोजन किया जा रहा है उक्त आयोजन कलचुरी समाज को एक नई ऊंचाइयां एवं नित नई ऊर्जा का संचार करेगा जो की आगे कलचुरी समाज को एक नई दिशा प्रदान करेगा।

कटंगी की नाबालिग माँ...सवालों में समाज की चुप्पी व्यवस्था की नाकामी और हमारी सामूहिक जिम्मेदारी

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। यह कहानी किसी फिल्म की नहीं, हमारे समाज की सच्चाई है .... एक ऐसे देश की, जो बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के नारों से गूंजता है। मगर, हकीकत में एक 15 वर्षीय लड़की अस्पताल के बिस्तर पर मां बन जाती है। दर्द सिर्फ प्रसव का नहीं था, बल्कि उस बचपन के खत्म हो जाने का था, जिसे किसी ने बचाने की कोशिश नहीं की। कटंगी थाना क्षेत्र का यह मामला केवल एक परिवार या गांव का नहीं है .... यह हमारी सामूहिक चुप्पी और प्रशासनिक ढिलाई का आईना है। अस्पताल प्रशासन को तब होश आया, जब प्रसव के बाद दस्तावेजों में दर्ज उम्र ने पूरी व्यवस्था की पोल खोल दी। 13 साल की उम्र में शादी और 15 में मातृत्व .... यह कहानी सिर्फ कानून के उल्लंघन की नहीं, बल्कि इंसानियत के क्षय की है। अस्पताल की सूचना पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दोनों परिवारों के खिलाफ बाल विवाह अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस सूत्रों ने पुष्टि की है कि यह सामाजिक और कानूनी रूप से गंभीर अपराध है, जिसमें नाबालिग की शारीरिक व मानसिक सुरक्षा को पूरी तरह नजरअंदाज किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम

अधिकारी सौरभ सिंह ने बताया कि पीड़िता की उम्र दस्तावेजों से सत्यापित की जा चुकी है और अब बाल कल्याण समिति को भी इसकी जानकारी दी गई है। समिति यह सुनिश्चित करेगी कि पीड़िता और नवजात की सुरक्षा और पुनर्वास के लिए क्या कदम उठाए जाएं। लेकिन सवाल सिर्फ एक केस दर्ज करने से खत्म नहीं होता। सवाल यह है कि .... गांव में, परिवार में, पंचायत में .... किसी ने इसे रोका क्यों नहीं? क्या समाज अब भी लड़की के जन्म को बोझ समझकर जल्दी ब्याह देने को ही सुरक्षा मानता है? और प्रशासन, जो हर 24 घंटे में योजनाओं की फाइलें आगे बढ़ाता है, क्या कभी उन गलियों में झाँकता है जहां बचपन बिक जाता है? जिला प्रशासन ने घटना को गंभीर मानते हुए बाल विवाह रोकने के लिए जनजागरूकता अभियान तेज करने की बात कही है। मगर अनुभव बताता है कि अभियान अक्सर पोस्टर और भाषणों तक सीमित रह जाते हैं। वास्तविक बदलाव तब होगा जब हर स्कूल, हर पंचायत, हर मोहल्ले में बच्चियों को बोलने और विरोध करने की ताकत दी जाएगी।

कटंगी की यह घटना हमें याद दिलाती है ....

कि बाल विवाह कोई परंपरा नहीं, बल्कि एक अपराध है। कि मां बनना तभी सम्मानजनक है, जब उसे चयन का अधिकार हो। और कि अगर हम आज भी चुप हैं, तो हम सब उस नाबालिग मां के दर्द में बराबर के हिस्सेदार हैं। यह खबर सिर्फ पढ़ी नहीं जानी चाहिए, महसूस की जानी चाहिए .... क्योंकि यह हमारे समाज की नींद तोड़ने वाली चीख है।

रिपोर्ट आरती लोधी

निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 का कार्य प्रारंभ

जिले के मास्टर ट्रेनर्स को किया गया प्रशिक्षित

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 के संबंध जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर श्री राघवेंद्र सिंह के निर्देश में जिले के सभी एएलएमटी विधानसभा स्तरीय मास्टर ट्रेनर को प्रशिक्षण देकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गये। प्रशिक्षण राज्यस्तरीय मास्टर ट्रेनर डॉ. नितिन सक्सेना व डॉ रश्मि झरिया द्वारा दिया गया। एएलएमटी अब विधानसभा में सभी बीएलओ, सुपरवाइजर को एसआईआर के संबंध में गहन प्रशिक्षण देंगे। उन्होंने बताया कि इस पुनरीक्षण का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक सटीक, अद्यतन और त्रुटिरहित बनाना है। इसके अंतर्गत प्रत्येक मतदाता के घर-घर जाकर गणना प्रपत्र भरे जाएंगे तथा मतदाता को अपने या परिजनों के नाम का मिलान या लिंकिंग पिछले एसआईआर (2002-2004) के रिकॉर्ड से करने में सहायता की जाएगी। इस कार्य के लिए मतदाता और बीएलओ निर्वाचन आयोग की वेबसाइट https:// voters.cci.gov.in/ का उपयोग कर सकते हैं। मतदाताओं के नाम जोड़ने हेतु फॉर्म-6 और घोषणा प्रपत्र एकत्र किए जाएंगे। बीएलओ प्रत्येक मतदाता के घर पर कम से कम तीन बार जाकर विवरण सुनिश्चित करेंगे। गणना चरण के दौरान किसी अन्य दस्तावेज की आवश्यकता नहीं होगी। गणना प्रपत्र भरवाने की अवधि 4 नवम्बर से 4 दिसम्बर 2025 तक निर्धारित की गई है। निर्वाचक नामावली का प्रारूप प्रकाशन 9 दिसम्बर 2025 को किया जाएगा, दावे और आपत्तियाँ 9 दिसम्बर 2025 से 8 जनवरी 2026 तक प्राप्त की जाएंगी तथा अंतिम प्रकाशन 7 फरवरी 2026 को किया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर ने अपील की है कि राजनीतिक दल अपने-अपने बीएलए नियुक्त करें ताकि पुनरीक्षण प्रक्रिया में पारदर्शिता और सहभागिता सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि यह अपने नाम की एक बार संपूर्ण स्क्रीनिंग करवाने का सुनहरा अवसर है। प्रत्येक परिवार अपने नाम की जानकारी निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर देखकर सत्यापित करे। इससे मतदाता सूची को अधिक सटीक और विश्वसनीय बनाया जा सकेगा।

जिले की सभी प्राथमिक शालाओं में हुआ एफ एल एन मेले का आयोजन : छात्र-छात्राओं ने की उत्साह पूर्वक सहभागिता

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देश अनुसार जिले की सभी 1 हजार 525 प्राथमिक शालाओं में आज गुरुवार को बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान (एफएलएन) पर आधारित मेले का आयोजन किया गया। एफएलएन मेलों का शुभारंभ दीपप्रज्वलन, सरस्वती वंदना एवं पूजन के साथ हुआ। छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। मेले में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले एवं सहभागिता करने वाले सभी छात्र-छात्राओं को सम्मानित भी किया गया।

कलेक्टर सिंह की अध्यक्षता में युवा उत्सव को लेकर बैठक संपन्न

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में आज 29वें राष्ट्रीय युवा उत्सव के बारे में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई। जिसमें बताया गया कि यह उत्सव जिला व संभाग स्तर पर 1 नवम्बर से 15 नवम्बर तक आयोजित किये जायेंगे। जिसमें प्रथम चरण में जिला व द्वितीय चरण में सभाग स्तरीय कार्यक्रम होंगे। कार्यक्रम में समूह लोक नृत्य, समूह लोक गायन, कहानी लेखन, पेंटिंग, भाषण प्रतियोगिता, कविता लेखन व विज्ञान मेला से संबंधित प्रतियोगिताएं आयोजित की जायेंगी। प्रत्येक प्रतियोगिताओं के लिए अंक निर्धारित किये गये हैं तथा इसमें प्रथम, द्वितीय, तृतीय का निर्णय तीन-तीन निर्णायकों द्वारा किया जायेगा। बैठक में बताया गया कि राष्ट्रीय युवा उत्सव एमएलबी ग्राउंड में प्रस्तावित किया गया है, जिसमें 15 से 29 वर्ष के मध्य के शासकीय तथा निजि शैक्षणिक संस्थानों में अध्यनरत युवा भाग ले सकेंगे। समस्त प्रतिभागियों को माय भारत पोर्टल पर पंजीयन कराना अनिवार्य है। एक प्रतिभागी केवल एक ही विधा में प्रतियोगिता कर सकेगा। प्रतिभागियों को आधार कार्ड एवं 10वीं कक्षा की अंक सूची जिसमें जन्म तिथि का उल्लेख हो की मूल प्रति लाना अनिवार्य किया गया है। पूर्व से पंजीयन एवं उपस्थित व्यक्ति में भिन्नता होने पर पंजीयन निरस्त माना जायेगा। बैठक में अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा पीआर चंदेलकर, खेल अधिकारी आशीष पांडे, जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी सहित सभी संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

कलेक्टर सिंह की अध्यक्षता में छात्रावास अधीक्षकों की एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। कलेक्टर श्री राघवेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में आज बालिकाओं की सुरक्षा, हिंसा, जेंडर एवं पोषण विषय पर छात्रावास अधीक्षकों की एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इस दौरान जिले के समस्त छात्रावास अधीक्षक कार्यशाला में उपस्थित रहकर छात्रावास प्रबंधन के संबंध में आवश्यक जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर श्री सिंह ने इस दौरान सभी छात्रावास अधीक्षकों से उनके छात्रावास में दर्ज विद्यार्थियों, रिक्त सीट, छात्रवृत्ति वितरण, खाद्यान्न, साफ-सफाई के साथ नियमित स्वास्थ्य जांच के

संबंध में जानकारी ली। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि सिकल सेल एनिमियां के लक्षण होने पर उनकी स्क्रीनिंग व उपचार सुनिश्चित करायें। इसके अलावा उन्होंने छात्रावासों में पानी, बिजली तथा मरम्मत आदि की जानकारी भी ली। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि छात्रावास अधीक्षक अनिवार्य रूप से छात्रावास में रहें और छात्रावास में वास्तव में उपस्थित बच्चों की जानकारी दें। बैठक में एसी ट्रायबल श्री सीके दुबे, अन्य पिछड़ा वर्ग के सहायक संचालक श्री आशीष दुबे सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

कठौंदा के वेस्ट टू एनर्जी प्लांट का निरीक्षण करने पहुंचे कलेक्टर और निगमायुक्त

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। देश के पांचवें स्वच्छ सिटी जबलपुर को पहले पायदान पर पहुँचाने के लिए नगर निगम द्वारा अभी से कवायद शुरू कर दी है। स्वच्छ सर्वेक्षण प्रतियोगिता में वेस्ट टू एनर्जी प्लांट की बड़ी भूमिका रहती है, जिसके कारण इस प्लांट को बेहतर ढंग से व्यवस्थित संचालन किया जाता है। पिछले कुछ दिनों से कठौंदा स्थित वेस्ट टू एनर्जी प्लांट का संचालन बंद है। इस दौरान बड़े पैमाने पर उपकरणों के मेंटेनेंस-मरम्मत का कार्य कराये जा रहे हैं, जिसके निरीक्षण के लिए कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह एवं निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार सभी तकनीकी अधिकारियों के साथ प्लांट पहुंचे और नियमों का पालन करते हुए सभी सुरक्षा उपकरणों का उपयोग कर प्लांट के एक-एक अनुभागों का सघन रूप से निरीक्षण किया और कार्यों में गति लाने के निर्देश दिये। निरीक्षण के मौके पर कलेक्टर एवं निगमायुक्त ने बताया कि प्लांट का मेंटेनेंस गुणवत्ता के साथ कराया जा रहा है, जो नवम्बर माह तक पूर्ण कर लिये जायेगें और 1 दिसम्बर से पूरी क्षमता के साथ कठौंदा के वेस्ट टू एनर्जी प्लांट का संचालन प्रारंभ हो जायेगा। प्लांट के संचालन से 11 मेगावॉट बिजली उत्पादन होगी, इसके लिए प्रतिदिन 600 टन कचरा से बिजली का उत्पादन किया जायेगा। निगमायुक्त श्री अहिरवार ने बताया कि प्लांट के बंद होने से परिसर में प्रतिदिन का कचरा एकत्रित किया गया जो 3 लाख मेट्रिक टन है, अब उसे अलग-अलग छटनी कर कचरे का सेग्रीगेशन भी कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सेग्रीगेशन के उपरांत आगामी 6 माह में एकत्रित कचरों का वैज्ञानिक पद्धति से निस्तारण किया जायेगा। गौरतलब है कि शहर को स्वच्छ एवं पर्यावरण के अनुकूल बनाए रखने के उद्देश्य से वर्ष 2016 में एस्सेल कंपनी द्वारा जबलपुर एम.एस.डब्ल्यू. (म्यूनिसीपल शॉलिड वेस्ट) वेस्ट टू एनर्जी प्लांट की स्थापना की गई थी। इस प्लांट का उद्देश्य शहर से उत्पन्न ठोस अपशिष्ट का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण कर प्रकृति की सुरक्षा और स्वच्छ जबलपुर का लक्ष्य प्राप्त करना है, इस दिशा में कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह एवं निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के द्वारा ठोस प्रयास किये जा रहे हैं। इस अवसर पर उन्होंने शहर के सभी सम्माननीय नागरिकों से भी अपील की है कि कचरा यहॉ-वहॉ न फेंके, निगम की कचरा गाड़ी में ही कचरा डालें। निरीक्षण के समय अपर आयुक्त आरविन्द शाह, व्ही.एन. बाजपेयी, अधीक्षण यंत्री कमलेश श्रीवास्तव, उपायुक्त संभव अयाची, स्वास्थ्य अधिकारी अंकिता बर्मन, सहायक यंत्री सुनील दुबे, अभिनव मिश्रा, संजय सिंह, अंकुर नाग, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी पोलाराव, के अलावा कुंदन ग्रीन एनर्जी के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर 31 को होगा 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन

सुबह 8 बजे राइट टाउन स्टेडियम से शुरू होगी एकता के लिये दौड़

अधिकारियों को सौंपी गई जिम्मेदारियां

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस पर 31 अक्टूबर को सम्पूर्ण प्रदेश के साथ जबलपुर शहर में भी रन फॉर यूनिटी (एकता के लिये दौड़) का आयोजन किया जायेगा। जबलपुर में यह दौड़ राष्ट्रीय एकता दिवस पर 31 अक्टूबर को सुबह 8 बजे से आयोजित होगी। रन फॉर यूनिटी राइट टाउन स्टेडियम के मुख्य द्वार से प्रारंभ होगी। तीन किलोमीटर लंबी यह दौड़ नवभारत चौक (पेट्रोल पंप) से होते हुए महाराणा प्रताप चौक (तीन पत्ती), यातायात तिराहा एवं महाराष्ट्र हाई स्कूल होते हुये वापस राइट टाउन स्टेडियम अशोका होटल के सामने पहुँचेंगी, जहाँ इसका समापन होगा। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने रन फॉर यूनिटी के सफल आयोजन को सुनिश्चित करने एक आदेश जारी कर विभिन्न विभागों के अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी हैं। आदेश में सभी अधिकारियों को सौंपे गए कार्यों को समय-सीमा में और गुणवत्तापूर्ण तरीके से संपादित करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर श्री सिंह द्वारा जारी आदेश में नगर निगम आयुक्त को एकता दौड़ कार्यक्रम स्थल की साफ-सफाई तथा दौड़ के प्रतिभागियों के लिये पानी एवं स्वल्पाहार की व्यवस्था करने की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात को कार्यक्रम स्थल से लेकर दौड़ के मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था, यातायात व्यवस्था एवं पुलिस थाना स्तर पर रन फॉर यूनिटी के आयोजन का दायित्व सौंपा गया है। आदेश में अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा को दौड़ में महाविद्यालयों के विद्यार्थियों, एनसीसी कैडेट्स एवं एनएसएस के छात्र सदस्यों की अधिक से अधिक संख्या में भागीदारी सुनिश्चित करने, जिला शिक्षा अधिकारी को शासकीय एवं अशासकीय स्कूलों के विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करने, मंच संचालन की व्यवस्था करने एवं जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित करने का कार्य सौंपा गया है। इसी प्रकार जिला खेल अधिकारी को भारतीय खेल प्राधिकरण और सभी खेल संघों से समन्वय कर रन फॉर यूनिटी में खिलाड़ियों की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने का तथा सभी महाविद्यालयों के प्राचार्यों को उनके महाविद्यालय के रन फॉर यूनिटी में ज्यादा से ज्यादा छात्रों तथा एनसीसी के कैडेट्स एवं एनएसएस के छात्र सदस्यों की प्रतिभागिता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

ओम होम हैल्थ केयर सर्विस
हमारे पास अशक्त बुजुर्ग मरीजों की देखभाल हेतु नर्स, वार्ड वॉय, आया बाई, फिजियोथैरेपी और दवाईयॉ घर पर उपलब्ध कराए जाते हैं।
प्रो. जितेन्द्र पटैल CERVIC - 24X7 Hourse
मो. 9340721556,9753518166
पता-केनरा बैंक महाराष्ट्र हॉई स्कूल गोल बाजार जबलपुर(म.प्र.)

म.प्र. राज्य अधिवक्ता परिषद के आगामी चुनाव वर्ष 2026 में सदस्य पद हेतु आपकी
प्रथम वरीयता मत का आकांक्षी
गोपाल सिंह बघेल (अधिवक्ता)

म.प्र. उच्चन्यायालय जबलपुर (म.प्र.)
पता - हॉल नं 3 सीट नं 7 विधि भवन, म.प्र. उच्चन्यायालय जबलपुर (म.प्र.)
कार्यालय-निवास
कृष्णा कॉलोनी के पास राज परिसर सुहागी, जबलपुर (म.प्र.)
Mob.: 9229653295, 8989141208, 7987512717

बाल विवाह की रोकथाम हेतु अनुभागीय स्तर पर निगरानी समितियां गठित

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने देवउठनी एकादशी और इसके बाद आने वाले विवाह मुहुर्तों पर बाल विवाह की रोकथाम के लिये आदेश जारी कर अनुभाग स्तर पर निगरानी समितियों का गठन किया है। अनुविभागीय राजस्व अधिकारियों की अध्यक्षता में गठित सात सदस्यों की इन निगरानी समितियों में सबंधित जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, तहसीलदार, परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास, खण्ड चिकित्सा अधिकारी, खण्ड शिक्षा अधिकारी एवं थाना प्रभारी को शामिल किया गया है। कलेक्टर ने जारी आदेश में तहसील स्तर पर सभी अनुविभागीय राजस्व अधिकारी, विकासखण्ड स्तर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत तथा परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास को बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी भी नामांकित किया है। अनुविभाग स्तर पर गठित निगरानी समितियां अपने-अपने क्षेत्र में वैवाहिक मुहूर्तों पर आयोजित किये जाने वाले सामूहिक विवाह समारोह पर नजर रखेंगी तथा बाल विवाह की जानकारी मिलने पर तुरंत कार्यवाही कर ऐसे आयोजनों को रोकेंगी। इसके अलावा कहीं से भी बाल विवाह की सूचना मिलने पर उसे रोकने तत्काल प्रभावी कदम उठायेगी एवं बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम-2006 के अंतर्गत वैधानिक कार्यवाही करेगी। कलेक्टर द्वारा जारी आदेश में अनुभाग स्तर पर गठित निगरानी समितियों के दायित्व भी तय किये गये है। इन समितियों को अपने-अपने क्षेत्र में सेवा प्रदाताओं, कोर सदस्यों, जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों का लाडो अभियान के अंतर्गत कार्यशाला का आयोजन कर उनका संवेदीकरण करेंगी। निगरानी समितियों को ऐसे संवेदनशील क्षेत्रों चिन्हांकन का दायित्व भी सौंपा गया है, जहाँ बाल विवाह के आयोजन की संभावनाएं है। समिति को ऐसे संवेदनशील क्षेत्रों की सूची समिति द्वारा कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास तथा सबंधित क्षेत्र के थाना प्रभारियों को सौपना होगा। इसके साथ ही इनके द्वारा बाल विवाह की रोकथाम हेतु चिन्हति क्षेत्रों में विभिन्न जनजागरण कार्यक्रम विशेष रूप से आयोजित किये जायेंगे तथा बाल विवाह न होने पाये इस हेतु विशेष निगरानी रखेंगी। कलेक्टर ने आदेश में निगरानी समितियों को अन्तर्विभागीय समन्वय से विवाह मुहूर्त के अवसर पर गावों अथवा चिन्हित क्षेत्रों में बाल विवाह न करने का परामर्श देने तथा बाल विवाह की सूचना देने हेतु वन स्टॉप सेंटर जबलपुर में स्थापित जिला स्तरीय कन्ट्रोल रूम का दूरभाष नम्बर 0761-2625527 का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिय है। साथ ही पुलिस थाना, चाईल्ड हेल्पलाईन नम्बर 1098, कलेक्टर कार्यालय, अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय, जिला एवं परियोजना कार्यालय महिला एवं बाल विकास तथा विभिन्न विभागों के स्थानीय अधिकारियों के दूरभाष नम्बर भी उपलब्ध कराने कहा है।

Mob.: 9770559042 Reg No. 48783
THE BEST ORTHO PHYSIOTHERAPY AND WELLNESS CENTRE
Dr. Riya Sonkar (PT) B.P.T., M.P.T. (Ortho) DNHE
Physiotherapist at GOVT RANIDURGAWATI (ELGIN) HOSPITAL JABALPUR
* Cupping & Manual Therapy
* Certified IASTM Therapist
* Certified Dry Needling Therapist
YOGA FITNESS CLASS ZUMBA
HOME VISIT AVAILABLE
64, Saket Nagar, Badi ukhri, Jabalpur (M.P.)
विशेष उपचार :- Paralysis (लकवा), Neck Pain (गर्दन दर्द), Sciatica (सायटिका), Frozen Shoulder (कंधे का दर्द), Joint Pain (जोड़ो का दर्द), Osteoarthritis (बात), Disc Prolapse/Slip disc (रीढ़ की हड्डी का खिसक जाना), Facial Palsy etc (चेहरे का लकवा)
WEIGHT LOSS DIET
आधुनिक मशीनों एवं कसरत व व्यायम द्वारा उपचार किए जाते है

Manufacturer of t-shirts & lowers Mo. 9174614421, 9406763810
CHANDRAKALA TEXTILES
सभी प्रकार की टी-शर्ट ऑर्डर पर बनाई और प्रिंट की जाती हैं और स्पोर्ट्स सबलिमेसन जर्सी बनाई जाती हैं।
Address : shop no 151, jabalpur fashion design cluster market Lema garden Gohalpur jabalpur 482001

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मुकेश कुमार श्रीवास द्वारा माँ रेवा पब्लिकेशन एन्ड प्रिंटर्स लष्मीपुर मुस्कान प्लाजा के पीछे विवेकानंद वार्ड एम आर 4 रोड़ जबलपुर म.प्र. 482001 से मुद्रित तथा लष्मीपुर मुस्कान प्लाजा के पीछे एम आर 4 रोड 21 स्वामी विवेकानंद वार्ड जबलपुर म.प्र. 482001 से प्रकाशित । संपादकः अतुल कुमार बंदेवार RNI. Reg. No MPHIN/2023/90965 (समस्त विवादों का न्यायालयीन क्षेत्र जबलपुर) Email:- revanchaljabalpur@gmail.com मोब. 7509202320, 9406771592

बीईओ सतीश तिवारी हटाओ, शिक्षा बचाओ के लगे नारे, जमकर हो रहा है रिश्वतखोरी

फर्जी रूप से सड़क से पत्थर उठाकर बटोरते थे सुर्खियां

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। सतीश तिवारी वो नाम हैं जो शासकीय विभाग में लगातार जमकर सुर्खियां बटोर रहे है। कार्यालय कलेक्टर जनजातीय कार्य विभाग अनूपपुर से लेकर दो बार जनपद सीईओ भी रह चुके हैं, अभी वर्तमान में पुष्पराजगढ़ में बीईओ के पद पर कार्य कर रहे हैं। सभी जगह ये बहुत नाम कमा चुके हैं। बस अवार्ड मिलने की आवश्यकता बस रह गयी हैं, वो भी इसी तरह कार्य चलता रहा तो जल्द ही इनका सम्मान हो सकता है। फेसबुकिया कर्मचारी है हमेशा किसी न किसी मामलों में फेसबुक बुक पर छाए रहते थे, एक समय सड़क मार्ग से कही भी जाते थे तो पहले सड़को पर पत्थर रखकर दिखाते थे की सड़क पर पत्थर रखा बड़ी दुर्घटना हों सकती है, पत्थर उठाते हुए फोटो खिंचाकर सोशल मीडिया फेसबुक, इंस्ट्राग्राम, ट्वीटर में डालकर समाज सेवा के नाम पर सुर्खियां बटोरने का काम करते थे। अब इस समय रिश्वत वाले मामले में सुर्खियां बटोर रहे हैं। जबकि इनकी करनी कथनी में बहुत बड़ा अंतर दिखता हैं। अनूपपुर जिले के पुष्पराजगढ़ ब्लॉक के शिक्षकों ने बीईओ सतीश तिवारी और कार्यालय कर्मचारियों पर गंभीर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। आजाद अध्यापक शिक्षक संघ ने एसडीएम को ज्ञापन देकर मामले की जांच और कार्रवाई की मांग की है। संघ का आरोप है कि बीईओ सतीश तिवारी के कार्यभार संभालने के बाद से कार्यालय में रिश्वतखोरी बढ़ गई है। शिक्षकों ने कहा- अब "फाइल तभी चलती है जब रुपए चलते हैं।" बिना पैसे दिए किसी भी फाइल पर कार्रवाई नहीं होती, चाहे वह एरियर भुगतान हो. डीए बढोतरी या क्रमोन्नति लाभ का मामला। शिक्षकों ने यह भी आरोप लगाया कि कार्यालय के कर्मचारी खुलेआम रिश्वत की मांग करते हैं और बिल जमा करने के बाद रसीद नहीं देते। फाइलें जानबूझकर रोकी या गायब कर दी जाती हैं। कई बार शिक्षकों को "ऊपर की बात" कहकर डराने और दबाव बनाने की कोशिश भी की जाती है। ज्ञापन में कहा गया है कि यह कार्यालय अब "घूस और धौंस" का केंद्र बन गया है। शिक्षकों ने बीईओ सतीश तिवारी और कार्यालय कर्मचारी नर्मदा जायसवाल को हटाने की मांग की है। ज्ञापन सौंपने के बाद शिक्षक संघ ने ब्लॉक कार्यालय परिसर में नारेबाजी की- "सतीश तिवारी हटाओ, शिक्षा बचाओ" के नारों से वातावरण गूंज उठा। संघ ने चेतावनी दी कि यदि 20 दिनों के भीतर जांच कर कार्रवाई नहीं की गई, तो वे सड़क पर उतरकर उग्र आंदोलन करेंगे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर व नर्स की लापरवाही से नवजात शिशु की मौत, परिजनों ने की जांच की मांग

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा में एक बार फिर लापरवाही का मामला सामने आया है। बताया गया है कि वार्ड क्रमांक 04 निवासी राकेश प्रसाजपति की पत्नी ज्योति प्रसाजपति को प्रसव पीड़ा होने पर 28 अक्टूबर की रात लगभग 11:59 बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा लाया गया था। परिजनों के अनुसार, उस समय उपस्थित डॉक्टर और नर्स ने प्रसूता को भर्ती करने से मना कर दिया और कहा कि अभी समय नहीं हुआ, सुबह आना। लेकिन रात करीब 3:00 बजे ज्योति की हालत बिगड़ने लगी और उसे तेज दर्द के साथ असहनीय पीड़ा होने लगी। इसके बावजूद नर्स और डॉक्टर मौके पर उपस्थित नहीं हुए। परिजन लगातार सहायता के लिए अस्पताल स्टाफ से गुहार लगाते रहे, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। सुबह लगभग 8:00 बजे प्रसूता को दर्द असहनीय होने पर नर्स को बुलाया गया, तब भी लापरवाही जारी रही। अंततः लगभग 8:22 बजे प्रसूता ज्योति प्रसाजपति की डिलीवरी हुई, लेकिन नवजात शिशु मृत पाया गया। पीड़ित पति राकेश प्रसाजपति ने बताया कि यदि समय पर डॉक्टर और नर्स ने इलाज प्रारंभ किया होता तो बच्चे की जान बच सकती थी। उन्होंने अस्पताल प्रशासन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी, कोतमा को शिकायत सौंपी है और दोषी डॉक्टर व नर्स के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इस मामले की प्रति कलेक्टर अनूपपुर, जिला स्वास्थ्य अधिकारी, एसडीएम कोतमा, तथा थाना प्रभारी कोतमा को भी भेजी गई है ताकि उच्च स्तर पर जांच कर उचित कार्रवाई की जा सके।

सोने चांदी के जेवर लेकर हुए फरार

चोरो ने जज को भी नही छोड़ा, सरकारी आवास पर दिन दहाड़े चोरी,

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। जिले में चोर बेखौफ हो गए हैं, अब तो चोरों ने हद ही कर दी, जयसिंहनगर में प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट के घर दिन दहाड़े चोरी की वारदात को चोरों ने बेखौफ तरीके से अंजाम देकर सोने चांदी के जेवर लेकर बदमाश फरार हो गए हैं। शाम को जब मजिस्ट्रेट घर पहुंची, तो उनके घर के भीतर का सारा सामान बिखरा पड़ा था, जिसके बाद उन्होंने मामले की जानकारी पुलिस को दी, मामले पर पुलिस ने अज्ञात चोरों की विरुद्ध मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। यह सरकारी आवास शहडोल रीवा मुख्य मार्ग पर स्थित है।जहां चोरों ने वारदात को अंजाम दिया है। जयसिंहनगर थाना क्षेत्र में बीते दिनों दिनदहाड़े मोटरसाइकिल की डिग्गी से नगद एक लाख रुपए चोरी होने का मामला अभी सामने आया था, पुलिस उस मामले पर खुलासा कर नहीं पाई, अब प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट के घर दिनदहाड़े चोरी से पुलिस की कार्यप्रणाली पर अब लोगों ने सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस ने बताया कि जयसिंहनगर न्यायालय में प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट पदस्थ हैं, जब वह कल सुबह अपने आवास से निकली तो सब कुछ सही था, न्यायालय पहुंचने के बाद उन्होंने अपना कार्य किया और शाम के वक्त जब वह वापस अपने आवास पहुंची तो घर के अंदर पड़ा सारा सामान बिखरा पड़ा था। घर के अंदर रखा सोने का एक ब्रेसलेट, कान का झुमका, एवं चांदी के जेवर चोरी हो गए थे। घटना की जानकारी उन्होंने तत्काल थाना प्रभारी को दी जिसके बाद थाने में हड़कंप मच गया,क्योंकि न्यायिक मजिस्ट्रेट के घर दिनदहाड़े चोरी हो गई थी, पुलिस हरकत पर आई और मामले पर अज्ञात चोरों के विरुद्ध चोरी का मामला दर्ज कर अपनी विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार यह चोरी लगभग तीन लाख रुपए से अधिक की है।

स्टेशन परिसर के बाहर यात्रियों के लिए नहीं है कोई सुलभ काम्प्लेक्स, खुले में गंदगी से लोग परेशान

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। अमृत भारत एवं गतिमान योजना के तहत अनूपपुर जंक्शन स्टेशन के नवीनीकरण का कार्य नौ दिन चले अढ़ाई कोश की तरह चल रहा है।बड़ी-बड़ी दिवाले खड़ी कर दी गई है।प्लेटफॉर्म ऊंचे कर दिए गए, पैदल पुल की व्यवस्था 4 वर्षों बाद भी आधी अधूरी है। यात्रियों को लंबे पुल से लंबा सफर करना पड़ता है। जिससे वरिष्ठ नागरिकों, बच्चों, महिलाओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। स्टेशन परिसर का इलाका बढ़ा दिया गया लेकिन सामान्य यात्रियों के लिए किसी तरह का सुलभ काम्प्लेक्स का निर्माण नहीं कराया गया।जिससे यात्रियों के साथ ही महिला यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिला विकास मंच के संयोजक वासुदेव चटर्जी एडवोकेट ने कई बार रेलवे महाप्रबंधक एवं रेलवे प्रबंधक को पत्र लिखकर मांग की कि अनूपपुर स्टेशन परिसर के बाहर सुलभ काम्प्लेक्स (पे एंड यूज) का निर्माण कर दिया जाए। लेकिन उनके कान में जू तक नहीं रेंग रही हैं। जिससे यात्री काफी परेशान है। अनूपपुर स्टेशन के बाहर परिसर का क्षेत्रफल बढ़ा दिया गया है।कुछ दिन रेलवे सुरक्षा बल स्टेशन परिसर के अंदर पेशाब करने वालों पर काफी कड़ाई की एवं जुमार्ना भी वसूला।लेकिन धीरे-धीरे वह कड़ाई भी बंद हो गई। पूरे परिसर क्षेत्र में लोगों का निकलना भी दुर्भर हो गया। लोग अपने नाक को बंद कर उस क्षेत्र से निकलते हैं। स्टेशन परिसर के बाहर शौचालय की व्यवस्था न होना एक गंभीर समस्या है,जिससे यात्रियों और आस-पास के लोगों को परेशानी और स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों का सामना करना पड़ता है। सुलभ काम्प्लेक्स नहीं होने से कई बार लोग बच्चों को खुले में शौच करा देते हैं और पेशाब करने वालों की बात ही ना करें उन्हें जहां मिला वहां कर के चल दिए। लेकिन उस स्थल से निकालने वालों को नाक बंद कर निकालना पड़ता है इसे देखने वाला कोई नहीं है। रेलवे स्टेशन परिसर में बाहर की दिशा में सुलभ काम्प्लेक्स नहीं होने से लोग मजबूर हैं शौच एवं पेशाब करने के लिए।जिससे परिसर और आस-पास का इलाका बेहद गंदा हो जाता है। स्टेशन के अंदर प्लेटफार्म पर आम नागरिकों के लिए पूर्व में व्यवस्था थी लेकिन वहां भी निर्माण होने के कारण वह भी बंद पड़ा हुआ है।

लोकायुक्त ने 15 हजार की रिश्वस्त लेते सचिव को किया गिरफ्तार, भुगतान के बदले मांगी थी रकम

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। जिले में बढ़ते भ्रष्टाचार और घूसखोरी के खिलाफ लोकायुक्त रीवा टीम ने एक बार फिर बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। ताजा मामला जनपद पंचायत सोहागपुर के ग्राम पंचायत पोंगरी का है, जहां पंचायत सचिव को नल-जल योजना के भुगतान के एवज में 15 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। ग्राम पंचायत पोंगरी के उप सरपंच अमृतलाल यादव ने पंचायत में चल रही नल-जल योजना के तहत करीब 2 लाख 37 हजार रुपए के कार्यों का भुगतान कराने के लिए आवेदन दिया था। पंचायत सचिव मंगलेश्वर मिश्रा ने भुगतान के बदले 15 हजार रुपए की घूस की मांग की। उप सरपंच की शिकायत पर लोकायुक्त की 10 सदस्यीय टीम ने बुधवार को पंचायत भवन में छापा मारा, जहां सचिव मिश्रा को रिश्वत की राशि लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। टीम ने मौके से रिश्वत की रकम बरामद की और सचिव के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। लोकायुक्त इंस्पेक्टर हेतराम मरावी ने बताया कि नल-जल योजना के कार्यों के भुगतान के एवज में सचिव द्वारा 15 हजार रुपए की रिश्वत ली जा रही थी, जिसे पंचायत भवन में ट्रैप कर गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के खिलाफ जांच जारी है।

बॉम्बे टेलर्स के संचालक सरफराज गिरफ्तार, न्यायालय में पेश

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। जिले के कोतमा नगर के वार्ड क्रमांक 2 में स्थित बॉम्बे टेलर्स के संचालक सरफराज को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। जानकारी के अनुसार, लॉकडाउन के दौरान प्रशासन द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के बावजूद सरफराज द्वारा दुकान खोले जाने का मामला प्रकाश में आया था। इस पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामला न्यायालय में प्रस्तुत किया था। बताया गया कि न्यायालय की कार्यवाही के दौरान सरफराज द्वारा अदालत का अवमानना किया गया, जिस पर न्यायालय ने उनके विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट जारी किया था।

बिलासपुर रेल मंडल के नव पदस्थ दोनों एडीआरएम का मजदूर कांग्रेस ने किया स्वागत

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। साउथ ईस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर कांग्रेस बिलासपुर के बिलासपुर मंडल समन्वयक विजय अग्निहोत्री के नेतृत्व में विगत 29 अक्टूबर को एडीआरएम कार्यालय बिलासपुर में नवागत एडीआरएम (प्रथम) जमना शंकर मीणा एवं एडीआरएम (द्वितीय) श्रीनिवास राव के बिलासपुर रेल मंडल में पदभार ग्रहण करने पर शाल श्रीफल, फुलों से स्वागत अभिनंदन किया गया स्वागत करने वाले मजदूर कांग्रेस बिलासपुर के जोनल कार्यकारी अध्यक्ष लक्ष्मण राव, अतिरिक्त संयुक्त महामंत्री द्वय डी डी महेश, शुभम उपाध्याय, बिलासपुर मंडल रनिंग शाखा सचिव व आर्बन बैंक डायरेक्टर आर के यादव, बिलासपुर मंडल रनिंग शाखा अध्यक्ष टी रमेश बाबू, डीओबी शाखा सचिव रानानंदी ने भी स्वागत किया अपर मंडल रेल प्रबंधक बिलासपुर प्रथम जे एस मीणा ने एकल मान्यता प्राप्त संगठन मजदूर कांग्रेस को भरोसा दिलाया कि रेल कर्मचारियों के मेहनत का लाभ जरूर दिया जाएगा,

पुलिस की कार्यवाही, 94 नशीले इंजेक्शन के साथ दो युवक गिरफ्तार, तीन आरोपी फरार

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। नशे के बढ़ते जाल पर लगाम कसने के लिए शहडोल पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। कोतवाली पुलिस ने नशीले इंजेक्शन बेचने की फिराक में खड़े दो युवकों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 94 नशीले इंजेक्शन बरामद किए गए हैं। वहीं, इस पूरे नेटवर्क से जुड़े तीन अन्य युवकों की तलाश जारी है। कोतवाली पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि अंडरब्रिज के पास एक युवक नशीले इंजेक्शन बेचने की कोशिश कर रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इलाके की घेराबंदी की और संदिग्ध युवक को पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान युवक ने खुलासा किया कि उसे ये नशीले इंजेक्शन एक अन्य युवक द्वारा मुहैया कराए गए थे। पुलिस ने तत्काल दबिश देकर दूसरे युवक को भी गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपियों से पूछताछ में यह बात सामने आई कि उनके साथ तीन अन्य युवक भी इस अवैध कारोबार में शामिल हैं, जो फिलहाल फरार हैं। पुलिस ने दोनों गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट (ठउढर अू३) के तहत मामला दर्ज कर लिया है और फरार आरोपियों की तलाश जारी है। कोतवाली पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार किया है, जिनके पास से 94 नशीले इंजेक्शन बरामद किए गए हैं। दोनों के खिलाफ ठउढर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है और गिरोह के बाकी सदस्यों की तलाश की जा रही है।

ट्रक से टकराई स्कूटी, शिक्षक की हुई मौत, पुलिस ने वाहन किया जप्त

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। राष्ट्रीय राजमार्ग 42 में पसला के मैरटोला के पास ट्रक से टकराने पर गंभीर रूप से घायल 60 वर्षीय शिक्षक की मौत हो गई, घटना की सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंचकर पीड़ित को अस्पताल भेजते हुए ट्रक को जप्त कर कार्यवाही की। घटना के संबंध में बताया गया कि अनूपपुर के वार्ड क्र,09 निवासी 60 वर्षीय शंकरलाल टांडिया पिता सुखीराम टांडिया जो पयारी नंबर एक में उच्च श्रेणी शिक्षक के पद पर पदस्थ रहे थे, वो अपनी स्कूटी से अनूपपुर आ रहे थे तभी राष्ट्रीय राजमार्ग में पसला के मैरटोला के समीप मोड में ट्रक क्रमांक सीजी 29 अइ 0143 से टकरा गए, जिससे उनके शरीर में गंभीर चोट आई घटना की जानकारी पर कोतवाली पुलिस ने घायल टांडिया को 108 एम्बुलेंस से जिला चिकित्सालय अनूपपुर भेजा, परीक्षण दौरान ड्यूटी डॉक्टर ने मृत घोषित करते हुए घटना की जानकारी जिला अस्पताल पुलिस को दिए जाने पर परिजनों की उपस्थिति में मृत शिक्षक के शव का पंचनामा कर पी,एम,कराने के बाद अंतिम संस्कार हेतु परिजनो को सौप दिया, घटना पर कोतवाली पुलिस द्वारा ट्रक जप्त कर चालक के विरुद्ध कार्यवाही की। अनूपपुर के वार्ड क्रमांक 09 पार्षद अनिल पटेल के साथ शिक्षकों एवं परिजनों द्वारा श्री टांडिया के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त किया।

रहवासी क्षेत्र में भालू कर रहा है विचरण, दहशत का माहौल, वन विभाग नही दे रहा ध्यान

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। जिले के नगर परिषद डोला के वार्ड नंबर 12 और जमुना कॉलरी में बीते कई महीनों से भालुओं को देखा जा रहा है। इससे स्थानीय रहवासियों में लगातार दहशत का माहौल बना हुआ है। भालुओं ने अब तक कई लोगों पर हमला भी किया है। ग्रामीणों और वार्ड पार्षद द्वारा इसकी शिकायत कई बार वन विभाग को दी जा चुकी है। ग्रामीणों का आरोप है कि वन विभाग इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है। जब विभाग को सूचित किया जाता है, तो उनका कहना होता है कि भालू छत्तीसगढ़ का है और उस दिशा में चला जाता है, इसलिए वे उसे पकड़ नहीं पा रहे हैं। ग्रामीणों का मानना है कि वन विभाग इस मामले को गंभीरता से नहीं ले रहा है, जिससे कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। आज एक बार फिर डोला में भालू देखे गए हैं, वहीं जमुना कॉलरी में भी भालू बार-बार रहवासी इलाकों में विचरण कर रहा है। बीते 30 सितंबर को एक बुजुर्ग महिला पर भालू ने हमला कर दिया था, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। महिला ने बताया कि सुबह करीब 3 बजे जब वह घर पर सो रही थीं, तभी भालू दरवाजा तोड़कर घर में घुस आया। भालू ने पहले उनके 9 वर्षीय नाती पर हमला किया। जब महिला ने उसे बचाने की कोशिश की, तो भालू ने उन पर भी हमला कर दिया। महिला के शोर मचाने पर आसपास के लोगों ने आकर उनकी जान बचाई।

कुएं में गिरे सियार को ग्रामीणों ने रेस्क्यू कर निकाला

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। जिले के जैतहरी जनपद की ग्राम पंचायत वेंकटनगर के वार्ड नंबर 1 में एक सियार कुएं में गिर गया। यह घटना सुबह सुरेश सिंह नामक निवासी के कुएं में हुई, जिसके बाद उनके परिवार ने तत्काल वन विभाग को इसकी सूचना दी। वन विभाग ने संसाधनों की कमी का हवाला देते हुए कुएं में गिरे सियार को निकालने में असमर्थता जताई। इससे बचाव कार्य में बाधा उत्पन्न हुई। सूचना मिलने पर सर्पप्रहरी ऋषिराज सिंह, पुष्पराज और पूनम पाठक मौके पर पहुंचे। उन्होंने रस्सी में लकड़ी बांधकर करीब डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद सियार को कुएं से सुरक्षित बाहर निकाला।सियार को बाद में स्वतंत्र विचरण के लिए जंगल में छोड़ दिया गया। इस घटना की जानकारी मिलने पर आसपास के कई ग्रामीण मौके पर जमा हो गए थे।

लाड़ली बहना योजना ने वर्षा को आत्मनिर्भर बनाया, लाड़ली बहना योजना की राशि से बचत कर वर्षा ने कपड़े सिलाई का व्यवसाय शुरू किया

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। लाड़ली बहना योजना में महिलाओं को हर माह मिलने वाली राशि बहुत छोटी लग सकती है, लेकिन यही राशि बचत से कुछ समय बाद बड़ी रकम में बदल जाती है। बूंद-बूंद से घड़ा भर जाता है, ऐसे ही हर माह की छोटी-छोटी बचत भविष्य के लिए बड़ा सहारा बन जाती है। किरनापुर विकासखंड के ग्राम पिपरझरी की वर्षा ने भी कुछ ऐसा ही कर दिखाया है। उसने लाड़ली बहना योजना में मिली राशि से बचत कर अब सिलाई मशीन खरीद लिया है और कपड़े सिलने का व्यवसाय प्रारंभ कर दिया है। उसने अपने घर पर ही कपड़ा दुकान भी खोल लिया है। लाड़ली बहना योजना ने वर्षा को आत्मनिर्भर बना दिया है। श्रीमती वर्षा पति सेवकराम बिसेन ग्राम पंचायत पिपरझरी किरनापुर की निवासी है और एक गरीब परिवार की महिला है। उसे कपड़े सिलना आता था, लेकिन सिलाई मशीन खरीदने की सामर्थ नहीं थी। जब से लाडली बहना योजना का लाभ मिलने लगा तो उसने तय कर लिया था कि वह इस राशि को खर्च नहीं करेगी बल्कि बचत करेगी। कुछ समय बाद उसके पास सिलाई मशीन खरीदने लायक राशि जमा हो गई तो उसने एक सिलाई मशीन खरीद ली हैं। सिलाई मशीन आने से वर्षा ने अपने घर पर ही सिलाई सेंटर खोल लिया है और घर पर ही छोटी सी कपड़ा दुकान भी शुरू कर दिया है। वर्षा का सिलाई का काम अच्छा चल रहा है और इससे उसे बहुत काम मिल जाता है। इस व्यवसाय से उसकी आमदनी बढ़ गई और वह परिवार का खर्च चलाने में पति की मदद भी करने लगी है। वर्षा अब आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन गई है। इससे उसमें आत्मविश्वास का संचार हुआ है। वर्षा की बेटी को भी लाडली लक्ष्मी योजना का लाभ मिल रहा है। गांव की आंगनवाड़ी कार्यकर्त्ता लक्ष्मीकांता बिसेन ने वर्षा को लाड़ली बहना योजना एवं उसकी बेटी को लाड़ली लक्ष्मी योजना का लाभ दिलाने में मदद की है। वर्षा को ग्राम पंचायत पिपरझरी का भी सहयोग मिल रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सिंगल क्लिक से विद्यार्थियों के खातों में समेकित छात्रवृत्ति योजना की राशि का किया अंतरण

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा गुरुवार 30 अक्टूबर 2025 को मुख्यमंत्री निवास से प्रदेश के 52 लाख से अधिक विद्यार्थियों को समेकित छात्रवृत्ति योजना के तहत 300 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सिंगल क्लिक के जरिए छात्रों के खातों में ट्रांसफर की गई है। जिला शिक्षा अधिकारीअश्विनी उपाध्याय ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समेकित छात्रवृत्ति योजना के तहत बालाघाट जिले के 70 हजार 521 बालक एवं 92 हजार 071 बालिकाओं समेत कुल 01 लाख 62 हजार 592 विद्यार्थी लाभांवित हुये है, जिनके बैंक खातों में राशि रूपये 11.01 करोड़ ट्रांसफर की गई। श्री उपाध्याय ने बताया कि समेकित छात्रवृत्ति योजना का मुख्य कार्यक्रम भोपाल में आयोजित हुआ जिसका सीधा प्रसारण जिले के सभी शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में प्रातः 10:30 बजे से किया गया था।

डॉ. श्रद्धा बारमाटे एवं डॉ. स्वाति मेश्राम के निजी क्लीनिक किये गए सील

शासकीय चिकित्सक होने के बाद भी संचालित कर रही थी निजी क्लीनिक

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। मध्यप्रदेश शासन लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा शासकीय चिकित्सकों को केवल स्वयं के निवास पर कर्तव्य अवधि के बाहर निजी प्रेक्टिस जिसमें केवल परामर्श सम्मिलित है, की अनुमति दी गई है। इसके बाद भी शासकीय चिकित्सकों द्वारा निजी क्लीनिक का संचालन किया जा रहा है। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले में संचालित ऐसे निजी क्लीनिकों पर कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में 30 अक्टूबर को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप द्वारा गठित निरीक्षण दल ने जिला चिकित्सालय की स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. श्रद्धा बारमाटे एवं सिविल अस्पताल वारासिवनी की स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. स्वाति मेश्राम के निजी क्लीनिक को सीलबंद कर दिया है। शासन के आदेश का उल्लंघन कर निजी क्लीनिक संचालित करने के कारण इनके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही का प्रस्ताव राज्य शासन को भेजा जा रहा है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप द्वारा अपने निज निवास से पृथक क्लीनिक संचालित करने वाले विशेषज्ञों एवं चिकित्सकों के विरूद्ध कार्यवाही किये जाने के लिए जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.पंकज महाजन, चिकित्सा अधिकारी जिला चिकित्सालय बालाघाट डॉ. वर्ष चौबे एवं सहायक सांख्यिकीय अधिकारी डॉ.श्रद्धा सिंह को शामिल कर निरीक्षण दल गठित किया गया है। इस दल को क्षेत्र के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसीलदार तथा थाना प्रभारी के सहयोग से कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये गए है।

निरीक्षण दल द्वारा नायब तहसीलदार श्रीमती मंजुलता महोबिया के साथ 30 अक्टूबर 2025 को दोपहर 1:28 बजे वा नं. 14, समता भवन के पास डॉ.श्रद्धा बारमाटे स्त्री रोग विशेषज्ञ जिला चिकित्सालय बालाघाट द्वारा संचालित नीजि क्लीनिक तथा शिव मंदिर के पास आई.टी.आई.रो, बु बालाघाट में डॉ.स्वाति मेश्राम स्त्री रोग विशेषज्ञ सिविल अस्पताल वारासिवनी द्वारा संचालित निजी क्लीनिक का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान डॉ.श्रद्धा बारमाटे स्त्री रोग विशेषज्ञ द्वारा संचालित निजी क्लीनिक में माईनर आपरेशन किये जाने से संबंधित फोरसेप किट, डिस्पोजेबल सिरिंजेस, जिले की आशा कार्यकर्ताओं की सूची एवं क्लीनिक में उपचार के लिये आने वाले रोगियों का रजिस्टर पाया गया। जिसे जांच दल द्वारा अपनी अभिरक्षा में लेते हुये क्लीनिक को सीलबंद कर दिया गया।

इसी प्रकार डॉ.स्वाति मेश्राम स्त्री रोग विशेषज्ञ सिविल अस्पताल वारासिवनी द्वारा संचालित निजी क्लीनिक का निरीक्षण करने पर पाया गया कि इस क्लीनिक का संचालन डॉ. सागर खण्डारे एम.डी.मेडिसिन एवं डॉ.स्वाति मेश्राम द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। इस क्लीनिक के प्रथम तल पर चिकित्सक का परामर्श कक्ष एवं द्वितीय तल पर पेथोलॉजी लेब संचालित पाई गई। कार्यालय अभिलेखों का परीक्षण करने पर पाया गया कि डॉ. सागर खण्डारे द्वारा इस क्लीनिक के संचालन के लिए मध्यप्रदेश उपचर्यागृह तथा रूजोपचार संबंधित स्थापनाएं अधिनियम के अधीन पंजीयन नहीं कराया गया है। इस क्लीनिक में भी ओ.पी.डी.रजिस्टर के साथ ही एक डायरी में आशा कार्यकर्ताओं के नाम एवं सम्पर्क मोबाईल नम्बर अंकित पाये गये जिन्हें निरीक्षण दल द्वारा अपनी अभिरक्षा में लेते हुये अवैद्य रूप से संचालित इस क्लीनिक को भी सीलबंद कर दिया गया।

राज्य शासन द्वारा जारी आदेशानुसार विभाग के अंतर्गत कार्यरत नियमित चिकित्सक, संविदा चिकित्सक एवं बंधपत्र चिकित्सक अपने निवास पर निजी प्रेक्टिस के अंतर्गत केवल परामर्श सेवाएं ही दे सकते हैं। शासकीय चिकित्सक स्वयं के नाम अथवा परिजनों के नाम से कोई क्लीनिक, नर्सिंग होम, निजी चिकित्सालय संचालित नहीं कर सकते हैं। परामर्श सेवाएं मात्र पदस्थापना मुख्यालय में ही दे सकते हैं। परामर्श हेतु केवल मूलभूत उपकरण जैसे- स्टेथोस्कोप, बी.पी.इंस्ट्रूमेंट, आप्थलमोस्कोप, आटोस्कोप, ई.सी.जी.मशीन आदि ही निवास पर रखकर उपयोग कर सकते हैं। ऐसे उपकरण, जिनके लिये पृथक से लायसेंस की आवश्यकता होती है जैसे एक्स-रे मशीन, सोनोग्राफी मशीन, ईकोकार्डियोग्राफी मशीन, आदि तथा शल्य क्रिया में उपयोग किये जाने वाले उपकरण जैसे डेन्टल चेयर, याग लेजर मशीन, पेथालाजी, माईक्रोबायोलाजी जांचों हेतु निजी प्रेक्टिस के लिये कोई उपकरण अपने नाम से पंजीकृत कर स्वयं के निवास पर नहीं रख सकते हैं। अपने निवास पर परिजन अथवा अन्य व्यक्ति के नाम से स्थापित या पंजीकृत उपकरण पर कार्य हेतु स्वयं का नाम रजिस्टर नहीं करा सकते है एवं स्वयं उस उपकरण पर कार्य की रिपोर्टिंग भी नहीं कर सकते।

राज्य शासन की उपरोक्त व्यवस्था का उल्लंघन करने के साथ ही मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम के अधीन दण्डनीय कृत्य किये जाने के कारण डॉ.श्रद्धा बारमाटे स्त्री रोग विशेषज्ञ जिला चिकित्सालय बालाघाट एवं डॉ.स्वाति मेश्राम स्त्री रोग विशेषज्ञ सिविल अस्पताल वारासिवनी के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही के लिए राज्य शासन को प्रस्ताव भेजा जा रहा है।

मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के संबंध में दिए गये निर्देश, 4 नवम्बर से 04 दिसम्बर तक घर-घर जाकर सर्वे करेंगें बीएलओ

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मध्यप्रदेश सहित देश के 12 राज्यों में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। बालाघाट जिले में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के लिए सभी तैयारिया कर ली गई हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में 30 अक्टूबर को निर्वाचन आयोग नई दिल्ली की निदेशक शोभा सक्सेना ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सभी जिलों के अधिकारियों को मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के संबंध में विस्तृत निर्देश दिए। इस बैठक में राज्य निर्वाचन आयोग भोपाल के अधिकारी, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मृणाल मीना एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री जीएस धुर्वे उपस्थित थे।

वीसी में बताया गया कि मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण 01 जनवरी 2026 की स्थिति में किया जाएगा। 01 जनवरी 2025 की पुनरीक्षित मतदाता सूची में एवं वर्ष 2003 की मतदाता सूची में जिनके नाम शामिल है, उन्हें मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण एसआईआर के दौरान कोई दस्तावेज नही देना है। 2025 की पुनरीक्षित मतदाता सूची में शामिल ऐसे मतदाता जिनके नाम 2003 की मतदाता सूची में शामिल नही है, लेकिन उनके माता पिता के नाम 2003 की सूची में शामिल है तो उन्हें भी मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण एसआईआर के दौरान कोई दस्तावेज नही देना है।

ऐसे मतदाता जिनके नाम 2025 की मतदाता सूची में शामिल है लेकिन 2003 की मतदाता सूची में शामिल नही है, और उनके माता पिता के नाम भी 2003 की सूची में शामिल नही है तो ऐसे लोगो को मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के दौरान केंद्रीय, राज्य सरकार या सार्वजनिक उपक्रम द्वारा जारी कर्मचारी या पेंशनर पहचान पत्र या पेंशन भुगतान आदेश, भारत में किसी सरकारी, स्थानीय निकाय, बैंक, डाकघर, एलआईसी या सार्वजनिक उपक्रम द्वारा 01 जुलाई 1987 से पूर्व जारी कोई पहचान पत्र, प्रमाण पत्र या दस्तावेज, सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र, पासपोर्ट, किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड या विश्व विद्यालय द्वारा जारी मेट्रिक या शैक्षणिक प्रमाण पत्र, सक्षम राज्य प्राधिकारी द्वारा जारी स्थायी निवास प्रमाण पत्र, वन अधिकार प्रमाण पत्र, ओबीसी, एससी, एसटी या अन्य जाति प्रमाण पत्र, राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर, राज्य या स्थानीय निकाय द्वारा तैयार पारिवारिक रजिस्टर या सरकार द्वारा जारी भूमि या मकान आवंटन प्रमाण मे से कोई एक दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा।

वर्ष 2003 में गहन पुनरीक्षण के आधार पर मतदाता सूची तैयार की गई थी। यह सूची निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। बीएलओ 4 नवम्बर से 4 दिसम्बर की अवधि में घर-घर जाकर प्रत्येक मतदाता की जानकारी गणना पत्रक में दर्ज करेगा। गणना पत्रक की एक प्रति मतदाता को प्रदान करेगा।

गणना पत्रक में मतदाता से जुड़ी अन्य जानकारियाँ दर्ज हैं। इसके आधार पर मतदाता का सत्यापन किया जायेगा। मतदाता के माता, पिता अथवा अन्य निकट संबंधी का नाम यदि वर्ष 2003 की मतदाता सूची में दर्ज है तो बीएलओ उसे प्रमाणित कर देगा। बीएलओ को गणना पत्रक पूरी सावधानी से भरना होगा। वर्ष 2003 के डाटा तथा वर्तमान मतदाता सूची की तुलना करने पर लगभग 90 प्रतिशत मतदाताओं का सत्यापन हो जाएगा। इसके बाद बीएलओ मृत मतदाता, शिफ्टेड तथा डुप्लीकेट मतदाता का चिन्हांकन करेगा। मतदाता अथवा उसके परिवार के किसी सदस्य का नाम यदि देश के किसी भी मतदान केन्द्र की मतदाता सूची में दर्ज है तो उसका सत्यापन हो जाएगा। जिनका सत्यापन नहीं हो पाएगा उनके लिए 12 तरह के दस्तावेज निर्धारित किए गए हैं।

मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के लिए 28 अक्टूबर से 03 नवम्बर तक बीएलओ एवं बीएलए के प्रशिक्षण का कार्य किया जाएगा। इसके पश्चात बीएलओ द्वारा 04 नवम्बर से 04 दिसम्बर तक घर-घर जाकर सर्वे का कार्य किया जाएगा। बीएलओ को एक घर में सर्वे के लिए तीन बार जाना होगा। सर्वे के बाद 09 दिसम्बर को प्रारूप मतदाता सूची का सभी मतदान केंद्रो पर प्रकाशन किया जाएगा। मतदाता सूची में नाम शामिल करने, मृत या पलायन कर चुके लोगो के नाम हटाने तथा नाम संसोधन के संबंध में दावें आपत्ति प्राप्त करने का कार्य 09 दिसम्बर से 08 जनवरी 2026 तक किया जाएगा। 09 दिसम्बर से 31 जनवरी 2026 तक नोटिस एवं दावों आपत्ति की सुनवाई का कार्य किया जाएगा। इसके पश्चात 07 फरवरी 2026 को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा।

सांदीपनि विद्यालय बालाघाट में एफएलएन मेले का हुआ आयोजन

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों में एफएलएन (फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरेसी) मेले का आयोजन किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य बच्चों की बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान को परखना है। 30 अक्टूबर को बालाघाट के सांदीपनि विद्यालय में भी इस मेले का आयोजन किया गया, जहां कक्षा पहली और दूसरी के छात्र-छात्राओं की पढ़ने, लिखने और संख्यात्मक ज्ञान का मूल्यांकन किया गया।

इस मेले में अभिभावकों की सहभागिता भी रही, जिन्होंने अपने बच्चों की प्रगति को देखा और समझा। मेले में विभिन्न गतिविधियों के स्टाल लगाए गए, जिनमें बच्चों की बौद्धिक, भाषाई, शारीरिक और गणितीय दक्षता को परखा गया। मध्यप्रदेश सरकार के मिशन अंकुर के तहत आयोजित इस मेले का उद्देश्य बच्चों को बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान में दक्ष बनाना है, जिससे वे समाज में पूरी तरह से भाग ले सकें।

एफएलएन मेले के निरीक्षण के लिए जिला परियोजना समन्वयक जीपी बर्मन, विवेक गुप्ता एपीसी एकेडमीक जिला परियोजना कार्यालय बालाघाट से उपस्थित हुए और छात्र-छात्राओं से पढ़ने लिखने व संख्यात्मक ज्ञान को परखा गया। सर्वप्रथम सांदीपनि विद्यालय के प्राचार्य डॉ.युवराज राहंगडाले, उप प्राचार्य साजिद मोहिस के द्वारा मेले का विधिवत शुभारंभ किया गया। एफएलएन मेले में शारीरिक, बौद्धिक विकास भाषा कौशल और गणितीय ज्ञान को लेकर दक्षता परखी गई। विभिन्न गतिविधियों के अलग अलग स्टाल लगाए गए। जिसमें रिपोर्ट कार्ड में छात्र का पंजीकरण कर बौद्धिक विकास, भाषाई कौशल, शारीरिक दक्षता एवं गणितीय अभिरुचियों को दर्शाने वाली गतिविधियों को प्रदर्शित की गई। इस दौरान श्रीमती मशराम प्रधान पाठक, एमएल बनोटे प्रभारी प्रधानपाठक एवं समस्त शिक्षक उपस्थित रहे।

खैरलांजी एवं परसवाड़ा में बाल विवाह रोकथाम के लिए जागरूकता कार्यशाला का हुआ आयोजन

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी दीपमाला सोलंकी के मार्गदर्शन में वन स्टॉप सेंटर बालाघाट प्रशासक रचना चौधरी द्वारा मिशन शक्ति के हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वुमेन एवं बेटी बचाओं बेटी पढाओं कार्यक्रम के अंतर्गत निरंतर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में 30 अक्टूबर को खैरलांजी विकासखंड की ग्राम पंचायत विटोरी के शासकीय कन्या विद्यालय एवं परसवाड़ा विकासखंड के ग्राम कटंगा की आंगनवाड़ी केंद्र में महिला एवं बच्चों पर आधारित कानूनों की जानकारी दी गई।

इस दौरान देव उठनी ग्यारस 02 नवंबर 2025 के अवसर पर बाल विवाह होने की संभावना को देखते हुए बालिकाओं एवं महिलाओं को बाल विवाह रोकथाम के लिए बाल विवाह निषेध अधिनियम की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्हें अवगत कराया गया कि जो भी व्यक्ति बाल विवाह करवाता हैं या उसमें सम्मिलित होता है अथवा किसी भी प्रकार से विवाह में सहयोग देता है, जिसमें बालिका की आयु 18 वर्ष से कम आयु अथवा बालक की आयु 21 वर्ष से कम का विवाह किया जाता है या कराया जाता है, यह बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के अंतर्गत एक दण्डनीय अपराध है। ऐसा करने पर 2 वर्ष तक का कठिन कारावास व 01 लाख रूपये तक के जुर्माने का प्रावधान है की विस्तृत जानकारी दी गई।